आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, शुक्रवार
20 जून 2025
वर्षः 38, अंकः 193
पृष्ठः 12, मूल्यः 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

राजनीतिक हलचल

55 साल के हुए राहुल गांधी... राजनीति में एंट्री से लेकर सियासी चुनौतियों पर एक नजर

झारखंड

बालूमाथ में दर्जनों मिट्टी के घर पर घुसा पानी जगह-जगह पर सड़कों पर जल जमाव जनजीवन अस्त-व्यस्त

हज़ारीबाग

राज्यपाल के हाथों विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड के पोस्टर का किया गया लोकार्पण

हर तरफ सिर्फ पानी; झारखंड पर आफत बनकर बरसा मॉनसून, छीन लीं कई जिंदगियां

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित कई इलाके ऐसे हैं जो बाढ़ की चपेट में हैं। हर ओर देखने पर सिर्फ पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। इस बीच अलग-अलग इलाकों से आई मौत की खबरें भी दिल तोड़ रही हैं। किसी कोने से अच्छी खबर नहीं आ रही है। बांध के अलावा नदी-नाले ऊफान पर हैं।

दूर तक छाए थे बादल और कहीं साया न था,इस तरह बरसात का मौसम कभी आया न था...कतील शिफाई का ये शेर आज झारखंड के लिए मौजू हो गया है। मॉनसून की आस लगाए प्रदेशवासियों के लिए बारिश जैसे राहत नहीं आफत बनकर टूट पड़ी है। कहीं कच्चे मकान धराशाई हो गए तो कहीं पानी के तेज बहाव के साथ जानवरों के साथ इंसान भी बह गए। झारखंड के लोग भी मन ही मन सोच रहे होंगे कि हे खुदा... इतनी बारिश की उम्मीद तो मैंने भी न की थी। पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही बरसात ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। किसी कोने से अच्छी खबर नहीं आ रही है। बांध के अलावा नदी-नाले ऊफान पर हैं। मोर्चे पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) को भी तैनात कर दिया गया है। आइए आपको झारखंड पर टूटी आसमानी आफत की हर डिटेल दिए देते हैं।

झारखंड की राजधानी रांची सहित कई इलाके ऐसे हैं जो बाढ़ की चपेट में हैं। हर ओर देखने पर सिर्फ पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। इस बीच अलग-अलग इलाकों से आई मौत की खबरें भी दिल तोड़ रही हैं। खूंटी जिले में भारी बारिश के कारण निर्माणाधीन कुएं के धंस जाने से उसकी मिट्टी के नीचे 22 घंटे तक दबे रहने के बाद दो स्कूली छात्रों ने दम तोड़ दिया। रांची जिले में मिट्टी का एक मकान ढह जाने के कारण 10 वर्षीय लड़की के भी मौत की खबर है। चक्रधरपुर में बारिश से एक मिट्टी का मकान गिर गया जिससे महिला की मौत हो गई तो वहीं तीन बच्चों के घायल होने की खबर है। डीपीएस रांची के शिक्षक भी पानी के तेज बहाव में बहने की खबर है। अफसोस की बात यह है कि उन्होंने कुछ देर पहले ही एक सेल्फी भी ली थी,लेकिन अगले ही पल उनके साथ यह हादसा हो गया। उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। संगीत शिक्षक माइकल घोष अपने दो शिक्षक मित्र पंकज श्रीवास्तव और ऋत्विक सामंता के साथ गुरुवार को एक चार पहिया वाहन से करीब डेढ़ बजे जोन्हा फॉल घूमने पहुंचे थे। भारी बारिश से प्रखंड के जामुदाग पंचायत में 7 से अधिक घर गिर गए हैं। पीड़ित लोगों को रहने और खाने में काफी परेशानी हो रही है। वहीं,चान्हो के बढ़ईया में पड़ोसी की दीवार गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई।

झारखंड में लगातार हो रही बारिश ने डैम को भी विकराल बना दिया है। लगातार हो रही बारिश के चलते डैम का पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। चांडिल डैम का जलस्तर 181.20 मीटर पर पहुंच गया है। खतरे को देखते हुए बांध के 7 फाटक खोल दिए गए हैं। इसके बाद स्वर्णरिखा नदी पूरे उफान पर आ गई। स्वर्णरिखा नदी के तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बता दें कि बुधवार को चांडिल डैम का जलस्तर 179.80 मीटर पर था तथा दो फाटक खुले हुए थे। पिछले 24 घंटे में डैम का जलस्तर में 1.40 मीटर की बढ़ोतरी हुई। चांडिल डैम के जल स्तर बढ़ने से करीब आधा दर्जन विस्थापित गांव में डैम का पानी दस्तक देने लगा है।

झारखंड में मौसम विभाग ने जारी किया बारिश का रेड अलर्ट, आपातकालीन सेवा में जुटा प्रशासन

संवाददाता द्वारा

रांचीः मौसम विभाग ने बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। इसके चलते प्रशासन आपातकालीन स्थिति से निपटने की तैयारियों में जुट गया है। दरअसल, पंचायती राज अधिकारी को मुखिया समूहों के माध्यम से रेड अलर्ट की जानकारी देने को कहा गया है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने और इमरजेंसी किट तैयार रखने के लिए कहा गया है। स्कूलों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। जरूरत पड़ने पर उन्हें बंद करने या ऑनलाइन कक्षाएं चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्देश दिया गया है कि वे सभी मुखिया समूहों के माध्यम से रेड अलर्ट और सुरक्षा उपायों की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं। ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान चलाएं। लोगों को सुरक्षित जगहों पर रहने और इमरजेंसी किट तैयार करने के लिए कहा जाए। इसके अलावा स्कूलों के संचालन पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बताया जा रहा है कि मौसम को देखते हुए स्कूलों को बंद करने या ऑनलाइन कक्षाएं चलाने का फैसला तुरंत लेने के लिए कहा गया है। स्कूल परिसरों में जलभराव या अन्य खतरे होने पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। वहीं, क्षेत्रीय निगरानी

समितियों के साथ मिलकर जाम नालियों, रुके हुए पानी और गिरे हुए पेड़ों पर नजर रखने का भी निर्देश जारी किया गया है। ताकि जल निकासी की व्यवस्था को तुरंत ठीक किया। वहीं बाढ़ वाले इलाकों में राहत कार्यों की तैयारी रखने को कहा गया है।

डीएसपी ट्रैफिक और डीटीओ को यातायात पर खास ध्यान देने के लिए कहा गया है। टूटे हुए वाहनों, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों और बारिश से खराब हुई सड़कों पर यातायात को सुचारू रखने के लिए जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। लोगों को वैकल्पिक रास्तों की जानकारी देने के लिए भी कहा गया है। वहीं आम नागरिकों के लिए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे मौसम विभाग के अलर्ट का पालन करें और अनावश्यक यात्रा से बचें। आपातकालीन स्थिति में नजदीकी प्रशासनिक कार्यालय या हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करने की अपील की गई है।

रांची में सिकंदर यादवेंदु और पटना में डॉक्टर शिव कुमार के ठिकानों पर ईडी की रेड

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) गुरुवार सुबह से ही बिहार और झारखंड के अलग-अलग ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन की कार्रवाई कर रही है। बताया जा रहा है कि ईडी पेपर लीक मामले में यह सर्च ऑपरेशन चला रही है। बिहार की राजधानी पटना में आरोपी डॉक्टर शिव कुमार के ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। वहीं झारखंड में आरोपी सिकंदर यादवेंदु के यहां सर्च ऑपरेशन की कार्रवाई चल रही है। सूत्र बताते हैं कि पेपर लीक के मुख्य आरोपी संजीव मुखिया के कई रेश्तेदारों के यहां भी ईडी सर्च ऑपरेशन की कार्रवाई कर रही है। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराधी ईकाई ओर से की गई कार्रवाई के बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है।

ईडी की टीम गुरुवार सुबह रांच के बरियारपुर इलाके में पहुंची। यहां सिकंदर यादवेंदु के मकान पर सर्च ऑपरेशन की जा रही है। सिकंदर बिहार में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। नीट पेपर लीक मामले में इनकी गिरफ्तारी के बाद इनका नाम सुर्खियों में आया था।

पिछले साल ईओयू की टीम ने सिंकदर के घर की तलाशी ली थी। फिलहाल सिकंदर जमानत पर हैं। बताया जाता है कि सिकंदर यादवेंदु की राजनीतिक रसूख मानी जाती है, इसी का सहारा लेकर उन्होंने नीट पेपर लीक जैसे घटना को अंजाम दिया था। हालांकि जांच प्रोसेस पूरा होने के बाद ही सारी सच्चाई सामने आ पाएगी। यहां याद दिला दें कि झारखंड के हजारीबाग के एक स्कूल से पेपर लीक की घटना हुई थी।

रांची के सभी स्कूल शुक्रवार को भी रहेंगे बंद, मूसलाधार बारिश का असर

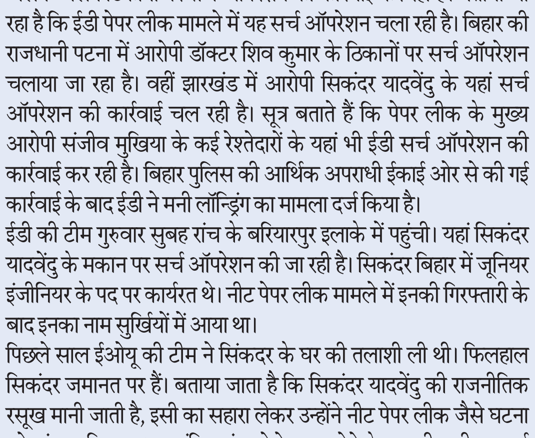

संवाददाता द्वारा

रांचीः मूसलाधार बारिश को देखते हुए रांची जिला प्रशासन ने कल यानी शुक्रवार को भी 12वीं तक की सभी कक्षाओं को स्थगित करने का फैसला लिया है. रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि बच्चों की सेफ्टी जरुरी है. उनकी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता. लगातार बारिश की वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ है. लिहाजा, मौसम केंद्र, रांची से बारिश के पूर्वानुमान पर आधारित फीडबैक लेने के बाद स्कूलों को कल भी बंद रखने का फैसला लिया गया है. अभिभावक संघ ने जिला प्रशासन के इस फैसले का स्वागत किया है. दरअसल, मौसम केंद्र, रांची ने झारखंड में 19 और 20 जून को भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है. 17 जून को दक्षिण-पश्चिम मानसून के झारखंड में एंट्री के साथ ही बादल उमड़ने शुरु हो गये थे. इसको लेकर मौसम केंद्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अलर्ट भी जारी किया था. इसको ध्यान में रखते हुए रांची जिला प्रशासन ने 19 जून को सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया था. अब इस फैसले को शुक्रवार के लिए भी कंटिन्यू कर दिया गया है.

बता दें कि लगातार हो रही बारिश की वजह से पहाड़ी नदियां उफान पर हैं. रांची के निचले इलाकों में मौजूद घरों में पानी घुस गया है. कई जिलों में डैम के फाटक खोले गये हैं. खूंटी में एक पुल धंस गया है. कई जगह मिट्टी की दीवारें ढह गई हैं. लातेहार में डायवर्सन बहने की वजह से ट्रक जलमग्न हो गया है. हर जिला में प्रशासन के स्तर पर मूसलाधार बारिश की वजह से हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है.

रांची में केक काटकर मनाया गया राहुल गांधी का जन्मदिन, सीएम ने दी शुभकामना

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज अपना 55वां जन्मदिन मना रहे हैं. इस खास अवसर पर उन्हें देशभर से लोग जन्मदिन की बधाईयां और शुभकामनाएं दे रहे हैं. इसी बीच राजधानी रांची के प्रेस क्लब में राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें केक काटकर राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया गया.

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आज जन्मदिन है। राहुल 55 वर्ष के हो गए। राजधानी रांची में भारी बारिश के बावजूद कांग्रेस नेताओं ने उनका जन्मदिन सादगीपूर्वक मनाया। रांची प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री दीपिका पांडे सिंह, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव, बंधु तिर्की, सुबोधकांत सहाय सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता मौजूद रहे।

इस मौके पर कांग्रेस प्रभारी के राजू ने कहा कि राहुल गांधी के जन्मदिन पर पार्टी ने संकल्प लिया है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे भी पूरी मजबूती से लड़ा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा –

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल

गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके दीर्घायु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।÷ राहुल गांधी को पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और देशभर के कांग्रेस समर्थकों ने भी शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर दिनभर उन्हें बधाई देने वालों की लंबी कतार देखी गई।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है. सीएम के अलावा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन समेत कई अन्य नेताओं ने राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी. प्रेस क्लब में केक कटिंग सेरेमनी के दौरान झारखंड कांग्रेस के प्रभारी , प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष केशव महतो समेत झारखंड के अन्य मंत्री, विधायक और कांग्रेस नेता मौजूद रहें.

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 55वें जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार को युवा कांग्रेस के तत्वावधान में ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अरुण संगा के नेतृत्व में सात कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। मौके पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि रक्तदान महादान है। इस कारण हमारे नेता राहुल गांधी के जन्म दिवस पर युवा कांग्रेस में रक्तदान कर उनका जन्म दिवस मनाने का निर्णय किया। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के कारण रक्तदान करने वालों की संख्या कम रही, लेकिन आने वाले समय में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता रक्तदान करेंगे उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस पार्टी के पद चिन्हों पर चलते हुए हमेशा लोगों की मदद किया करती है।

उन्होंने यह भी कहा कि अधिक से अधिक युवा रक्तदान के लिए आगे आएं, ताकि जिले में रक्त की कमी को पूरी की जा सके। मौके में जिला उपाध्यक्ष बहा मुंडा, विधानसभा अध्यक्ष ऋतुराज, खूंटी प्रखंड अध्यक्ष अनमोल धान, युवा कांग्रेसी उस्मान, निलेश, मार्टिन एवं कई युवा कांग्रेसी उपस्थित थे।

कांग्रेस सरायकेला-खरसावां जिला ईकाई के तात्वावधान में आदित्यपुर के हरिओम नगर के 6एलएफ में गुरूवार को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 55वां जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस जिला अध्यक्ष अंबुज कुमार के नेतृत्व में केक काटा गया। इस दौरान राहुल गांधी की दीर्घायु होने की कामना की गयी। इस कार्यक्रम में जिला सह पर्यवेक्षक एलबी सिंह, प्रदेश सचिव सुरेशधारी भी शामिल थे। केक कटिंग के उपरांत जिला अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी में भारत का नेतृत्व करने की क्षमता है। वे एक सच्चे देशभक्त और महान व्यक्तित्व के धनी इंसान है। उन्होने कहा कि इनकी सादगी, त्याग, ईमानदारी और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित निष्ठा अनुकरणीय है।

कार्यक्रम के दौरान नगर अध्यक्ष राहुल यादव, रमाशंकर पांडे, खिरोद सरदार, झरना मन्ना, अरुणपांडे, संगीता प्रधान, विजय झा, राकेश सिंह, प्रवीण कुमार, रवि कुमार, दारा सिंह, संदीप गोप आदि उपस्थित थे।

आदिवासियों को मुस्लिम बनाया जा रहाः केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

संवाददाता द्वारा

रांची। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह गुरुवार को रांची में अपने स्वभाव के अनुकूल गैर भाजपा दलों पर जमकर बरसे। तसर अनुसंधान केंद्र के 61वें स्थापना दिवस कार्यक्रम पर पहुंचे गिरिराज ने राज्य सरकार पर मुसलमानों के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार को आदिवासियों के बार में सोचना होगा। झारखंड के आदिवासियों को मुसलमान बनाया जा रहा है, लेकिन सरकार इसको रोक नहीं पा रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार को समझना होगा कि यहां सिर्फ नारों से काम नहीं चलेगा। विकास योजनाओं को जंगलों में घुसने नहीं देते। जंगल को आदिवासी के हवाले करें, ताकि आदिवासी खेती भी कर सकें और रेशम का उत्पादन भी हो। राज्य सरकार को भ्रम फैलाने से बचना होगा। आदिवासी को जमीन का अधिकार दे, ताकि उनकी आमदनी बढ़े और उन्हें जीने का सहारा मिले।

उन्होंने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि जंगल में फलदार वृक्ष लगवाए जिससे क्षेत्र के गरीब आदिवासियों का आर्थिक उत्थान हो सके। वन विभाग को इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है आज 80 हजार हेक्टर वन है परंतु इसमें फलदार वृक्ष नहीं है, वृक्ष क्लाइमेट चेंज के लिए जरूरी है और फलदार वृक्ष होने से लोगों को लाभ होगा।

गिरिराज ने इस दौरान बिहार चुनाव पर भी अपना पक्ष रखा। तेजस्वी

यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि चोर चोरी के खिलाफ बोल रहा है। थेथरोलाजी से नहीं होगा। राजद एक परिवार की पार्टी है।

राजद के खिलाफ अपना आक्रोश जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि ये जो अपना आदर्श बतिया रहे हैं, उनके डीएनए में भ्रष्टाचार है। लालू मुंगेरीलाल के सपने देखने बंद कर दें। एक बार फिर बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर पूरे बिहार को भरोसा है। पूरे विश्व ने देखा है कि कैसे उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को रुकवा दिया। विश्व में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं।

पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए रांची में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत उन्होंने तसर अनुसंधान केंद्र में पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के हरित भारत अभियान को जन आंदोलन बनाया जाएगा। यह केवल कर्तव्य नहीं, भावनात्मक जिम्मेदारी है।

उन्होंने राजधानी रांची में मेरा रेशम, मेरा अभियान अभियान की शुरुआत भी की। इस दौरान दावा किया कि रेशन उत्पादन को नई ऊंचाई देने के प्रयास जारी हैं। सौ दिनों में एडवांस टेक्नोलाजी खेतों तक पहुंचेगी।

राष्ट्रीय दामाद आयोग...गाली और लालू यादवः तेजस्वी यादव

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना। वंशवाद की राजनीति के मुद्दे पर भाजपा पर पलटवार करने की कोशिश में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राष्ट्रीय दामाद आयोग (एनडीए) की बैठक में भाग लेने के लिए बिहार आ रहे हैं। यह हमला एनडीए नेताओं के रिश्तेदारों को बिहार में विभिन्न आयोगों में नियुक्त किए जाने के संदर्भ में था। सत्तारूढ़ जेडीयू-भाजपा गठबंधन द्वारा राजद पर बार-बार भाई-भतीजावाद का आरोप लगाया जाता रहा है, तथा इसके लिए पिछले कार्यकालों में लालू प्रसाद यादव के परिवार के सदस्यों को मंत्री पद दिए जाने का हवाला दिया जाता रहा है। तेजस्वी ने एनडीए में शामिल राजनीतिक वारिस की बड़ी संख्या की ओर इशारा करके हमले को टालने की कोशिश की । इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे ने तूल पकड़

लिया है। तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री एक बार फिर बिहार को धोखा देने आ रहे हैं। वह यहां केवल लालू प्रसाद और मुझे गाली देने आते हैं। बिहार के पूर्व मंत्री ने कहा कि क्या प्रधानमंत्री बिहार के विभिन्न आयोगों में नियुक्त तीनों दामादों को माला पहनाएंगे? एनडीए का मतलब अब राष्ट्रीय दामाद गठबंधन है। तेजस्वी ने प्रधानमंत्री पर बेरोजगारी और पलायन जैसे वास्तविक मुद्दों से बचने और इसके बजाय अपने प्रतिद्वंद्वियों को ÷गाली देने÷ पर ध्यान केंद्रित करने का भी आरोप लगाया।

मंत्री जीतन राम मांझी के दामाद देवेंद्र मांझी को बिहार अनुसूचित जाति आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि मंत्री अशोक चौधरी के दामाद सयान कुणाल को बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस बीच, चिराग पासवान के बहनोई मृणाल पासवान को इस महीने की शुरुआत में बिहार एससी आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

तेजस्वी पर पलटवार करते हुए मांझी ने उनकी टिप्पणी को खारिज कर दिया और इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार प्रगति कर रहा है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद अरुण भारती ने कहा कि लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के शासन के दौरान बिहार में जंगल राज और चरवाहा विद्यालयों का उदय हुआ। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को बिहार पहुंचेंगे और पिछले पांच महीनों में राज्य का पांचवां दौरा करेंगे। वह सीवान में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे, जहां वह 10,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सिवान और गोपालगंज तथा छपरा जैसे आस-पास के जिले आरजेडी के गढ़ हैं। इन जिलों में मुस्लिम और यादव मतदाताओं की अच्छी खासी आबादी है। गोपालगंज पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का गृह जिला है। सीवान कभी दिवंगत आरजेडी सांसद और बाहुबली मोहम्मद शहाबुद्दीन का गढ़ हुआ करता था। उम्मीद है कि सिवान में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी जाति जनगणना और लालू प्रसाद द्वारा बीआर अंबेडकर की तस्वीर के कथित अनादर जैसे मुद्दों पर आरजेडी पर निशाना साधेंगे। इसके जरिए प्रधानमंत्री दलित मतदाताओं का समर्थन मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

प्रधानमंत्री बिहार को 10,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं समर्पित करेंगे। वह पाटलिपुत्र और गोरखपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इसके अलावा, वह छपरा के मरहौरा स्थित डीजल लोकोमोटिव फैक्ट्री में निर्मित पहले लोकोमोटिव को हरी झंडी दिखाएंगे। इसे गिनी में निर्यात किया जाएगा।

खुली नगर निगम की पोल, घरों में घुसा गंदा पानी

संवाददाता द्वारा

रांची: राजधानी रांची में मानसून की पहली जोरदार बारिश ने नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी है. शहर के कई इलाकों में जलजमाव की भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है. नाला का पानी लोगों के घरों में घुस चुका है, जिससे जनजीवन पूरी तरह से अस्तव्यस्त हो गया है. पीने के पानी से लेकर बिजली तक की सुविधा ठप हो चुकी है और लोग अपने ही घरों में कैद होकर रह गए हैं. पत्रकार ने बारिश के बाद, प्रभावित इलाकों का दौरा किया और जो तस्वीरें सामने आईं, वे चौंकाने वाली हैं. चाहे वह खेलगांव का दीपाटोली क्षेत्र हो, कोकर का निचला इलाका हो या फिर हरमू नदी के आसपास बसे मोहल्ले- हर जगह पानी ही पानी नजर आ रहा है.

खेलगांव स्थित दीपाटोली मोहल्ला पूरी तरह जलमग्न है. नालियों का गंदा पानी घरों के भीतर घुस चुका है. स्थानीय निवासियों ने बताया कि घर के अंदर एक से दो फीट तक पानी भर गया है. बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक भारी परेशानी झेल रहे हैं. न तो पीने का साफ पानी है, न बिजली. जनरेटर सेट भी पानी में डूबकर ठप हो चुके हैं.

कोकर के निचले इलाकों में नालों का पानी सड़क और गलियों से होकर बह रहा है. कई घरों में शौचालय का गंदा पानी भी बैकफ्लो के कारण अंदर आ गया है. महिलाओं और बच्चों को भारी दिक्कत हो रही है. लोगों का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं है - हर साल यही हाल होता है लेकिन रांची नगर निगम की ओर से स्थाई समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाया जाता है.

हरमू नदी के किनारे बसे कई घरों में नदी का पानी घुस चुका है. कुछ घरों में लोग ऊपरी मंजिल पर जाकर किसी तरह सुरक्षित हैं लेकिन वहां न तो खाना पका पा रहे हैं और न ही बुनियादी जरूरतों की पूर्ति हो पा रही है.

वहीं स्थानीय निवासियों ने नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि उन्होंने कई बार जलजमाव की समस्या को लेकर शिकायतें दर्ज कराई है लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है. बारिश से पहले नालों की सफाई अधूरी रह गई, जिसका नतीजा आज पूरा मोहल्ला भुगत रहा है.

एक और बड़ा मुद्दा सामने आया है अनियोजित शहरीकरण. जिन क्षेत्रों में पहले नाले या जलधाराएं थीं, वहां बिल्डरों ने बड़े फ्लैट खड़े कर दिए हैं. प्रशासन ने आंख मूंदकर मंजूरी दी और आज नालों का प्राकृतिक बहाव बंद हो चुका है. नतीजतन मामूली बारिश में ही पानी का जमाव हो जाता है और वह बस्ती में घुस आता है.

ग्राउंड रिपोर्ट में यह सामने आया कि प्रभावित इलाकों के लोग रोजमर्रा की ज़िंदगी जीने में असमर्थ हो चुके हैं. खाना बनाना, ऑफिस जाना सब कुछ ठप है. राशन की दुकानों तक पहुंचना भी एक चुनौती बन गया है. कई परिवारों के घरों में खाना बनाने की सामग्री और गैस सिलेंडर भी पानी में डूब गए हैं.

यह पहली बार नहीं है जब मानसून में ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई हो. पिछले साल भी रांची के इन्हीं इलाकों में जलजमाव की गंभीर स्थिति बनी थी. तब एनडीआरएफ की टीमों को बुलाना पड़ा था लेकिन दुख की बात है कि उस आपदा से कोई सबक नहीं लिया गया. इस बार भी हालात लगभग वैसे ही हैं बल्कि कुछ जगहों पर स्थिति और बदतर हो चुकी है.

स्थानीय लोग यह सवाल भी उठा रहे हैं कि आखिर उनके जनप्रतिनिधि कहां हैं? चुनाव के समय तो हर मोहल्ले में वादों की बौछार होती है लेकिन जब जनता को सच में मदद की ज़रूरत होती है, तो कोई सामने नहीं आता.

पत्रकार का मकसद है कि नगर निगम, जिला प्रशासन और राज्य सरकार तक आम जनता की पीड़ा पहुंचे. यह वक्त बयानबाजी का नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का है. यदि समय रहते जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में यह स्थिति और विकराल हो सकती है.

रांची जैसे राजधानी शहर में हर साल मानसून का यही हाल है तो यह सोचने की ज़रूरत है कि विकास का दावा किस आधार पर किया जा रहा है? नालों की सफाई, जलनिकासी की पुख्ता व्यवस्था और शहरी योजना में पारदर्शिता के बिना ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति को रोकना मुश्किल है.

राजधानी रांची में लगातार हो रही बारिश ने नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी है. शहर के पंडरा इलाके में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है. सड़कें पानी से लबालब हो चुकी हैं, नालियों का पानी घरों तक घुस गया है और लोग भारी परेशानियों से जूझ रहे हैं.

खेलगांव, कोकर, दीपा टोली, अशोक नगर, हरमू, कांके, कोकर, भरमटोली और पंडरा जैसे इलाकों में जलभराव की स्थिति बेहद चिंताजनक है. कई घरों में एक से दो फीट तक पानी भर गया है, जिससे लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं.

लगातार बारिश और जलभराव के कारण लोगों की दिनचर्या पूरी तरह बाधित हो गई है. लोग ऑफिस नहीं जा पा रहे हैं, बच्चों के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है. बाजारों में भी सन्नाटा है, मौसम विभाग और प्रशासन लोगों को घरों में रहने की सलाह दे रहा है. जिसकी वजह से लोग घर से निकलने से परहेज कर रहे हैं.

कांके डैम के किनारे बसे इलाकों में जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है. स्थानीय लोग डरे हुए हैं कि अगर बारिश ऐसे ही जारी रही, तो स्थिति बेकाबू हो सकती है. वही स्थानीय लोगों ने नगर निगम पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. लोगों का कहना है कि हर साल यही हाल होता है लेकिन प्रशासन समय रहते कदम नहीं उठाता. लोगों की मांग है कि इस बार स्थाई समाधान किया जाए ताकि हर मानसून में यह त्रासदी न दोहराई जाए.

मूसलाधार बारिश से रांची बेहाल, स्वर्णरेखा और हरमू नदी उफान पर, कई इलाकों से लोगों का रेस्क्यू

संवाददाता द्वारा

रांची: राजधानी रांची समेत झारखंड के विभिन्न जिलों में लगातार तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है. शहर की छोटी-बड़ी सड़कें जलमग्न हो चुकी हैं, वहीं हरमू और स्वर्णरेखा जैसी प्रमुख नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं.

स्वर्णरेखा नदी के किनारे बसे कुछ इलाकों में पानी घरों में घुस गया है, जिससे कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना पड़ा. जिला प्रशासन द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया और प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकाला गया. वहीं हरमू नदी और अन्य बड़े नाले भी उफान पर हैं, जिससे आस-पास के इलाकों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं.

मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है. जिला प्रशासन ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्देश दिया है. साथ ही नदी किनारे और जलजमाव वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है.

प्रशासन ने सड़क पर निकलने वाले नागरिकों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है. शहर में ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई है. इधर एयरपोर्ट रोड पर भी एक ट्रैक्टर, रोड धंसने के कारण पलट गया. रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट जाने वाली सड़क में जाम की स्थिति बन गई, जिससे एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी.

फिलहाल रांची व आसपास के जिलों में राहत व बचाव दल को अलर्ट मोड पर रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके. जिला प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक स्वर्णरेखा नदी के इर्द-गिर्द रहने वाले कुछ लोग फंस गए थे, उन्हें सुरक्षित निकल लिया गया हैं. फिलहाल राजधानी रांची से हताहत की अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है, प्रशासन की टीम लगातार नजर बनाई हुई है.

खरकई और स्वर्णरिखा खतरे के निशान को लेकर अलर्ट, तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से की गई अपील

संवाददाता द्वारा

जमशेदपुर: जिले में दो दिन से लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. स्वर्णरेखा और खरकई नदी खतरे के निशान पर है. जिला प्रशासन द्वारा तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट कर दिया गया है.

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि तटीय इलाके में रहने वाले लोगों को सुरक्षित रहने के लिए व्यवस्था की गई है. खाने-पीने की भी व्यवस्था की गई है. साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वह अपने घरों से ना निकले, दोनों नदियां खतरे के निशान पर हैं. जमशेदपुर में लगातार हो रही बारिश ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है. लोग अपने घरों में सिमट कर रह गए हैं. वहीं, सरकार द्वारा स्कूलों को बंद रखने का भी निर्देश दिया गया है.

शहर के बीचों-बीच बहने वाली खरकई और स्वर्णरेखा नदी का जल स्तर खतरे के निशान पर है. खरकई और स्वर्णरेखा नदी के किनारे तटीय इलाके में बसने वाले लोगों को सुरक्षित जगह पर रहने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अपील की जा रही है.

आपको बता दें कि खरकई नदी का वर्तमान जलस्तर 128.780 मीटर है. जबकि खतरे का स्तर 129 मीटर है. वहीं, स्वर्णरेखा नदी का वर्तमान जलस्तर 121.300 मीटर है, जिसका खतरे का स्तर 121.50 मीटर है. खरकई नदी के किनारे बागबेड़ा के कई इलाके और स्वर्णरेखा नदी के किनारे कदमा के शास्त्री नगर और मानगो के कई इलाकों में जल जमाव होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

इधर, जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने क्षेत्र में दौरा कर लोगों को सुरक्षित रहने की अपील की है और हर संभव मदद देने की भी बात कही है. जबकि जिला प्रशासन द्वारा माइक के जरिए तटीय इलाके में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की जा रही है.

वहीं, बागबेड़ा के बड़ौदा घाट और बागबेड़ा को जोड़ने वाले पुल के ऊपर पानी के बहने से आवागमन को रोक दिया गया है. जिला परिषद सदस्य कविता परमार भी इलाकों में भ्रमण कर रही हैं. इलाके का दौरा कर रहे जमशेदपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि खरकई और स्वर्णरेखा नदी का जलस्तर बढ़ गया है. तटीय इलाके में रहने वाले लोगों को सुरक्षित रहने की व्यवस्था की गई है उनके खाने-पीने की व्यवस्था के साथ-साथ मेडिकल की भी व्यवस्था की गई है.

उन्होंने बताया कि लोगों से अपील की जा रही है कि वह बेवजह घरों से ना निकले और तटीय इलाके में रहने वाले लोग सुरक्षित स्थान पर चले जाए. उन्होंने बताया कि पूरे जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए अलर्ट जारी कर दिया गया है. दो कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जिसके जरिए सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी.

खूंटी में बारिश का कहर! करकरी नदी में फंसे मजदूरों का रेस्क्यू

संवाददाता द्वारा

खूंटी: जिला में लगातार बारिश के कारण जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है. नदियों का जलस्तर बढ़ने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी है. वहीं दूसरी ओर पानी के बहाव के कारण लोग फंसे हुए नजर आए. वहीं दीवार गिरने से एक बच्ची और एक युवक की मौत हो गयी.

जिला के अड़की के राईकाड़ा और सोनपुर के बीच करकरी नदी पर बन रहे निर्माणधीन पुल में काम कर रहे छह मजदूरों को गुरुवार दोपहर को एनडीआरएफ की टीम के द्वारा सुरक्षित निकले जाने के बाद प्रशासन और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली. लगातार तीन दिनों से हो रही मूसलधार बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण ये मजदूर बुधवार शाम से पुल पर फंसे हुए थे. रेस्क्यू किए गए मजदूरों में नामजान बागे, चमा महतो, दाऊद बुड़ तीनों गुमला जिला, भोला राम, रोहित कुमार पलामू जिला एवं सुरज चौधरी प्रयागराज यूपी का निवासी है.

सोनपुर के ग्रामीणों ने बताया कि ये सभी मजदूर निर्माणाधीन पुलिया के नीचे ही खाना बनाकर आराम करते थे और रात में पुल पर ही चढ़कर सो जाते थे. उस ओर पानी का बहाव नहीं था. ग्रामीणों के द्वारा लगातार बारिश के कारण नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए उन्हें वहां से हटकर गांव के नजदीक जाने को कहा था. लेकिन पर वे नहीं माने और जलस्तर बढ़ने के कारण बाहर नहीं निकल पाए और पिलर पर चढ़ गए. बुधवार की रात होते-होते तेज बारिश और बढ़ते जलस्तर ने स्थिति को और भयावह बना दिया. पूरी रात मजदूरों ने बिना नींद, ठंड और बहते पानी के बीच डरे-सहमे बिताई और मोबाइल से संपर्क कर मदद की गुहार लगाई.

मजदूरों के फंसे होने की जानाकरी काम करा रहे एजेंसी और गांव वालों को हुआ तो ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दी लेकिन देर शाम हो चुकी थी. नक्सल और दूरस्थ इलाका होने के साथ साथ जंगलों के बीच बन रहे पुल पर आवागमन की सुविधा नही होने के कारण गुरुवार सुबह प्रशासन हरकत में आया और सीओ तृप्ति विजया कुजूर, बीडीओ गणेश महतो, थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी, सशस्त्र बल और एसएसबी की टीम मौके पर पहुंची. सूचना मिलते ही डीएसपी वरुण रजक एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे. हालात की गंभीरता को देखते हुए एनडीआरफ की टीम को बुलाया गया जिसमें इंस्पेक्टर आरके सिंह एवं 30 सदस्य दल ने रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया.

दो फ्लड रेस्क्यू बोट नदी के तट से तकरीबन डेढ़ सौ से 200 मी दूर नदी में पहुंचकर फंसे मजदूरों को सुरक्षित निकाला. नदी की तेज धार में उन्हें भी परेशानियों का सामना करना पड़ा. ऑपरेशन की सफलता के बाद एनडीआरफ के इंस्पेक्टर आरके सिंह ने बताया कि नदी के उफान पर होने और नदी की धारा काफी तेज होने के कारण बोट को रेस्क्यू स्थान पर स्टेबल करना और बाहर लेकर आना बड़ी चुनौती थी. इस चुनौती का सामना करते हुए हमारी टीम ने सफलता पूर्वक इसे अंजाम दिया. एक घंटा के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. स्थानीय ग्रामीणों और मौजूद लोगों ने ताली बजाकर राहतकर्मियों का स्वागत किया और मजदूरों की सलामती पर खुशी जताई. प्रशासन ने तत्परता का परिचय देते हुए संकट को समय रहते टाल दिया, सभी मजदूर सकुशल और स्वस्थ हैं.

कुआं ढहने से दो छात्र मिट्टी में दबे, रांची समेत 5 जिलों में रेड अलर्ट जारी

संवाददाता द्वारा

खूंटी। खूंटी जिले में भारी बारिश के कारण एक कुआं ढह जाने से दो स्कूली छात्र मिट्टी के नीचे दब गए। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि मुरहू थाना क्षेत्र के तहत मुरहू पंचायत में बुधवार को यह घटना तब हुई जब दोनों छात्र कुएं के नजदीक थे।

खूंटी की उपायुक्त आर रॉनिटा ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक दल को बचाव अभियान में तैनात किया गया है। बचाव अभियान बुधवार रात से ही जारी है लेकिन मिट्टी में दबे छात्रों का अभी पता नहीं चल पाया है। भारी बारिश के कारण खूंटी के तोरपा में बनाई नदी पर पुल का एक हिस्सा भी ढह गया है जिससे खूंटी-सिमडेगा सड़क मार्ग बाधित हो गया है। रॉनिटा ने बताया कि वहां मार्ग परिवर्तित किया गया है और एनडीआरएफ का दल भी भेजा गया है।

एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि रांची समेत कई जिलों में भारी बारिश के कारण जनजीवन बाधित हो गया है। भारी बारिश के मद्देनजर बृहस्पतिवार को रांची और खूंटी समेत कई जिलों में स्कूल बंद हैं। एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए दलों को सतर्क किया गया है।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रांची में पिछले दो दिन से मूसलाधार बारिश हो रही है और बृहस्पतिवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि उत्तरपूर्व झारखंड पर निम्न दाब का क्षेत्र बनने के कारण रांची, लोहरदगा, गुमला, खूंटी और सिमडेगा के लिए अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है।

उन्होंने बताया, 'गंगा के तटीय क्षेत्र पश्चिम बंगाल और उसके आसपास के इलाकों में बना कम दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और आज सुबह 5.30 बजे यह उत्तरपूर्व झारखंड और उससे सटे पश्चिम बंगाल के गंगा के तटीय इलाकों में पहुंच गया। अगले 24 घंटों के दौरान इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की आशंका है।'

भारी बारिश के कारण मूकबधिर बच्चों के क्षितिज में भारी पानी, बच्चे असहाय

संवाददाता द्वारा

रांची: भारी बारिश रांची के लिए हर साल एक परीक्षा बनकर आती है. मगर इस बार परीक्षा में सबसे बड़ा सवाल ये है - क्या हम उन बच्चों के सपनों की हिफाजत कर पा रहे हैं, जो खुद बोल नहीं सकते, सुन नहीं सकते, पर मन ही मन भविष्य की आवाज बुनते हैं? भारी बारिश के कारण इन बच्चों को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, स्कूल के क्लासरूम, किचन, बाथरूम हर जगह पानी भरा हुआ है.

रांची के हरमू नदी के बगल में स्थित क्षितिज स्कूल - जो मूकबधिर बच्चों के लिए एकमात्र प्रमुख शिक्षण संस्थान है. इन दिनों खुद संकट में है. बीते तीन दिनों से हो रही भारी बारिश ने इस स्कूल को तालाब में तब्दील कर दिया है. हरमू नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर अब स्कूल के प्रांगण में उतर आया है, और बच्चों की किताबें, कंप्यूटर, रसोई का सामान - सब कुछ डूब चुका है. यह वैसे बच्चे हैं जो बोल नहीं सकते हैं, सुन नहीं सकते हैं, तो बताइए उनके लिए परेशानी कितनी बड़ी होगी?

स्कूल के प्रिंसिपल कक्ष, रसोई, बाथरूम, अनाज भंडारण कक्ष, ड्राइंग रूम और कंप्यूटर लैब पूरी तरह पानी में डूब गए हैं. तकनीकी उपकरण नष्ट हो चुके हैं. क्लासरूम अब पानी का अड्डा बन चुके हैं. बच्चों को किसी अनहोनी से बचाने के लिए सेकंड फ्लोर पर शिफ्ट किया गया है, लेकिन वहां भी समस्याएं कम नहीं हैं. बच्चों के लिए न शौचालय सुरक्षित है, न भोजन की समुचित व्यवस्था. जिन बच्चों को विशेष देखभाल और सपोर्ट की जरूरत होती है, वे आज असहाय अवस्था में हैं.

स्कूल प्रशासन के मुताबिक, नवनिर्मित एक पुल ने पूरे जल निकासी सिस्टम को रोक दिया. भारी बारिश के चलते पुल पर पानी बहने लगा और उसकी पूरी धारा स्कूल के अंदर घुस गई.

स्कूल के कर्मियों का कहना है कि हम साफ-सफाई कर रहे हैं, लेकिन बच्चों को शौचालय नहीं मिल रहा, खाने का सामान बह गया. बस ऊपर के कमरे बचे हैं, वहीं किसी तरह दिन-रात बीत रहा है. इन बच्चों की मुस्कान, जो आम दिनों में सबसे अलग चमकती है, अब डरी हुई आंखों में सिमट गई है. ये न कुछ बोल सकते हैं, न शिकायत कर सकते हैं. बस पानी की आवाज, और दिल में उठते डर को आंखों से बयां कर रहे हैं.

प्रशासन ने अब तक कोई तत्काल राहत नहीं पहुंचाई है. जल निकासी की स्थायी व्यवस्था, स्कूल के लिए राहत सामग्री और बच्चों के लिए अलग अस्थायी टॉयलेट और भोजन की व्यवस्था ये बुनियादी जरूरतें अब भी अधूरी हैं. हालांकि स्कूल प्रबंधन व्यवस्था को सुधारने में लगी हुई है.

लातेहार में भारी बारिश: नदी में गिरा गेंहू लदा ट्रक, कोयला उठाने गया ट्रक भी नाले में डूबा

संवाददाता द्वारा

लातेहार। पिछले 24 घंटे में हुई बारिश के बाद बारिश का रौद्र रूप सामने आने लगा है. इस बारिश के कारण दो ट्रक नदी में डूब गए. हालांकि गनीमत रही कि किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा. दोनों ट्रक जिले के अलग-अलग स्थानों पर डूबे.

पहली घटना लातेहार और मनिका के बीच एनएच पर बने डायवर्सन पर हुई. जहां एक ट्रक अनियंत्रित होकर नदी में गिर गया. बाद में डायवर्सन टूटने के बाद जब नदी का जलस्तर कम हुआ तो ट्रक दिखाई दिया. हालांकि सड़क निर्माण कार्य में लगी कंपनी द्वारा विकल्प के तौर पर नया डायवर्सन तैयार रखा गया था, जिसके कारण वाहनों का परिचालन प्रभावित नहीं हुआ. लेकिन गेहूं लदे ट्रक के पानी में डूबने से भारी क्षति हुई है.

दरअसल, लातेहार से पलामू तक फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है. इस कारण पक्की सड़क को चौड़ा करने के लिए कई जगहों पर डायवर्सन का निर्माण किया गया है. लातेहार और मनिका के बीच दोमुहान नदी के पास भी डायवर्सन बनाया गया था. लेकिन डायवर्सन में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पिछले 24 घंटे में हुई मूसलाधार बारिश के कारण नदी का पानी डायवर्सन के ऊपर से बहने लगा. इसी दौरान वहां से गेहूं लदा ट्रक गुजर रहा था. जो इसमें गिर गया.

वहीं दूसरी घटना बालूमाथ प्रखंड स्थित तेतरिया कोलियरी की है. जहां कोयला उठाने आया एक ट्रक नदी में गिर गया. हालांकि समय रहते क्रेन के जरिए ट्रक को सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया गया. दरअसल, कोलियरी के पास स्थित एक बरसाती नाले के किनारे एक ट्रक खड़ा था. इधर, लगातार हो रही बारिश के कारण नाले में पानी भर गया, जिससे मिट्टी का कटाव शुरू हो गया. जब तक लोग कुछ समझ पाते मिट्टी धंस गई और ट्रक का अगला हिस्सा नाले में जा गिरा. गनीमत रही कि ट्रक का ड्राइवर वाहन में नहीं था. उधर, ट्रक को नाले में गिरता देख वहां मौजूद लोग भी डर गए. हालांकि, ट्रक नाले के तेज बहाव में नहीं पहुंचा क्योंकि ट्रक का पिछला हिस्सा नाले के ऊपर ही रह गया. बाद में आनन-फानन में कोलियरी से क्रेन बुलाई गई और कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक को नाले से सुरक्षित बाहर निकाला गया.

इधर, स्थानीय लोगों ने बताया कि नाले में बहाव इतना तेज था कि अगर ट्रक का पूरा हिस्सा नाले में गिर जाता तो काफी नुकसान हो सकता था. लोगों ने बताया कि बारिश इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में नाले में काफी बाढ़ आ गई और मिट्टी का कटाव भी तेजी से हुआ.

नदियों में आई बाढ़ -पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश के कारण लगभग सभी नदी-नालों में बाढ़ आ गई है. नदी में आई बाढ़ के कारण लातेहार सदर प्रखंड के जारम, माराबार, हेसलबार आदि गांव के ग्रामीणों का संपर्क प्रखंड मुख्यालय और जिला मुख्यालय से पूरी तरह कट गया है. इसके अलावा महुआडांड़, गारू आदि प्रखंडों के कई गांव भी प्रखंड मुख्यालय से पूरी तरह कट गए हैं. करीब 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद महुआडांड़-गारू पथ के डायवर्सन की मरम्मत कर दी गई. अब इस सड़क पर यात्री वाहनों की आवाजाही भी शुरू हो गई है. डायवर्सन की मरम्मत के लिए डायवर्सन में बड़ी संख्या में बालू से भरी बोरियां रखी गई. जिससे सड़क पर बड़े यात्री वाहनों की आवाजाही भी सामान्य रूप से शुरू हो गई.

भारी बारिश के बीच हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद का जनसंपर्क, जलजमाव की समस्या पर त्वरित पहल

जनता की समस्या ही मेरी प्राथमिकता है, जलजमाव की स्थिति में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी: प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग में गुरुवार को हुई लगातार भारी बारिश ने नगर निगम और एनएचएआई की तैयारियों की पोल खोल कर रख दी। नगर क्षेत्र के कई मोहल्लों और मुख्य सड़कों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इस विकट स्थिति के बीच हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद स्वयं छाता लेकर सड़कों पर उतरे और क्षेत्र का भ्रमण करते हुए लोगों की समस्याएं प्रत्यक्ष रूप से सुनीं। वे मासीपीढ़ी मोहल्ला सहित कई प्रभावित इलाकों में पहुंचे, जहां स्थानीय लोगों ने उन्हें जल निकासी की खराब व्यवस्था, नाले की सफाई न होने और सड़कों पर भरे पानी की समस्याएं बताईं। विधायक ने मौके पर ही एनएचएआई के संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर त्वरित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने नगर निगम के नगर आयुक्त से सुबह 7:00 बजे से लगातार संपर्क बनाए रखा और एक-एक समस्या की जानकारी देते हुए समाधान की प्रक्रिया प्रारंभ करवाई। लोगों की लगातार आ रही शिकायतों के बीच विधायक ने फोन पर ही नगर आयुक्त एवं निगम के अन्य संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया की वे मौके पर जाकर निरीक्षण करें और अविलंब कार्य प्रारंभ कराएं। कई स्थानों पर उन्होंने खुद खड़े होकर निगम की टीम को मार्गदर्शन भी दिया। विधायक प्रदीप प्रसाद की यह तत्परता दोपहर तक जारी रही। उन्होंने बताया कि जब तक पूरी व्यवस्था सामान्य नहीं होती, वे लगातार नगर निगम और एनएचएआई के संपर्क में रहेंगे और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा की जनता की समस्या मेरी अपनी समस्या है। जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त कराना प्राथमिकता है और इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। सड़क, गलियों और मुहल्लों में भरे पानी के बीच विधायक की उपस्थिति ने जनता में भरोसा जगाया और यह संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि संकट की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। हजारीबाग की जनता ने विधायक की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि संकट की घड़ी में उनका यूं सड़कों पर उतरना सराहनीय और प्रेरणादायक है।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के बावजूद नशा मुक्ति अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक एवं एलईडी स्क्रीन से दी गई जागरूकता की अलख

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, हजारीबाग द्वारा अत्यधिक वर्षा के बीच आवश्यक सुविधा का ख्याल रखते हुए जिले के विभिन्न प्रखंडों में गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारी वर्षा के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन हुआ, जिसमें नुक्कड़ नाटक एवं एलईडी स्क्रीन के माध्यम से मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से लोगों को अवगत कराया गया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने नशा छोड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लाभों को रोचक एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया। एलईडी स्क्रीन पर दिखाए गए प्रेरक वीडियो, जागरूकता संदेशों और संकल्प कार्यक्रम ने प्रतिभागियों में आत्मविश्वास भरते हुए नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प मजबूत किया।

बारिश के कारण मौसम प्रतिकूल रहने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई और नशा उन्मूलन की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी की 55 वां जन्म दिन धूम-धाम से मनाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का 55 वां जन्म दिन केक काटकर मनाया गया और उनहे जन्म दिन की बधाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि देश की आशा, युवाओं की आवाज संविधान के रक्षक राहुल गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा और भाईचारा के मुल्यों पर आधारित है। भारत जोड़ो यात्रा ने देश को जोड़ने और नफरत के खिलाफ मोहब्बत की आवाज बुलंद करने और आम जनता की पीड़ा को सांसद तक पहुंचाने का काम किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी अशोक देव, विनोद सिंह, विरेन्द्र कुमार सिंह, संजय तिवारी मीडिया अध्यक्ष निसार खान महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, राजू चौरसिया, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, नरेश गुप्ता, मनिषा टोप्पो, सदरूल होदा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश कुमार यादव सेवादल अध्यक्ष गुड्डु सिंह, सहकारिता विभाग के अध्यक्ष कृष्णा किशोर प्रसाद एसी सेल अध्यक्ष मुकेश पासवान, परवेज अहमद, अनिल कुमार भुईया, अजित कुमार सिंह, सैयद अशरफ अली, मुगेश्वर प्रसाद चौधरी, रॉकी सिन्हा, मुस्ताक अंसारी, नरसिंह प्रजापति, कौशल कुमार सिंह दिलदार अंसारी, चंदन गुप्ता, विजय कुमार सिंह अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रयास से ग्रामीणों को मिली बड़ी सौगात, 102.5 किमी लंबी 40 से अधिक सड़कों की स्वीकृति

- **यह केवल सड़क निर्माण का कार्य नहीं, बल्कि गाँव-गाँव तक विकास पहुँचाने की प्रतिबद्धता है: प्रदीप प्रसाद**

आदिवासी एक्सप्रेस
हज़ारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों की वर्षों पुरानी पक्की सड़कों की माँग आखिरकार पूरी होने जा रही है। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के सतत प्रयास, जनप्रतिनिधियों से संवाद, तथा सरकार व जिला प्रशासन के साथ लगातार संपर्क एवं समन्वय का ही परिणाम है की मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 102.5 किलोमीटर लंबी 40 से अधिक ग्रामीण सड़कों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह सड़कीय परियोजनाएँ हजारीबाग सदर क्षेत्र के दर्जनों गाँवों को सीधे जोड़ेंगी, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को आवाजाही की बेहतर सुविधा मिलेगी। खेतों से बाजार तक पहुँचने में लगने वाला समय घटेगा, बच्चों को स्कूल पहुँचने में सहूलियत होगी और बीमार व्यक्तियों को अस्पताल तक ले जाने में भी सुविधा बढ़ेगी। इन सड़कों का निर्माण कार्य जल्द ही प्रारंभ होगा, जिसके लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। निर्माण के बाद स्थानीय व्यापार, कृषि कार्य, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में अभूतपूर्व सुधार की उम्मीद की जा रही है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि यह केवल सड़क निर्माण का कार्य नहीं, बल्कि गाँव-गाँव तक विकास पहुँचाने की प्रतिबद्धता है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन गाँवों में अब तक कोई पक्की सड़क नहीं बनी है, वहाँ भी प्राथमिकता के आधार पर पक्कीकरण का कार्य शुरू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना की दूरदर्शिता, राज्य सरकार की ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता है, सड़क नहीं तो स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार और सुरक्षा सब कुछ प्रभावित होता है। मेरा प्रयास है की हजारीबाग सदर विधानसभा का हर गाँव पक्की सड़क से जुड़े और विकास की मुख्यधारा में शामिल हो.

राज्यपाल के हाथों विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड के पोस्टर का किया गया लोकार्पण

- **हिंदी को बढ़ावा देने को लेकर विश्वरंग हिंदी ओलंपियाड का आयोजन महत्वपूर्ण: राज्यपाल**
- **50 से अधिक देशों के प्रतिभागी इस अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में होंगे शामिल**
- **छः श्रेणियों में विभाजित, कक्षा एक से लेकर स्नातकोत्तर तक विद्यार्थी पंजीकरण कराकर अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में हो सकते हैं शामिल**
- **एक करोड़ से अधिक पुरस्कार राशि से देश-विदेश के विजेता प्रतिभागियों को किया जाएगा पुरस्कृत**

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विश्वरंग फाउंडेशन (भारत), वनमाली सृजनपीठ व रविन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल सहित आईसेक्ट ग्रूप ऑफ युनिवर्सिटीज के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 14 सितंबर से 30 सितंबर 2025 तक आयोजित होने वाले विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड - 2025 का पोस्टर लोकार्पण झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के हाथों रांची स्थित राजभवन कार्यालय में किया गया। इस मौके पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डेप्युटी रजिस्ट्रार विजय कुमार व पीआरओ मो शमीम अहमद मौजूद थे। मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड जैसे आयोजन विश्व भर में हिंदी को बढ़ावा देने को लेकर महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा के लिए ऐसे प्रयास लगातार होते रहना चाहिए। इससे ना केवल हिंदी के प्रति लोगों की रूचि बढ़ेगी बल्कि हिंदी भाषा को हर क्षेत्र में मजबूती भी मिलेगी।

बता दें कि आज हिंदी न केवल भारत की, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा के रूप में उभर रही है। हिंदी ओलंपियाड हिंदी भाषा, साहित्य कला और संस्कृति को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने का एक अनूठा प्रयास है। इस आयोजन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर हिंदी को लोकप्रिय बनाना, नई पीढ़ी को इससे जोड़ना और भाषा के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागियों को हिंदी भाषा के ज्ञान, साहित्यिक दक्षता और सांस्कृतिक समझ को परखने और निखारने का अवसर भी मिलेगा।

इस आयोजन में ये ले सकते हैं भाग

यह आयोजन आगामी 14 सितंबर (हिंदी दिवस) से 30 सितंबर 2025 तक भारत सहित विश्व के 50 से अधिक देशों में छः श्रेणियों में प्रथम श्रेणी कक्षा 1 से 2 तक, द्वितीय श्रेणी कक्षा 3 से 5 तक, तृतीय श्रेणी कक्षा 6 से 8 तक, चतुर्थ श्रेणी कक्षा 9 से 12 तक, पंचम श्रेणी स्नातक स्तर और षष्ठम श्रेणी स्नातकोत्तर तक विभाजित कर आयोजित किया जाएगा और कक्षा के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को इस प्रतियोगिता में शामिल किया जाएगा।

विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ मिलेगा एक करोड़ से अधिक राशि का आकर्षक पुरस्कार

विश्वरंग 2025 के मौके पर अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा और ओलंपियाड में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रणाम पत्र प्रदान किये जाएंगे। साथ ही भारत के हर राज्य के विजेताओं व विदेशों में प्रत्येक देश के विजेताओं को एक करोड़ से भी अधिक पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। संस्था स्तर पर अलग अलग स्तरों पर भी पुरस्कार दिए जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में ऐसे करें अपना पंजीकरण

विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में भाग लेने को लेकर पंजीकरण जारी है, जिसके लिए www.vishwarang.com/hindi-olympiad लिंक ओपन कर पंजियन कराया जा सकता है। प्रतिभागियों के लिए पंजियन शुल्क 200 रूपए निर्धारित है जबकि ओलंपियाड में भाग लेने वाली संस्थाओं के लिए यह पंजीकरण नि:शुल्क है।

वरिष्ठ वामपंथी नेता कामरेड रामनरेश कुमार का निधन- शोक की लहर

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के वरिष्ठ नेता कामरेड रामनरेश कुमार का गुरुवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग में 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ वर्षों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर से हजारीबाग शहर सहित पूरे वामपंथी आंदोलन में शोक की लहर दौड़ गई।

उन्हें अचेत अवस्था में अस्पताल लाया गया था, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया। उनके निधन पर पूर्व सांसद एवं झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष सह सीपीआई के वरिष्ठ नेता कॉ. भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने अस्पताल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्री मेहता ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, हजारीबाग उनके योगदान को नमन करती है और उन्हें अंतिम लाल सलाम अर्पित करती है।

कामरेड रामनरेश कुमार ने वर्ष 1969 में सीपीआई की सदस्यता ग्रहण की। उस समय वे डालमिया कंपनी में कार्यरत थे, लेकिन उन्होंने नौकरी छोड़कर पार्टी संगठन को जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने हजारीबाग में रिक्शा चालकों, मोठिया मजदूरों और नगरपालिका कर्मियों का संगठन खड़ा किया और उनके अधिकारों के लिए निरंतर संघर्षरत रहे।

उन्होंने महाजनी और जमींदारी प्रथा के विरुद्ध भी संघर्ष किया और कई बार जेल यात्राएं कीं। चार वर्ष पूर्व उन्हें पक्षाघात (पैरालिसिस) हुआ, जिसके बाद वे सक्रिय राजनीति से दूर हो गए थे। उनके चार पुत्रों ने उनके इलाज और सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी।

लाल सलाम कामरेड रामनरेश कुमार, आपका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा।

उनके आकस्मिक निधन पर पार्टी कार्यालय सहित पूरे जनपक्षीय समाज में गहरा शोक व्याप्त है। कामरेड रामनरेश कुमार को श्रद्धांजलि देने हेतु पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति रही। शोक व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से कॉ. निजाम अंसारी, कॉ. महेंद्र राम, कॉ. गुलाम जिलानी, कॉ. शौकत अनवर राजू, कॉ. एजाज समीम, कॉ. ईश्वर प्रसाद मेहता, कॉ. श्रीकांत मेहता, कॉ. कुंजिल साव, कॉ. सुदेशी पासवान, कॉ. मजीद अंसारी, इंद्रमणि देवी, कृष्ण कुमार, अधिवक्ता शंभू कुमार, सदर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि गणेश कुमार, सीपीएम जिला सचिव गणेश कुमार (सीटू), झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता सहित अनेक लोग शामिल रहे।

प्रखंड में तीन दिनों की बारिश से सभी नदियां उफान पर खेतों में पानी देख किसान खुश

- **नदी किनारे मिट्टी कटाव के कारण स्कूल और घर के ऊपर खतरा मंडराया**
- **बादम नदी किनारे बन रहा मकान, महूदी नदी का जलस्तर उफान पर**

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। प्रखंड में पिछले तीन दिनों से भारी बारिश के कारण प्रखंड के तमाम नदिया उफान पर है। आंगो पंचायत के पचंडा नदी में भारी बाढ़ आ गई है, प्रखंड मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। प्रखंड के कांडतरी ,सोनपुरा, महुदी, प्लांडु, बड़कागांव सूर्य मंदिर, शिवाडीह, पंडरिया , सिरमा, चोरका, सीकरी आदि गांवों के नदियों में 4 से 5 फीट पानी आ गया है। बारिश से तमाम खेत लबालब हो गए, किसान खुश नजर आ रहे हैं। धान की बिचड़ा लगाने के लिए किसान तैयारी में जुट गए हैं। गांव मोहल्ला चौक चौराहे की स्थिति देखें तो अधिकतर रोड में पानी भारी जमाव देखा जा रहा है। नटराज नगर स्थित लालमणि महत्व के घर के समीप रोड में 2 फीट पानी बह रहा है। बादम रोड की स्थिति विगत कई वर्षों से सड़क पर पानी जमा होने की शिकायत देखी जा रही है। वहीं भारी बारिश के कारण बादम के राउतपारा नदी मैं आई बाढ़ से भारी मात्रा में नदी किनारे मिट्टी का कटाव हो गया है।जिसके कारण नदी किनारे बन रहा मकान के लिए खतरा मंडराने लगा है। यही स्थिति चोरका उत्क्रमित नव प्राथमिक विद्यालय की भी है। इसके पहले भी पिछ्ले 2 वर्ष पूर्व शमशान घाट, घर की चाहर दीवारी भारी बाढ़ के आगोश में समा गया था। कई प्रबुद्ध लोगों ने पिछले कई वर्षों से जनप्रतिनिधियों, प्रशासन से नदी किनारे गार्डवाल बनाने की मांग की गई परंतु अब तक किसी ने भी संज्ञान नहीं लिया। राउतपारा नदी में बाढ़ के कारण पुल निर्माण कार्य को रोक दिया गया है। वही बारिश को लेकर देख तो खेतों में लगी साग सब्जियों को भारी नुकसान होने का अनुमान बताया जा रहा है। जिसका असर बाजारों में भी सब्जियों की किंतु में बढ़ोतरी होने के संकेत मिल रहे हैं। वही आम मजदूर किसान गरीब लोगों के कच्चे मकान को भी भारी नुकसान होने का अनुमान बताया जा रहा है।

मानसून प्रवेश होने से तत्कालीन बारिश लोगों को गर्मी से राहत मिली है इसके अलावा जल संकट दूर होना भी शुरू हो जाएगा। नदी तालाब में पानी जमा होने के कारण सुखे कुएं में भी पानी आना शुरू हो गया है। तीन दिनों की बारिश से लोगों का जनजीवन कामकाज पूर्ण रूप से प्रभावित कर दिया है। बड़कागांव मुख्य चौक स्थित टैक्सी स्टैंड के पास भारी पानी का जमाव होने के कारण कर्णपुरा कृषि भंडार के अलावा कई दुकानों एवं घरों में गंदा पानी घुस गया है। लोंगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विगत कई वर्षों से इस स्थान पर भारी बारिश होने के पश्चात हमेशा इसी प्रकार की स्थिति बनती आ रही है। इसका मुख्य कारण पानी का निकासी नहीं होना बताया जा रहा है।

रेलवे एनटीपीसी परीक्षा केंद्र पर अव्यवस्था से छात्रों में आक्रोश, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के पहल पर परीक्षा को किया गया स्थगित, अगले तारीख को होगी परीक्षा

छात्रों का भविष्य सर्वोपरि है, परीक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। रेलवे एनटीपीसी ग्रेजुएट लेवल की ऑनलाइन परीक्षा के पहले ही सत्र में हजारीबाग शहर के इंद्रपुरी चौक स्थित एक परीक्षा केंद्र पर गंभीर अव्यवस्था देखी गई। गुरुवार की सुबह परीक्षा देने पहुंचे अनेक अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र के गेट के बाहर ही रोक दिया गया, जिससे वहां अफरा-तफरी और असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई।

परीक्षार्थियों द्वारा पूछताछ के बाद यह जानकारी सामने आई कि केंद्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित थी। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में लगाए गए डीजल जनरेटर में भी भारी बारिश के कारण पानी घुस गया, जिससे वह कार्य नहीं कर सका और परीक्षा समय पर शुरू नहीं हो पाई। छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के केंद्र के बाहर लंबे समय तक खड़ा रखा गया, जिससे वे मानसिक रूप से काफी तनाव में आ गए। जब समस्या लंबी होती गई तो छात्रों में आक्रोश बढ़ने लगा। स्थिति की गंभीरता और छात्रों की पीड़ा को देखते हुए हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने भारी बारिश के बावजूद तत्काल परीक्षा केंद्र पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने वहां मौजूद छात्रों से संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनी और तुरंत परीक्षा एजेंसी के संचालक से वार्ता कर कड़ी नाराज़गी जताई। विधायक श्री प्रसाद के हस्तक्षेप और तत्परता से परीक्षा एजेंसी व प्रशासन ने परीक्षा को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का निर्णय लिया। साथ ही आश्वस्त किया कि अगली तिथि की घोषणा शीघ्र की जाएगी और सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाएगा। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि छात्रों का भविष्य सर्वोपरि है और परीक्षा जैसी गंभीर प्रक्रिया में किसी भी तरह की लापरवाही या तकनीकी कमजोरी स्वीकार नहीं की जा सकती। विधायक की संवेदनशील पहल से छात्रों में राहत की भावना देखी गई। छात्र एवं उनके अभिभावकों ने इस त्वरित कार्रवाई और सहयोग के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया।परीक्षा एजेंसी की तैयारी पर गंभीर सवाल खड़े करती है और भविष्य में इस तरह की परीक्षाओं के संचालन में तकनीकी तत्परता, पारदर्शिता और पूर्व योजना की अनिवार्यता को स्पष्ट करती है।

पूर्व मध्य रेल

शुद्धि पत्र

शुद्धि पत्र सं. डब्ल्यू 584/ई–टेंडरिंग /92–DHN-2025-26, धनबाद, दिनांक 17.06.2025

यह पुनः सूचित किया जाता है कि ई–निविदा सं. 92– DHN-2025-26, दिनांक 30.05.2025 में ई–निविदा बंद होने की तारीख को 23.06.2025 को 12.00 बजे तक के बदले में 23.06.2025 को 14.00 बजे तक पढ़ा जाये।

ई–निविदा सं. 92– DHN-2025-26, दिनांक 30.05.2025 में दर्शायी गयी अन्य विवरण, नियम एवं शर्तों में कोई बदलाव नहीं होगी।

कृते मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण), पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0436/डीएचएन/ईजी./सी/25–26/20

पूर्व मध्य रेल

भंडार विभाग

खुली निविदा बैच संख्या– 07/2025, दिनांक : 16.06.2025

''आईआरईपीएस''– www.ireps.gov.in के वेब पोर्टल ''पार्टिसिपेशन इन थ्रू'' सामग्री की आपूर्ति के लिए ई–निविदा सूचना। निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा बंद करने का समय 14:00 बजे है।

क्र.सं.: 02, **निविदा सं.**: 30255002 बी, **सामग्री का संक्षिप्त विवरण** : सप्लाई एंड रेट्रो फिटमेंट ऑफ रूफ माउन्टेड एयर कंडिशनिंग सिस्टम विदाउट टु स्पेसिफिकेशन नंबरः आरडीएसओ/2007/ईएल/एसपीईसी/0055 आरईवी. 02 और लेटेस्ट, ईच सेट/ईच लोको सेट कोन्सिस्ट्स ऑफ 2 (two) नम्बर्स ऑफ कैब एसी, **मात्रा** : 63 सेट, **निविदा जारी करने की तिथि एवं समय** : 09 जून 2025, 12:56 बजे।, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय** : 09 जुलाई 2025, 14:00 बजे। प्रतिभागियों को अपना प्रस्ताव समापन तिथि और समय से पहले आइआरईपीएस - **www.ireps.gov.in** के वेब पोर्टल के माध्यम से केवल ऑन–लाइन जमा करना होगा। उपरोक्त पोर्टल पर निविदा सूचना में प्रेषिती के संबंध में अन्य विवरण और भंडार का विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है।

सहायक सामग्री प्रबंधक, पूमरे, गोमो

पीआर/0425/जीएमओ, सीएसडी/भंडार/टी/25–26/36

बालूमाथ में दर्जनों मिट्टी के घर पर घुसा पानी जगह-जगह पर सड़कों पर जल जमाव जनजीवन अस्त-व्यस्त

संवाददाता राम कुमार

बालूमाथ। बालूमाथ झारखंड में मानसून का आगमन मूसलाधार बरसात के साथ शुरू हुआ है मानसून का आगमन 16 जून से शुरू हुआ जो 19 जून लगातार झमाझम बरसात हो रही है। बरसात से लोगों को गर्मी से बहुत राहत मिली वहीं किसानों के चेहरे पर भी मुस्कान और उत्साह देखने को मिला.लेकिन लगातार मूसलाधार बरसात होने से यह बरसात आफत की बरसात साबित हुई है. क्योंकि बालूमाथ प्रखंड के दर्जनों कई घरों पर पानी घुस गया एवं कई मिट्टी का घर ढह गया.जिससे जन जीवन

अस्त व्यस्त हो गया है.अगर बालूमाथ पंचायत की बात करें तो एक दर्जन घर मूसलाधार बरसात से क्षतिग्रस्त हो गया एवं घर में पानी भी घुस गया है. जगह-जगह सड़क पर जल जमाव, हुआ है बालूमाथ बुनियादी विद्यालय परिसर स्थित बीआरसी भवन के गेट के पास बड़े पैमाने पर पानी जमा हुआ है जिससे विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में बड़ी कठिनाइयों की सामना करनी पड़ रही है। वहीं बरसात से हुई छती का बालूमाथ पंचायत के मुखिया नरेश लोहरा ने जायजा लिया है. मुखिया ने बतलाया कि रिंकी देवी पति राहुल गंझू,शांति देवी पति विजय पासी, उमा देवी दशरथ पासी,गीता देवी प्रदीप गंझू,वहीं बड़का बालूमाथ निवासी बुधनी देवी पति मंगल गंझू,संगीता देवी विशाल गंझू, कुंती देवी प्रीतम गंझू,हरिजन टोला निवासी बबीता देवी पति रामचंद्र भुईयां,रेखा देवी पति बिकी भुइयां तरनुम खातून पति मोहम्मद सहजानंद आदि का घर में पानी घुस गया एवं घर क्षतिग्रस्त हो गया जिससे उन्हें रहने एवं दैनिक कार्य करने में काफी कठिनाई हो रही है मुखिया ने अभिलंब लोगों को राहत दिलवाने के लिए बालूमाथ प्रखंड विकास पदाधिकारी से बात करने की आश्वासन दी है. साथ ही मुखिया ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों को आवास योजना में प्राथमिकता दिया जाएगा।

मिट्टी के घर पर रहने को विवश तो पक्के आवास योजना का लाभ किन्हें

बता दें कि झारखंड में पिछले 10 वर्षों से आवास योजना दी जा रही है इन आवास योजनाओं से अब तक लाखों लोगो को योजना का लाभ मिल चुका है.आवास योजना का लाभ गरीब जरूरतमंदों को प्राथमिकता देने का नियम की बात अफसर अधिकारी द्वारा कही जाती है। पर जमीनी हकीकत कुछ और है उपरोक्त सभी लोगों का प्रखंड मुख्यालय में मिट्टी का घर है जिन्हें आज तक आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। झारखंड में गरीब लोगों का हक अधिकार पर प्राथमिकता कौन ले रहा है.जाहिर सी बात है कि गरीब का घर बना नहीं तो समृद्ध लोग ही सरकार का योजना का लाभ उठा रहे होंगे अब देखना यह होगा कि बालूमाथ प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं जिले के उपायुक्त सर्वे करवाकर कब इन गरीबों का हक आवास योजना का लाभ देती है। पीड़ित परिवारों में उपायुक्त लातेहार से त्वरित मदद की गुहार लगाई है एवं आवास योजना की मांग की है।

जनहित को ध्यान में रखकर काम करें भाजपा सांसद विडी राम- रूचिर तिवारी

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह डालटेनगंज विस के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने प्रेस बयान जारी कर पलामू सांसद बीडी राम के कार्य प्रणाली पर प्रश्न उठाया है उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जो सप्ताह में एक दिन डाल्टनगंज होकर गुजरेगी वह बरकाखाना से न होकर भाया लोहरदगा टोरी होते हुए आती तो यात्रियों को सुविधा ज्यादा होता और दो से तीन घंटा पहले समय का भी बचत होता है वही वंदे भारत एक्सप्रेस को सप्ताह में कम से कम 3

दिन किया जाए। दूसरी और सुआ रेलवे अंडर क्रॉसिंग निर्माण के मांग को लेकर और इसके आसपास के हजारों ग्रामीण लोग पिछले 2 साल से आंदोलन कर रहे हैं महीना में एक या दो व्यक्ति का ट्रेन से कटकर मृत्यु भी हो जाता है जिसको लेकर के पिछले साल पलामू सांसद बीडी राम के आवास का भी घेराव किया गया था तब उन्होंने कहा कि और प्रेस में भी समाचार आया कि बिनहुआ टोला के अंडर क्रॉसिंग का परमिशन मिल गया है। लेकिन आज तक वह नहीं बना यह झूठा खबर भाजपा के संसद में फैलाया। श्री तिवारी ने भाजपा के सांसद विडि राम से मांग किया है कि एसी के कमरों से बाहर निकाल कर जनहित के मुद्दों को भी ध्यान में रखा जाए और ट्रेन में कट रहे आदमी की जान की कीमत को वह समझे । प्रेस बयान में वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता धनंजय शुक्ला, नौजवान संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, सचिव अभय कुमार भूइंया थे।

विश्व सिकल सेल दिवस पर विशेष जांच अभियान का शुभारंभ, 25 जून तक चलेगा कार्यक्रम

बालूमाथ। बालूमाथ आज दिन गुरुवार को विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) बालूमाथ परिसर में सिकल सेल जांच अभियान कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में चिकित्सा पदाधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह विशेष जांच अभियान 25 जून 2025 तक चलेगा। इस अभियान के तहत CHC, PHC तथा सभी अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (AAM) में सिकल सेल रोग की पहचान के लिए निःशुल्क जांच की सुविधा प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय में सिकल सेल एनीमिया जैसे गंभीर आनुवंशिक रोग के प्रति जागरूकता फैलाना और प्रारंभिक चरण में ही इसका पता

लगाकर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रकाश बड़ाइक ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, सिकल सेल एक जानलेवा और वंशानुगत बीमारी है। इसके खिलाफ जागरूकता और समय पर जांच ही इसका सबसे प्रभावी समाधान है। यह अभियान बालूमाथ क्षेत्र के लोगों के लिए एक सुनहरा अवसर है। उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. अलीशा टोप्पो, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. सुरभी, डॉ. रवि रंजन, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर मृत्युंजय कुमार सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कई कर्मचारी मौजूद रहे। सभी स्वास्थ्य अधिकारियों ने सामूहिक रूप से अभियान को सफल बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

क्या है सिकल सेल रोग

सिकल सेल रोग एक अनुवांशिक रक्त विकार है जिसमें शरीर में रेड ब्लड सेल्स अर्धचंद्राकार या हंसिए के आकार की हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह बाधित होता है और अंगों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। इससे रोगी को बार-बार दर्द, कमजोरी, और संक्रमण जैसी समस्याएं होती हैं। यह रोग खासकर जनजातीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है।

जागरूकता और जांच ही बचाव का रास्ता

डॉ. सुरभी ने बताया कि बालूमाथ प्रखंड में सिकल सेल रोग की स्थिति को देखते हुए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को इस बीमारी की जानकारी कम है, इसलिए यह जांच और जागरूकता अभियान उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा। अंत में प्रभारी चिकित्सक ने आम जनमानस से अपील की कि वे इस विशेष अभियान का लाभ उठाएं और अपने परिवार के सदस्यों की सिकल सेल जांच अवश्य करवाएं, ताकि समय रहते उचित इलाज सुनिश्चित किया जा सके।

JLKM पार्टी प्रमुख टाइगर जयराम महतो 21 जून को आयेंगे पलामू: यमुना प्रसाद

- टाइगर जयराम महतो को आने से पलामूवासियों में उत्साह
- पलामू की समस्याओं से होंगे अवगत लोगो को हर संभव मिलेगी मदद

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

पलामू। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) के पलामू जिला इकाई की मजबूती प्रदान करने व पलामू में बढ़ती समस्याओं से निजात दिलाने हेतु झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक आदरणीय टाइगर जयराम महतो 21 जून को पंडित दीनदयाल उपाध्याय हॉल(टाऊन हॉल) में आयेंगे। वहीं पलामू प्रमंडलीय स्तर कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छुरररू केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक आदरणीय टाइगर जयराम महतो जी होंगे। इस कार्यक्रम को सफ़ल बनाने में पलामू के युवा जोर

शोर से तैयारी कर रहे हैं। वही पलामू जिला के हज़ारों युवक युवतियां टाइगर जयराम महतो के आगमन को ले कर आश लगाए हुए हैं। पलामू के युवाओं में टाइगर जयराम महतो के प्रति काफ़ी लगाव हो चुका हैं। टाइगर के प्रति लोगों में इतना उत्साह है कि पलामू उबाल पर हैं। वहीं युवाओं की जोश भरने के लिए 21 को टाइगर दादा उनके साथ सभा करेंगे। वही टाइगर जयराम महतो को पलामू आने के दौरान सतबरवा दुनियाखाड़ में स्वागत किया जाएगा। वहीं पलामू के राजहरा कोलवरी के मजदूरों से भी बात विचार करेंगे। जबकि छत्तरपुर में लोगों की बढ़ती समस्याओं को भी के निजात के लिए भी छतरपुर के लोगों से अपना विचार रखेंगे। टाइगर जयराम महतो युवाओं के लिए एक प्रतीक बनते जा रहे हैं। हरेक युवा के मन में एक ही सपना है टाइगर जयराम में मिलना और अपने समस्याओं से अवगत कराना। टाइगर जयराम महतो पूरे झारखंड में मात्र एक ऐसा नेता हैं जिन्होंने गरीबों के हक अधिकार की बात सड़क से ले कर सदन तक रखा है। वहीं पलामू जिला अध्यक्ष दिलीप मेहता ने बताया कि टाइगर जयराम दादा को पलामू आने से पलामू वाशियो में एक नया ऊर्जा प्रदान होगी। इस संबंध में JLKM युवा साथी यमुना कुमार यादव ने सभी पलामू वासियों से अपील की है कि 21 जून को टाऊन हॉलमें आ कर इस सम्मेलन का हिस्सा बने व इस कार्यक्रम को सफल बनाने में साथ दे आपकी साथ ही आपके समस्याओं से लड़ने उन्हें समाधान करने में सहायता व ताकत मिलेगी । इस आयोजन को सफल बनाने के लिए आपसे अपील करता हूं कि आप काफ़ी संख्या में आए और अपना समस्या रखे। टाइगर दादा आपकी समस्या ज़रूर सुनेगे और समाधान भी करेंगे।

हथियार के साथ दो युवक गिरफ्तार सोशल मीडिया पर धमकाने का प्रयास विफल

आदिवासी एक्सप्रेस/पप्पू यादव

नौडीहा बाजार, पलामू। जिले के नौडीहा बाजार थाना अंतर्गत पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मंगराडीह, करकटा में दो युवक अवैध हथियार के साथ देखे गए हैं, जो उसका फोटो और वीडियो बनाकर लोगों को दिखाते हैं तथा डरा-धमकाकर अपनी छवि बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक महोदया के निर्देशानुसार नौडीहा बाजार थाना

पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए छापामारी की गई, जिसमें दो युवकों को एक देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण

1. सोनु कुमार, उम्र 20 वर्ष, पिता - रामेश्वर राम, निवासी - मंगराडीह, करकटा, थाना - नौडीहा बाजार, जिला - पलामू
2. सुरज कुमार, उम्र 19 वर्ष, पिता - उपेन्द्र राम, निवासी - श्रीपालपुर, थाना - पीपरा, जिला - पलामू

पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उन्होंने फोटो और वीडियो बनाकर लोगों को धमकाने तथा सोशल मीडिया (Instagram) पर फॉलोअर्स बढ़ाने के उद्देश्य से यह हथियार अपने एक मित्र से लिया था।

बरामद सामान

1. एक देशी कट्टा
2. एक रियलमी मोबाइल फोन

पुलिस द्वारा इस मामले में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की तलाश हेतु छापामारी जारी है।

छापामारी दल में शामिल अधिकारी

1. पु0 अ0 नि0 सह थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी, नौडीहा बाजार थाना
2. पु0 अ0 नि0 आशीष कुमार
3. S.A.T. 97 सशस्त्र बल की टीम

पलामू पुलिस आम जनता को यह संदेश देना चाहती है कि कानून-व्यवस्था के विरुद्ध कार्य करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर भय का माहौल बनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चतरा सांसद और विधायक ने बीज वितरण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

विकाश कुमार कान्हाचट्टी

डीएमएफटी प्रशिक्षण भवन में गुरुवार को बिरसा बीज उत्पादन, विनिमय, वितरण तथा विस्तार योजना एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (ह्स्नस्रू) के अंतर्गत बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चतरा के सांसद कालीचरण सिंह और विधायक जनार्दन पासवान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सांसद कालीचरण सिंह ने इस अवसर पर कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की भलाई के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं, जिनका लाभ किसानों को समय पर मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उन्नत किस्म के बीज किसानों को कम मेहनत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने में मदद करेंगे। इस दौरान किसान भाई और बहनों के बीच खरीफ फसल बीजों की वितरण किया गया। ताकि हर पात्र किसान तक इसका लाभ पहुंच सके। अनुमंडल कृषि पदाधिकारी निखत प्रवीण ने सांसद का पौधा भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे कृषि उत्पादन में सुधार होगा। इस कार्यक्रम को जिले के किसानों के लिए कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर चतरा के विधायक जनार्दन पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती ममता देवी, जिला उप आयुक्त अमरेन्द्र सिंहा, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी निखत प्रवीण सहित अन्य कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

दो दिनों से हो रहे लगातार मूसलाधार बारिश से नदिया उफान पर

विकाश कुमार कान्हाचट्टी

लगातार दो दिनों से हो रहे मूसलाधार बारिश से प्रखंड के कई नदियां उफान पर है। साथ में कई कच्चे घरों को भी नुकसान पहुंचा है। गुरुवार को प्रखंड की बड़की नदी को उफान पर देखा गया। लगातार हो रहे बारिश के वजह से लोग घरों में रहने को मजबूर है। सारे डोभा, तालाब भी पूरी तरह उफान पर है। प्रखंड के कई सड़क भी हो रहे बारिश से क्षतिग्रस्त हो गए है। साप्ताहिक हाटों और बाजारों में भीड़ बहुत कम देखा जा रहा है। आम लोगों के साथ व्यापारियों ने भी बारिश के वजह से घर में बैठना ही मुनासिब समझा है। वही बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हुआ है। जून महीने में इस तरह की बारिश कई वर्षों के बाद देखने को मिल रहा है।

पारिवारिक विवाद में खाई ज़हर, हालत नाजुक - लातेहार रेफर

बालूमाथ। प्रखंड क्षेत्र के मकईयाटाड़ गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब 22 वर्षीय महिला जसोदा देवी पति अमित यादव ने पारिवारिक कलह से आहत होकर ज़हरीला पदार्थ खा लिया। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जसोदा देवी किसी पारिवारिक विवाद से मानसिक रूप से परेशान चल रही थीं। गुरुवार सुबह उन्होंने घर में ही ज़हरीला पदार्थ खा लिया। जैसे ही परिजनों को इसकी जानकारी मिली, वे तुरंत उन्हें अचेत अवस्था में लेकर बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद चिकित्सक प्रभारी डॉ. प्रकाश बड़ाइक ने प्राथमिक जांच के बाद बताया कि ज़हर खाने के कारण जसोदा देवी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों ने तत्काल प्राथमिक उपचार कर उन्हें लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया। डॉ. बड़ाइक ने बताया कि समय रहते इलाज मिल जाने से जीवन बचने की संभावना बनी हुई है, परंतु स्थिति नाजुक है, इसलिए रेफर करना आवश्यक हो गया। इधर, घटना के बाद महिला के परिजन अत्यंत व्यथित हैं। गांव के लोगों में भी घटना को लेकर दुःख और चिंता का माहौल है।

रामगढ़ के लतबेरवा शक्ति केंद्र के पुर्णिया में रामगढ़ भाजपा मंडल द्वारा ग्राम चौपाल कार्यक्रम आयोजित

रामगढ़/रामजी साह।

रामगढ़ प्रखंड के लतबेरवा शक्ति केंद्र के पुर्णिया में गुरुवार को रामगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें पीएम मोदी कै शानदार 11बरसो की गौरव पुर्ण उपलब्धियो को जनता के बीच रखा गया।साथ ही पीएम मोदी के 11 बरसों की उपलब्धियों का पत्रक लोगों के बीच वितरण किया गया।मौके पर संतोष मांझी भागवत राय, समेत दर्जनों भाजपाई मौजूद थे।

वज्रपात से मवेशी की मौत, पशुपालक को हुआ भारी नुकसान

बालूमाथ। प्रखंड अंतर्गत पिंडारकोम गांव में गुरुवार को अचानक हुई बारिश के साथ तेज बज्रपात से एक मवेशी की मौत हो गई। यह घटना उस वक्त हुई जब मवेशी घर के सामने खुले स्थान पर खड़ी थी। अचानक आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर ही मवेशी की मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृत मवेशी पशुपालक पारसनाथ यादव की थी। उन्होंने बताया कि घटना के समय वह घर के अंदर थे, जबकि उनका मवेशी घर के सामने खुले में खड़ा था। अचानक तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी और मवेशी की मौके पर ही जान चली गई। पारसनाथ यादव ने बताया कि इस हादसे से उन्हें हजारों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही बालूमाथ पशुपालन विभाग से संजय राणा मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच की। उन्होंने मवेशी की मौत की पुष्टि करते हुए विभागीय रिपोर्ट तैयार की। संजय राणा ने कहा कि घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी जा रही है, ताकि पशुपालक को नियमानुसार मुआवजा दिलाया जा सके। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र में मौसम बदला हुआ है। लगातार बारिश और आकाशीय बिजली की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे आम जनजीवन के साथ-साथ पशुपालकों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सांसद कालीचरण सिंह ने बीज वितरण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

चतरा। डीएमएफटी प्रशिक्षण भवन में गुरुवार को बिरसा बीज उत्पादन, विनिमय, वितरण तथा विस्तार योजना एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) के अंतर्गत बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ चतरा के सांसद कालीचरण सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सांसद कालीचरण सिंह ने इस अवसर पर कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की भलाई के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं, जिनका लाभ किसानों को समय पर मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उन्नत किस्म के बीज किसानों को कम मेहनत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने में मदद करेंगे। इस दौरान किसान भाई और बहनों के बीच खरीफ फसल बीजों की वितरण किया गया। ताकि हर पात्र किसान तक इसका लाभ पहुंच सके। अनुमंडल कृषि पदाधिकारी निखत प्रवीण ने सांसद का पौधा भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे कृषि उत्पादन में सुधार होगा। इस कार्यक्रम को जिले के किसानों के लिए कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर चतरा के विधायक जनार्दन पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती ममता देवी, जिला उप आयुक्त अमरेन्द्र सिंहा, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी निखत प्रवीण सहित अन्य कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत प्रखंड लिट्टीपाड़ा के कई पंचायतों में लगा शिविर, लोगों को दिया गया लाभ

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। सरकार द्वारा संचालित धरती आबा जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत गुरुवार को लिट्टीपाड़ा प्रखंड के ग्राम पंचायत नवाडीह ओर कमलघाती में जागरूकता एवं लाभ वितरण शिविरों का आयोजन किया गया। इस शिविर के अभियान का उद्देश्य आदिम जनजाति समुदायों तक केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुँचाना और उन्हें इन योजनाओं से लाभान्वित करना है।

ग्राम पंचायत नावाडीह ओर कमलघाटी के हांथीगढ़, बिंझा, मुर्गाबानी, नावाडीह ओर बांसजोरी जैसे दुर्गम व आदिवासी बाहुल्य ग्राम क्षेत्रों में शिविरों का संचालन किया गया। शिविरों में आदिम जनजातियों के परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। शिविर में उपस्थित लोगों को उनके अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पोषण, शिक्षा,मनरेगा, क़ृषि,स्वरोजगार, बैंकिंग सुविधा, पेंशन योजना और राशन कार्ड जैसे विषयों पर जानकारी दी गई ओर आवेदन प्राप्त कर मौके पर ही कई लाभुकों को योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें लाभ पहुंचाया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचे और धरती आबा अभियान उसी दिशा में एक सशक्त पहल है।

बाजार समिति प्रांगण में 21 जून को मनाया जायेगा योग दिवस: डीसी

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ - अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जायेगा। इसके सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिले के सभी विद्यालय के प्राचार्य, जेएसएलपीएस, आयुष समिति के योग प्रशिक्षक के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी को टीम के रूप में कार्य कर, योग दिवस का भव्य आयोजन करने की अपील की। साथ ही आयोजन से संबंधित सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आयोजन में विभिन्न विद्यालयों, जेएसएलपीएस, जिला कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी तथा आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने योग की महत्ता व इसके शारीरिक और मानसिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए आम जनमानस को योग के प्रति जागरूक करने के लिए उचित दिशा निर्देश दिए। साथ ही उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाया। मौके पर उप विकास आयुक्त, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

डीपीआरओ ने सोनाधनी पंचायत भवन का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। गुरुवार को जिला पंचायत राज पदाधिकारी, पाकुड़ श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू के द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत सोनाधनी पंचायत सचिवालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में पंचायत का कैशबुक, योजना पंजी, जन्म-मृत्यु पंजी,पंचायत सुदृढ़ीकरण, कैशबुक पंजी का अवलोकन किया। साथ ही पंचायत भवन में शौचालय, मीटिंग हॉल, पीएस, जीआरएस, भीएलई के कमरों का लाइट, वॉटर प्यूरीफायर योजनाओं का निरीक्षण कर, पंचायत सचिव एवं प्रखंड राज पदाधिकारी को पंचायत में कमी को चिन्हित कर चार दिनों के अंदर सुधार एवं अपडेट करने का निर्देश दिया गया। मौके पर प्रखंड राज पदाधिकारी, मुखिया, पंचायत सचिव एवं भीएलई उपस्थित थे।

सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट में बालिका एवं बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय हाथकाठी हिंदी ने मारी बाजी

- झमाझम बारिश के बीच, बच्चों ने जमकर खेला फुटबॉल, टूर्नामेंट का उद्घाटन हिरणपुर बीडियो टुडू दिलीप ने किये
- प्राथमिक विद्यालय हथकड़ी हिंदी की बालिकाओं ने एक गोल से पीएम श्री मध्य विद्यालय तारापुर को दिया मात

हिरणपुर (पाकुड़) झारखंड सरकार के आदेशानुसार प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप लिटिल चैंप्स अंडर 12 फुटबॉल प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय हाथकाठी ने मारी बाजी। झमाझम बारिश के बीच घघरजानी के मैदान में बच्चों का फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजित हुआ जिसमें हिरणपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दिलीप विधिवत प्रतियोगिता का उद्घाटन किये ,और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि फुटबॉल मानसिक के साथ-साथ शारीरिक तौर पर भी बहुत अच्छा खेल है ,और जब हम तन -मन से इस खेल को खेलते हैं, तो हमारा चौमुखी विकास होता है, और आज खेलने वाला अच्छे-अच्छे जगह में पहुंच गया है, पहले कहा जाता था पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नबाब खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब लेकिन आज कहा जाता है खेलोगे कूदोगे तो बनोगे नवाब उन्होंने कहा सभी बच्चे खेल भावना से इस खेल को खेलें बच्चों का उत्साह देखकर मन खुश हो जाता है, और मन करता है कि मैं भी मैदान में उतर जाऊं इसके बाद लिटिल चैंप्स का अंडर 12 बालक वर्ग एवं बालिका वर्ग का फाइनल प्राथमिक विद्यालय हाथकाठी हिंदी एवं पीएम श्री मध्य विद्यालय तारापुर के बीच खेला गया जिसमें बालिका वर्ग में प्राथमिक विद्यालय हाथकाठी हिंदी के बालिकाओं के द्वारा एक गोल से पीएम श्री मध्य विद्यालय तारापुर को शिकस्त दिया वहीं बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय हाथकाठी हिंदी एवं पीएम श्री मध्य विद्यालय तारापुर के बीच मुकाबला खेला गया जिसमें हाथ काठी की टीम पेनल्टी शूटआउट में 4 -0 से बड़ी जीत दर्ज की इस तरह से प्राथमिक विद्यालय हाथकाठी की दोनों ही टीम जिला के लिए क्वालीफाई कर गई आगे जिला स्तरीय टूर्नामेंट में भाग लेगी उपयुक्त जानकारी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी कृष्ण भगत ने दिया इस अवसर पर अंडर 15 अंडर में वीर ग्राम 17 में +2 हिरणपुर भी मुकाबला खेला गया और विजयी रहा मौके पर टृविंकल चोधरी, संजय जायसवाल, डा सुभाष आनंद,दीपक साहा , खेल शिक्षक नोयेल,निशांत और लिला तिर्की की अहम भूमिका रही वही रोशन सोरेन रेफरी की भूमिका में दिखे, राजेश मुर्मू, बेंजामिन, विजय हांसदा, सुजाता टुडू कुमद साहा, मिश्रा आदि उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में निकली गई एनीमिया पीलापन को लेकर स्वास्थ्य रथ

आदिवासी एक्सप्रेस/
कृष्णा गोस्वामी

देवघर। विश्व सिकल सेल दिवस का उद्घाटन कार्यशाला का आयोजन सदर अस्पताल के सभागार में सिविल सर्जन डॉक्टर जुगल किशोर चौधरी के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा सिकल सेल रोग अनुवांशिक होता है इस रोग में लाल रक्त कणिकाओं में हीमोग्लोबिन का असामान्य हो जाता है। यह छोटे रक्त वाहिकाओं का अवरुद्ध कर सकता है।

सिकल सेल एनीमिया रोग के लक्षण एनीमिया पीलापन दिखाई देना बार-बार संक्रमण बीमार हो जाना। थकान बुखार एवं सूजन तथा कमजोरी महसूस करना। रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाना जोरो में दर्द या सूजन छाती में दर्द सांस फूलना पीठ पेट में दर्द

रोगी क्या करें

दिन भर ज्यादा से ज्यादा पानी पिए 10 से 15 ग्लास डॉक्टर की सलाह से फोलिक एसिड गोली प्रतिदिन ले उल्टी दस्त पसीने से शरीर का ज्यादा पानी बाहर निकलने पर डॉक्टर से संपर्क करें। संपूर्ण संतुलित आहार ले हर 3 महीने में हीमोग्लोबिन स्तर तथा श्वेत रक्त कोशिकाओं की संख्या की जांच करें । रोगी क्या ना करें ज्यादा गर्मी या धूप में बाहर नहीं निकले ज्यादा ऊंचाई वाले पहाड़ों हिल स्टेशनों पर न जाए ज्यादा ठंड बाहर न जाए ।समय पर डॉक्टर की सलाह लें सिकल सेल एनीमिया रोग के उन्मूलन हेतु राज्य में 0 से 40 वर्ष उम्र के लोगों के लिए सिकल सेल जांच का आयोजन किया जा रहा है। व्यापक प्रचार के लिए सिकल सेल जागरूकता रथ को अस्पताल परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर पीके शर्मा, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉक्टर प्रभात रंजन, जिला वीबीडी पदाधिकारी डॉ अभय यादव शिक्षा विभाग के सूरज श्रीवास्तव, डीपीएम समरेश सिंह, डीपीसी प्रवीण सिंह, राजेश राय, सुधांशु शेखर सभी प्रखंड की बी टी टी एवं शहरी सहिया उपस्थित थे।

व्यवस्था ठीक नहीं हुई तो शीघ्र दर्शनम् और वीआईपी कूपन कटना होगा बंद-कार्तिक नाथ

- पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत पूर्व महामंत्री मंदिर परिसर में बैठे धरना पर उन्होंने कहा मंदिर के कुव्यवस्था का कर रहा हूं विरोध

आदिवासी एक्सप्रेस/
कुमार आस्तिक गिरि

देवघर। बाबा मन्दिर के गर्भगृह में गलत तरीके से ईनक्रोचमेंट और पैसा लेकर गर्भ गृह में प्रवेश के विरोध में बाबा मंदिर के प्रशासनिक भवन के निकट पंडा धर्मरक्षिणि सभा के पूर्व महामंत्री कार्तिक नाथ ठाकुर धरना पर बैठ गए हैं। उनके साथ इस धरना प्रदर्शन में अन्य लोग भी सहयोगी के रूप में पहुंचे और धरना का समर्थन किया।जानकारी हो कि मंदिर सहायक प्रबन्धक रमेश परिहस्त के ऊपर लगातार मंदिर के गर्भ गृह में अपने लोगों से पैसा वशूल करवा कर प्रवेश करवा रहे हैं इसका आरोप लगाया जा रहा था। सोशल मीडिया में एक वीडियो इस प्रकार का वायरल भी हो रहा है हालाकी इसकी पुष्टि नई बात नहीं करती है। वहीं उपायुक्त के जानकारी के बाद उपायुक्त ने एक जांच कमिटी भी बनवाई है जो जांच कर रिपोर्ट समर्पित करेंगे। मौके पर धरना पर बैठे कार्तिक नाथ ठाकुर ने मंदिर के वीआईपी गेट की तस्वीर दिखाते हुए कहा आख़िर कैसे सभी प्रशासनिक भवन से अंदर प्रवेश कर रहें हैं? यह किसकी मिली भगत से हो रहा है कौन करवा रहा है? वहीं श्री ठाकुर ने कहा कि मंदिर में फैलती कुव्यवस्था के विरोध में, श्रद्धालुओं को हो रही असुविधा को लेकर, मंदिर में हो रहे अवैध घुसपैठ को लेकर ,तीर्थ यात्रियों के हित को बचाने के लिए आज का यह धरना दिन भर का है, अगर व्यवस्था ठीक नहीं हुई तीन दिनों के अंदर,सुधार नहीं होता है तो वीआईपी पूजा और शीघ्र दर्शनम का कूपन कटना बंद रहेगा जब तक सुधार नहीं हो जाता है।बताते चलें कि इस धरना को लेकर श्री कार्तिक नाथ ठाकुर ही इसकी घोषणा कर दिया था।

धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत प्रखंड लिट्टीपाड़ा के कई पंचायतों में लगा शिविर, लोगों को दिया गया लाभ

आदिवासी एक्सप्रेस प्रतिनिधि

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। सरकार द्वारा संचालित धरती आबा जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत गुरुवार को लिट्टीपाड़ा प्रखंड के ग्राम पंचायत नवाडीह ओर कमलघाती में जागरूकता एवं लाभ वितरण शिविरों का आयोजन किया गया। इस शिविर के अभियान का उद्देश्य आदिम जनजाति समुदायों तक केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुँचाना और उन्हें इन योजनाओं से लाभान्वित करना है। ग्राम पंचायत नावाडीह ओर कमलघाटी के हांथीगढ़, बिंझा, मुर्गाबानी, नावाडीह ओर बांसजोरी जैसे दुर्गम व आदिवासी बाहुल्य ग्राम क्षेत्रों में शिविरों का संचालन किया गया। शिविरों में आदिम जनजातियों के परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। शिविर में उपस्थित लोगों को उनके अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पोषण, शिक्षा, मनरेगा, क़ृषि, स्वरोजगार, बैंकिंग सुविधा, पेंशन योजना और राशन कार्ड जैसे विषयों पर जानकारी दी गई ओर आवेदन प्राप्त कर मौके पर ही कई लाभुकों को योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें लाभ पहुंचाया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के साथ पहुंचे और धरती आबा अभियान उसी दिशा में एक सशक्त पहल है।

पुराने सदर अस्पताल में धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत सिकल सेल एनीमिया जांच शिविर का हुआ आयोजन

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़। जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से 15 से 30 जून 2025 तक राष्ट्रव्यापी जागरूकता और सिकल सेल एनीमिया जांच अभियान जो 19-06-2025 से 08- 07-2025 तक किया जाना है। इस अभियान के तहत अनुसूचित जनजाति/आदिम जनजाति लाभुकों को सरकार की लाभकारी योजनाओं से जोड़ने एवं सरकार की योजनाओं को लेकर जागरूक किया जा रहा है तथा सभी आदिम जनजाति (PVTG) के लोगो का सिकल सेल जांच किया जाना है। इसके अंतर्गत आज पाकुड़ जिले के पुराने सदर अस्पताल में सिकल सेल एनीमिया शिविर का आयोजन किया गया।शिविर का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार व परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, कार्यपालक दंडाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ मनीष कुमार, जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ एस के झा आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने शिविर में कहा कि मेरा सभी को यहीं संदेश है कि इस बीमारी को जाने, समझे और जागरूक रहें और इस बीमारी से बचें। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा आमजनों के प्रति जागरूकता लाने के लिए विभिन्न पंचायतों में भी शिविर आयोजित किए जा रहे। सिकल सेल एनीमिया का प्रभाव जनजातीय समाज में ज्यादा देखा जाता है, इस कारण यहां के लोगों का सिकल सेल एनीमिया की जांच जरूरी है। यह एक अनुवांशिक रोग है, जिसके कारण यहां के रहने वाले सभी परिवार के सदस्यों की जांच कराई जाने की जरूरत है। यह जांच निःशुल्क है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर जांच कैंप लगाए जा रहे हैं, जहां बीमारी की पहचान होने पर उपचार भी किया जा रहा है। साथ ही बीमारी से बचाव की जानकारी भी दी जा रही है, ताकि लोगों को सिकल सेल एनीमिया से बचाया जा सके। साथ ही उपायुक्त ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। साथ ही योजनाओं को लेकर जागरूक किया गया, ताकि भविष्य में भी वे अपने हक-अधिकार के लिए आगे आएं।

उपायुक्त ने वीसी के माध्यम से जिला के सभी शिक्षकों, बीआरपी, सीआरपी एवं जेएसएलपीएस टीम के साथ समीक्षात्मक बैठक किया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त ने वीसी के माध्यम से जिला के सभी शिक्षकों, बीआरपी, सीआरपी एवं जेएसएलपीएस टीम के साथ समीक्षात्मक बैठक किया जिसमें 20 जून 2025 को जिले के सभी स्कूलों में तिथि भोज सह जन्मोत्सव के रूप में मनाये जाने को लेकर तैयारियों का जायजा लिया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम को सही तरीके से कराने हेतु विस्तृत जानकारी दी। उपायुक्त ने बताया कि स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सभी लोगों के घर घर जाकर एक साथ सभी प्रकार के बीमारियों का जांच किया जा रहा है। इसमें स्वास्थ विभाग की पूरी टीम लगी हुई है। इसके लिए सभी को जागरूक करने की जरूरत हैं ताकि सभी का जांच हो जाए।

साथ ही प्रोजेक्ट प्राकृति के तहत एक पेड़ मां के नाम के के तहत पूरे जिले में एक लाख पौधारोपण किया जाना है। सभी स्कूलों को एक पेड़ मां के नाम के,एक पेड़ बेटी के नाम के लगाने का निर्देश दिया गया। पौधारोपण में शिक्षा विभाग के द्वारा बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने बधाई दी क्योंकि शिक्षा विभाग पौधारोपण कार्यक्रम में में पूरे राज्य में नंबर एक पर है। साथ ही उपायुक्त ने बताया कि शिक्षा विभाग में कई सारे कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं जैसे तिथि भोजन सह जन्मोत्सव, बोलेगा पाकुड़, बाल चौपाल, आज क्या सीख, फिर से स्कूल चले हम इन सब कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की उपस्थिति को बढ़ाना है। अगस्त माह तक 80 प्रतिशत उपस्थिति सभी विद्यालय में करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने प्रौढ़ शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि कम से कम 25 गांव में सभी प्रौढ़ों को साक्षर बनाएं ताकि एक अच्छा मैसेज जाए और सभी लोग साक्षर हो जाए कम से कम अपना हस्ताक्षर कर सके। 20 तारीख को पुनः तिथि भोज सह जन्मोत्सव का आयोजन सभी विद्यालय में किया जाना है। सभी विद्यालय के शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि सही तरीके से तिथि भोज आयोजित करें। तिथि भोज में गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित करें। साथ ही साथ बच्चों के साथ इस बार शिक्षक और अगर कोई जनप्रतिनिधि का जन्मदिन है तो उसको भी तिथि भोजन सह जन्मोत्सव के रूप में मनायें।इन सभी क्रियाकलापों में पंचायत के मुखिया जी बढ़-चढ़कर हिस्सा लें ताकि बच्चों का उत्साहवर्धन हो। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन अच्छे कार्यों की सराहना और हौसला बढ़ाने में हमेशा आगे रहती है बशर्ते उसके हकदार आगे बढ़ने का जज्बा रखे।

पियारपुर गांव से दहेज प्रताड़ना मामले के एक आरोपी को गिरफ्तार किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उधवा राधानगर पुलिस ने थाना क्षेत्र के दक्षिण पियारपुर गांव से दहेज प्रताड़ना मामले के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पीड़िता महिला अंगुरा बीबी ने दहेज प्रताड़ना और दहेज नहीं देने पर पति द्वारा दूसरी शादी करने के मामले में थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आवेदन में आरोप लगाया था की उसकी शादी गांव में मो रफीकुल शेख के साथ करीब 10 वर्ष पूर्व हुई थी। शादी के कुछ महीनों बाद उसके पति मो रफीकुल शेख, इरशाद शेख, आसेमा बीबी व रूभान बीबी ने मिलकर दहेज के रूप में तीन लाख रूपये का दवाब बनाने लगा था। महिला के द्वारा विरोध करने पर उसके साथ शारीरिक मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। बातों बात पर महिला के साथ ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट की। दहेज नहीं देने पर उसके पति ने दूसरी शादी रचा ली है। पीड़िता का आरोप था कि उसकी सौतन ने उसके बच्चों के खाने की चीज में जहरीली पदार्थ देकर जान मारने की कोशिश की थी। पीड़िता अंगूर बीबी के बयान पर चार लोगों के विरुद्ध कांड संख्या 41/25 दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी घर से फरार हो गया था। वही पुलिस को सूचना मिली की आरोपी घर में देखे गए है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी को पुलिस ने गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

रेलवे स्टेशन साहिबगंज से बरामद अज्ञात युवक के शव का 72 घंटे बाद भी नहीं हुई पहचान, रेल पुलिस ने कराया अंतिम संस्कार

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। रेल थाना क्षेत्र के साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3 व 4 के बीच से बीते दिनों 16 जून की सुबह 9 बजे एक अज्ञात युवक का शव सिर धड़ से अलग बरामद करने के बाद सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद पहचान होने तक के लिए सुरक्षित रखवा दिया था। जहां 72 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई भी परिजन सामने नहीं आने पर गुरुवार को रेल थाना क्षेत्र की पुलिस ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया है। उधर मामले को लेकर रेल थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस यूडी कांड संख्या दर्ज करते हुए पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

धर्म का एक दशक: मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

>> विचार

> “ इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरूहुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं। राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है।भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं। और उस स्मृति में, धर्म की निगरानी में, भारत ने फिर से अपनी आवाज पाई है।

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ।सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्री राम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी।यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यहमंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था,यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था। कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल कोस्थापित किया।यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलितराजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणाथी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया।यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था। इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया।यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी।

2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवसपहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है,बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है। आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया।इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्तादएवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए। भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था,बल्कि एक गाथा को पुनः प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेललंबे समय से ओझल हो रहे थे।उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओरबदलाव का भी प्रतीक था। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्रीश्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ताकी तुलना मेंशायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दर्शाती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह कानगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास औरन केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था। यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर परपट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए,जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए। 2023 में जी-20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट था: भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है - यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है। इन वर्षों के दौरान, 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियांविदेशी संग्रहालयों और संग्रहकर्ताओं से वापस लाई गईं, जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह, गुरु गोविंद सिंह के वीरशहजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई, जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केन्द्र में लाया। महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्ट, डिजिटल म्यूजियम टूर और "मनकीबात" केमाध्यमसे, प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कला, कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉक-डाउन के एकांत में भी पुष्पित-पल्लवित होते रहें। विकासभी, विरासत भी"के नारे जैसेअभियान में ये सभीसमाहित हो गए। यह एकआह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिकगौरवकेसाथ-साथचलने पर जोर देता है।मोदीसरकारकेतहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि,जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर व रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे। भारत आज अपनी पहचान के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावें और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवादप्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है। इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं। राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है।भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं। और उस स्मृति में, धर्म की निगरानी में, भारत ने फिर से अपनी आवाज पाई है।

(लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार)

संपादकीय

युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा है-'हमें पता है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई कहां छिपे हैं? वह आसान टारगेट हैं, लेकिन अभी वहां सुरक्षित हैं, क्योंकि अभी हम उन्हें मारना नहीं चाहते।' लगभग यही भाषा इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बोल रहे हैं। दोनों नेताओं के पास पर्याप्त जानकारी है कि ईरान के 'मजहबी नेता' मौजूदा दौर में बेबस और अलोकप्रिय हैं। अफगानिस्तान में सोवियत संघ और अमरीका दोनों ही महाशक्तियां पराजित हुई हैं। अमरीकी सैनिक तालिबान लड़ाकों के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पाए, नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को अमरीकी सेनाओं की वापसी का निर्णय घोषित करना पड़ा। बहरहाल अब ईरान के संदर्भ में अमरीका और इजरायल की मंशा क्या है? कैसे थमेगा यह युद्ध? यह युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित करेगा। ईरान की राजधानी तेहरान को तुरंत खाली कर देने के बयान राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू दोनों ने दिए हैं, नतीजतन पलायन और विस्थापन शुरू हो गए हैं। भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने का अभियान भी आरंभ हो चुका है। तेहरान में करीब 98 लाख लोग बसते हैं। शहर छोडने की होड़ मची है। खाड़ी देशों और इजरायल में करीब 1 करोड़ भारतीय व्यापार और नौकरी कर रहे हैं और विद्यार्थी भी हैं। अकेले ईरान में ही 10,765 भारतीय हैं, जिनमें 1500 से अधिक छात्र हैं। वे सभी अस्थिर होंगे। इजरायल-ईरान युद्ध पर महत्वपूर्ण रुख अख्तियार करने का मौका जी-7 समूह के विकसित और संपन्न देशों के पास भी था, लेकिन वे चूक गए और संघर्ष कम करने का ही आह्वान कर सके। उन्होंने इजरायल का पक्ष भी लिया और हमले को 'आत्मरक्षा का अधिकार' करार दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए, बल्कि शिखर सम्मेलन के अधबीच ही वाशिंगटन लौट गए। उन्होंने कहा है कि हम जंग का अंत चाहते हैं, बिल्कुल अंत, सिर्फ युद्धविराम के पक्ष में नहीं हैं। अंत तभी होगा, जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद करना स्वीकार कर लेगा। हम ईरान के पास परमाणु बम नहीं देख सकते और न ही वह बना सकता है, लिहाजा ईरान 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' करे। एक तरफ अमरीका का रुख यह है और दूसरी तरफ 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान यूरोप भेजे हैं, जिससे युद्ध समाप्त किए जाने की मंशा साफ नहीं होती। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में जो समग्र कार्य योजना बनाई गई थी, उसमें ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को अच्छी तरह काट दिया गया था। कोई भी सैन्य अभियान यह संभव नहीं कर सकता। विडंबना है कि ट्रंप उस कार्य योजना को खारिज कर चुके हैं। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। यह दोनों पक्षों के लिए हानिकारक ही होता है। साथ ही इससे पूरे विश्व की शांति भी भंग होती है।

मध्यप्रदेश भाजपा : एक अनार और छह बीमारों के बीच घोड़ा पछाड़ युद्ध

संजय पराते

अनार के बारे में माना जाता है कि इसका नियमित सेवन स्वास्थ्यवर्धक है, शरीर में खून की मात्रा बढ़ाता है, दिमाग को तरो ताजा रखता है और बीमारी को दूर भगाता है। समस्या तब पैदा होती है, जब अनार केवल एक हो और इसके सेवनकर्ता इच्छुक लोग एक से ज्यादा हो। तब यह अनार जी का जंजाल बन जाता है। यही हाल मध्यप्रदेश का है। मुख्यमंत्री का पद एक है और दावेदार अनेक। आज भाजपा का हर नेता अपने स्वास्थ्य के लिए इस पद को हथियाना चाहता है। जिसके पास यह पद होता है, उसकी सारी बीमारियां छू-मंतर हो जाती है। जिसको इस पद से हटाया जाता है, उसकी काया बीमारियों का घर बन जाती है। इसलिए यहां की रामनामी सरकार के लिए मुख्यमंत्री का पद रामबाण औषधि है। विधानसभा चुनाव के बाद यहां के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान किस तरह हटाए गए, पूरी जनता जानती है। चुनाव में भाजपा को अपने बल-बूते प्रचंड विजय दिलाने वाले चौहान को बे-आबरू होकर अपने कूचे से जाना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी के एक लिफाफे ने, जिसमें नए मुख्यमंत्री का नाम लिखा था, उनकी कुर्सी छीन ली और न उन्हें, और न उनके समर्थकों को विद्रोह करने, हाईकमान को ललकारने का मौका मिला। प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजय वर्गीय को भी मन मारकर मोहन यादव के समर्थन में हाथ उठाना पड़ा, जबकि विधानसभा चुनाव की पूर्व संध्या से ही उनकी नजर इस कुर्सी पर थी। मोदी के एक लिफाफे ने उनकी पुख्ता दावेदारी को मिट्टी में मिला दिया। लिफाफे के मजमून के उजागर होते ही भाजपा के कद्दावर नेता नरेंद्र सिंह तोमर भी कहीं के नहीं रहे। ऑपरेशन सिंदूर को केंद्र में रखकर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और मंत्री विजय शाह ने जो बयान दिए, उससे भाजपा की छवि धूमिल ही हुई है। हालांकि, दोनों मंत्रियों ने "सरदार शाबाशी देगा" के अंदाज में भाजपा में अपना नंबर बढ़ाने के लिए ऐसे मुस्लिम विरोधी बयान दिए थे, ताकि देश और समाज में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की प्रक्रिया तेज हो। संघ-भाजपा चाहती भी ऐसा ही है। लेकिन आम जनता के बीच इन दोनों भाजपा नेताओं के बयान उल्टे पड़े। भाजपा की स्थिति "न उगलते बन रहा, न निगलते बन रहा" वाली बन गई है। ये दोनों महाशय भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं और मुख्यमंत्री मोहन यादव के जाने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन तब तक के लिए उनकी आंखों के कांटे बन गए हैं। शिवराज सिंह चौहान, कैलाश विजय वर्गीय, नरेंद्र सिंह तोमर, जगदीश देवड़ा, विजय शाह -- इन सब गुटों को साधते-संभालते मोहन यादव घनचक्कर बन गए है। लेकिन एक और कद्दावर दावेदार है ज्योतिरादित्य सिंधिया, जो कहने के लिए तो केंद्र में संचार मंत्री हैं, लेकिन राज्य की राजनीति के केंद्र से इतने गायब हैं कि अपने समर्थक विधायक तक को छोटी मोटी पोस्ट पर नवाजने के काबिल नहीं रह गए हैं। उनकी नाराजगी का आलम यह है कि भाजपा के पचमढ़ी शिविर से उनके समर्थक विधायक पूरी तरह से गायब रहे। यह हाल तब है, जब पचमढी शिविर का उदघाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने और समापन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। बताया जाता है कि इस शिविर में घोड़ा पछाड़ नाम का एक सांप निकल आया था, जिसने शिविर में सनसनी फैला दी थी। इसे घोड़ा पछाड़ इसलिए कहा जाता है कि यह घोड़े-जैसी तेज रफ्तार से दौड़ सकता है। यह सांप लगभग डेढ़ से दो मीटर लंबा होता है। हालांकि इस सांप को वन विभाग के सर्प-मित्रों ने पकड़कर दूर कही छोड़ दिया, लेकिन सांप की अनुपस्थिति से शिविर की सनसनी में कोई कमी नहीं आई। मीडिया खबर दे रहा है कि अपना वजूद जताने के लिए शिवराज सिंह चौहान का अपने गृह क्षेत्र बुदनी से पदयात्रा शुरू है। अंदरखाने भाजपा सुलग रही है और उसकी आंच में कोई हाथ ताप रहा है, तो कोई रोटी सेंक रहा है। मध्यप्रदेश भाजपा में घोड़ा पछाड़ युद्ध जारी है। सब एक-दूसरे को काटने पर तुले हैं और मोहन यादव इस रणक्षेत्र में अपना पद साध रहे हैं। लेकिन पद साधना एक बात है और सरकार चलाना दूसरी बात। क्या आप सोचते हैं कि मध्यप्रदेश में वाकई सरकार चल रही है?

(टिप्पणीकार अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं।)

जीवित रहें पुस्तकालय

विजय गर्ग

किसी समाज की सभ्यता और संवेदनशीलता का पैमाना केवल उसकी भौतिक प्रगति से नहीं, बल्कि उसकी बौद्धिक और सांस्कृतिक चेतना से भी मापा जाता है। यह चेतना कहां विकसित होती है? क्या केवल विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में? या फिर केवल घर की चारदीवारी में? नहीं, यह चेतना उस सार्वजनिक स्थान पर भी आकार लेती है, जहां विचार स्वतंत्र होते हैं, जिज्ञासाएं पूरित होती हैं और ज्ञान की कोई कीमत नहीं होती। वह स्थान है सार्वजनिक पुस्तकालय। मनुष्य के विकास का इतिहास मूलतः ज्ञान और जानकारी की खोज का इतिहास है। सभ्यता की शुरुआत से ही मनुष्य ने जानकारी को संरक्षित करने और साझा करने के विविध प्रयास किए हैं गुफाओं की चित्रकला से लेकर 'डिजिटल आर्काइव' तक। इस संदर्भ में पुस्तकालयों की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण रही है। पुस्तकालय ज्ञान के भंडार से बढ़कर मानवता की सामूहिक स्मृति और विकास की धुरी हैं। विचार और अधिकारःसंयुक्त राष्ट्र के सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र के अनुच्छेद 19 में कहा गया है कि 'प्रत्येक व्यक्ति को राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है; इस अधिकार में सूचना और विचारों को बिना किसी सीमाओं के प्राप्त करने, ग्रहण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता भी सम्मिलित है।' यह अधिकार तभी सार्थक होता है, जब समाज में ऐसे संस्थान हों जो सबको समान रूप से ज्ञान तक पहुंच प्रदान करें। सार्वजनिक पुस्तकालय इस अधिकार की भौतिक अभिव्यक्ति हैं। जब हम सार्वजनिक पुस्तकालयों की बात करते हैं, तो हम उस अधिकार की भी बात कर रहे होते हैं जो हर मनुष्य को सूचना, शिक्षा और आत्मविकास के लिए प्राप्त होना चाहिए। पुस्तकालय विचारों की खान होते हैं, जहां हर आयु, जाति, वर्ग और पृष्ठभूमि का व्यक्ति प्रवेश कर सकता है और अपने बौद्धिक क्षितिज का विस्तार कर सकता है। सार्वजनिक पुस्तकालय लोकतंत्र के उन मौन स्तंभों में से एक हैं, जहां सूचना की समता संभव होती है। अमीर हो या गरीब, पढ़ा-लिखा हो या ज्ञान की शुरुआत करने वाला हर व्यक्ति पुस्तकालय में समान अधिकार के साथ प्रवेश करता है। यही समानता किसी समाज को भीतर से मजबूत करती है।ःजब समाज में शिक्षा की पहुंच बढ़ती है, तो उसे पोषण देने के लिए ऐसे मंचों की आवश्यकता होती है जो औपचारिक शिक्षा से आगे जाकर जिज्ञासा को जीवित रखें। पुस्तकालय वही मंच है, जहां पाठ्यक्रम की सीमाएं टूटती हैं और पाठक अपनी गति और रुचि के अनुसार सीखने लगता है। वहां कोई परीक्षा नहीं होती, कोई अंक नहीं दिए जाते, फिर भी सीखने की प्रक्रिया अधिक सजीव और आत्मीय होती है। यह आत्म- प्रेरित अध्ययन किसी भी राष्ट्र की सृजनात्मक क्षमता को बढ़ावा देता है। सार्वजनिक पुस्तकालयों का एक और महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि वे सामाजिक एकता के प्रतीक होते हैं। वे विचारों की बहुलता को स्वीकार करते हैं और विभिन्न मतों को एक ही छत के नीचे सह-अस्तित्व प्रदान करते हैं। जहां समाज में ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, वहां पुस्तकालय जैसे स्थान एक शांतिपूर्ण संवाद की संभावना रखते हैं। अलमारी के एक ही खाने में गांधी और मार्क्स की किताबें मिल सकती हैं, तुलसी और कबीर साथ- साथ मिल सकते हैं और यही विविधता हमें सहिष्णुता सिखाती है। ज्ञान का विवेकःतकनीक के इस युग में यह तर्क दिया जा सकता है कि जब सारी जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध है, तो पुस्तकालय की क्या आवश्यकता है! यह भूलना नहीं चाहिए कि इंटरनेट जानकारी तो देता है, पर संदर्भ और विवेक के साथ ज्ञान नहीं देता। पुस्तकालय एक संरचित और विश्वसनीय ज्ञान का भंडार है, जहां किताबों की उपस्थिति और उनका चयन एक विचारशील प्रक्रिया का परिणाम होता है। इसके अलावा, डिजिटल पहुंच आज भी अनेक लोगों के लिए एक विशेषाधिकार है, जबकि पुस्तकालय सार्वजनिक और समावेशी होते हैं। पुस्तकालयों का महत्त्व केवल बौद्धिक नहीं, भावनात्मक और सांस्कृतिक स्तर पर भी है। कितने ही लोगों के लिए पुस्तकालय जीवन की कठिनाइयों में एक आश्रय बनता है। वहां की शांति, किताबों की गंध और पढ़ते हुए समय के रुक जाने का अहसास - यह सब एक मानसिक सुकून देता है जो शायद किसी और स्थान पर नहीं मिलता। किसी किशोर के लिए जो घर में पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण नहीं पा सकता, पुस्तकालय एक नई दुनिया खोल देता है। किसी वृद्ध के लिए, जो अकेलापन महसूस करता है, वहां का माहौल जीवंतता का अनुभव कराता है।

समझ का निवेश :आज जब हम शहरीकरण और डिजिटल विकास के नाम पर जगह-जगह माल और सिनेमाघर बना रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि हम पुस्तकालयों को भी उतना ही महत्त्व दें। यह केवल भवनों की बात नहीं है, यह सोच की बात है। सार्वजनिक पुस्तकालयों में निवेश करना एक दीर्घकालिक निवेश है। ऐसा निवेश जो आने वाली पीढ़ियों को सोचने समझने और बेहतर समाज गढ़ने की शक्ति देता है। यह एक ऐसी विरासत है जिसे बनाए रखना, बढ़ाना और प्रसारित करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। सार्वजनिक पुस्तकालयों को केवल एक परंपरागत संस्था समझने की भूल न की जाए। वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने पहले थे. शायद और भी अधिक। समाज की आत्मा को अगर कभी पढ़ना हो, तो वह उसके पुस्तकालयों की अलमारियों में छिपी पड़ी होती है। वहां मौजूद किताबें मनुष्यता के सबसे सुंदर स्वप्नों, विचारों और अनुभवों की अभिव्यक्ति होती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम अपने सार्वजनिक पुस्तकालयों को न केवल संरक्षित करें, बल्कि उन्हें जीवंत, समृद्ध और समावेशी बनाएं. क्योंकि जहां पुस्तकालय फलते-फूलते हैं, वहीं समाज भी विचारशील, उदार और प्रगतिगामी बनता है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

हूल दिवस एवं मुख्यमंत्री आगमन को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक, अधिकारियों को सौंपे गए महत्वपूर्ण दायित्व

अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
साहिबगंज आगामी हूल दिवस के सफल आयोजन एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर आज समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, वरीय

अधिकारीगण एवं प्रखंड विकास पदाधिकारीगण उपस्थित थे।
बैठक में हूल दिवस समारोह को गरिमा एवं ससमय रूप से सम्पन्न कराना है, साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तावित उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

विस्तृत दिशा-निर्देश एवं विभागीय जिम्मेदारियां तय
बैठक में उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं तथा आपसी समन्वय बनाकर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए टेंट व पंडालों को वाटरप्रूफ बनाया जाए ताकि कार्यक्रम में किसी प्रकार की व्यवधान उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर विशेष सतर्कता
उपायुक्त ने बताया कि हूल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन का आगमन प्रस्तावित है। ऐसे में उनकी सुरक्षा, स्वागत, मंच व्यवस्था, आमजन की बैठने की सुविधा, मीडिया कवरेज, एलईडी स्क्रीन, टेलीप्रॉम्प्टर आदि सभी पहलुओं पर बारीकी से ध्यान देने की आवश्यकता है। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को उद्घाटन व शिलान्यास हेतु चिन्हित योजनाओं से संबंधित सभी दस्तावेजी प्रक्रियाएं पूर्ण करने का निर्देश दिया।

भोगनाडीह पार्क की विशेष सफाई और सजावट के निर्देश
कार्यक्रम स्थल भोगनाडीह पार्क की सजावट एवं समुचित व्यवस्था को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि यह स्थल शहीद वीर सिध्दो-कान्हू की धरती है, अतः इसकी गरिमा को ध्यान में रखते हुए हर व्यवस्था सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सम्मानजनक स्वरूप में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जनसंवाद एवं सेवा वितरण का भी अवसर है, जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था पर विशेष जोर
उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक के साथ विधि व्यवस्था को लेकर विस्तृत मंथन किया। उन्होंने कहा कि यातायात, आम जनता की आवाजाही, सुरक्षा घेरा, इमरजेंसी मेडिकल सेवाएं, अग्निशमन व्यवस्था, वीआईपी मूवमेंट आदि सभी पर विभाग वार कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। जिला नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखते हुए पूरे कार्यक्रम की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

सुविधा प्रबंधनः पेयजल, स्वास्थ्य, बैठने की व्यवस्था
बैठक में उपायुक्त ने पेयजल, स्वच्छता, मशीनयुक्त शौचालय, संबंधित स्थलों पर पर्याप्त जनरेटर व लाइटिंग, स्वास्थ्य सुविधा, प्राथमिक उपचार केंद्र, दवा वितरण, बैठने की समुचित व्यवस्था, एलईडी स्क्रीन, साउंड सिस्टम, डिजिटल प्रदर्शन आदि के लिए संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए।

समापन एवं कार्ययोजना निर्धारण
बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम की पूर्व संध्या तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने सभी पदाधिकारी को निर्देशित किया कि वे स्थल निरीक्षण करते रहें, विभागीय समन्वय बनाकर सूचनाओं का आदान-प्रदान करें एवं निर्धारित समय में अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन समर्पित करें।

संक्षिप्त समाचार

पतना प्रखंड के मयुरझुटी स्थित कांग्रेस कार्यालय में राहुल गांधी का 55 वां जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस प्रिंस मिश्रा
पतना प्रखंड के मयूरझुटी कांग्रेस कार्यालय में देश के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकप्रिय नेता राहुल गांधी का 55वां जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पतना प्रखंड के कांग्रेस अध्यक्ष परवेज आलम की अगुवाई में केक काटकर राहुल गांधी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परवेज आलम ने कहा की राहुल गांधी देश के युवाओं की आवाज हैं। उन्होंने हमेशा संविधान, लोकतंत्र और गरीबों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। उनका सादगी भरा जीवन हम सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी कार्यकर्ता उनके नेतृत्व में समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस आयोजन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के विचारों और नेतृत्व की सराहना करते हुए कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी न सिर्फ एक राजनीतिक नेता, बल्कि देश के युवाओं के लिए आशा और प्रेरणा का स्रोत हैं।
इस मौके पर राहुल चौबे, सुनील मुर्मू, इरशाद आलम, जावेद सलमान, अरमान, जमील समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन कांग्रेस की एकता, सामाजिक समरसता और राहुल गांधी के विजन को धरातल पर उतारने के संकल्प के साथ किया गया।

साहिबगंज सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक मे रक्तदान शिविर लगाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जन्मदिन की अवसर पर साहिबगंज युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अखलाक नदीम के नेतृत्व में साहिबगंज सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक मे रक्तदान शिविर लगाया गया.इस अवसर पर बोरियो विधानसभा अध्यक्ष असगर अफरीदी साहिबगंज युवा कांग्रेस का नगर उपाध्यक्ष साकिब अंसारी उर्फ छोटू, जिला महासचिव उमेश मंडल, सूरज कुमार, बड़का मुर्मू, प्रखंड सचिव साथियों ने रक्तदान कर राहुल गांधी को देश की सच्चाई के लिए लड़ते हुए इस संघर्ष भरे यादों को अपने रक्तदान कर राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी.इस अवसर पर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष एखलाक नदीम ने कहा क़ी कांग्रेस नेता राहुल गाँधी हमेशा गरीब दलितों क़ी आवाज़ उठाते रहे है. उन्होंने कहा क़ी आज राहुल गाँधी का ही देन है जो केंद्र सरकार जातिगत जनगणना कराने के लिए तैयार है.मौक़े पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मोहम्मद कलीमुद्दीन,नगर कांग्रेस अध्यक्ष सतीश पासवान,युवा कांग्रेस सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर अजफर खान सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे.

रोड के आवारा कुत्ते ने युवक को काटकर किया घायल

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। जिरवाबाडी थाना क्षेत्र अंतर्गत मझर टोला निवासी को रोड के आवारा कुत्ते ने काट कर घायल कर दिया घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया अस्पताल में चिकित्सक मुकेश कुमार के द्वारा इलाज प्रारंभ किया गया. बताया जा रहा है कि मझर टोला निवासी विनय सिंह के 23 वर्षीय पुत्र आनंद सिंह पशुपालन विभाग के तरफ से जा रहा था इसी बीच पशुपालन विभाग के पास रोड के आवारा कुत्ते ने उसे पर हमला कर दिया काट कर घायल कर दिया घायल आनंद सिंह के दाहिने पैर को जख्मी कर दिया उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया अस्पताल में चिकित्सक डॉक्टर मुकेश कुमार ने घायल को रैबीज टीके लगवाया. इन कुत्तों के कारण लोग परेशान है लेकिन कुत्तों को पकड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है. जिसके कारण लोग डर के माहौल में जी रहे हैं।

विश्व सिकल सेल दिवस पर कस्तूरबा विद्यालय में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत उपायुक्त हेमंत सती ने किया उद्घाटन

अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
साहिबगंज विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग, साहिबगंज के द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री हेमंत सती द्वारा किया गया।
इस अवसर पर उपायुक्त ने विद्यालय की छात्राओं को सिकल सेल एनीमिया के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार के विषय में विस्तारपूर्वक

जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया एक अनुवांशिक बीमारी है, जिसका समय पर निदान और रोकथाम बेहद आवश्यक है। समाज के प्रत्येक वर्ग को इस बीमारी को लेकर संवेदनशील बनने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार तथा समाज को भी इसके बारे में जानकारी दें।
कार्यक्रम में उपस्थित सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया ने सिकल सेल की जांच प्रक्रिया, लक्षण और इससे बचाव की आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में लगातार जांच एवं जागरूकता शिविर लगाए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग कर समय रहते उचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके।
मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी दुर्गानंद झा, स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, विद्यालय की वार्डेन, शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

तालझारी में मतदान केंद्रों के नजरी नक्शा एवं Geo-Fencing कार्य हेतु बीएलओ व पर्यवेक्षकों को तकनीकी प्रशिक्षण

अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
साहिबगंज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से तालझारी प्रखंड में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण मतदान केंद्रों के नजरी नक्शा (Visual Map), Geo-Fencing, Key Map एवं Co-ordinates निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित था, जिसमें बीएलओ, पर्यवेक्षक, अमीन एवं आवास समन्वयकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी,

श्री पवन कुमार यादव द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव कार्यों में सटीकता व पारदर्शिता बनाए रखने हेतु तकनीकी प्रक्रियाओं की जानकारी अनिवार्य है, और यह प्रशिक्षण इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
इसके उपरांत प्रशिक्षण सत्र की तकनीकी प्रस्तुति हेल्प डेस्क मैनेजर श्री अरविंद कुमार साहा, हेल्प डेस्क मैनेजर श्री अन्तु कुमार एवं कंप्यूटर ऑपरेटर श्री उज्वल कुमार के संयुक्त सहयोग से संचालित की गई। उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रतिभागियों को Geo-Fencing के तहत टर्मिनल सीमा बिंदु चिह्नित करने की प्रक्रिया, सटीक अक्षांश एवं देशांतर (Latitude & Longitude) दर्ज करने, Key Map व डेटा शीट को मैप से कैसे समन्वित किया जाए, इसकी बिंदुवार जानकारी दी।
प्रशिक्षण सत्र के अंतिम चरण में प्रतिभागियों के सभी तकनीकी शंकाओं का समाधान किया गया। यह संदेह समाधान सत्र (Doubt Clearing Session) अत्यंत प्रभावी रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से सभी बिंदुओं को समझा।

झारखंड आजीविका सखी मंडल जेएसएलपीएस साहिबगंज की कुल तीस दीदियों के बच्चे को प्रशिक्षण दिया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से तीस दिवसीय एसी फ्रिज रिपेयर एंड सर्विसिंग और जेनरल एडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ. जहाँ आर्सेटी प्रशिक्षक राजहंस कुमार एवं उपेंद्र गोप ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य का कामना किए. आर्सेटी प्रशिक्षक राजहंस कुमार ने बताया क़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गांव के

बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित कर उनको मुख्य धारा सह रोजगार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण देना है. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड आजीविका सखी मंडल जेएसएलपीएस साहिबगंज की कुल तीस दीदियों के बच्चे को प्रशिक्षण दिया गया, युवाओं को ऐसी रिपेयर एंड फ्रिज रिपेयर सिखाया गया साथ ही बचत की आदत को डालने के लिए प्रेरित किया. इस कार्यक्रम में कुल 31 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया जो विभिन्न प्रखंडों से आए हुए हैं जिसमें राजमहल, बरहरवा पतना, बोरियों, बरहेट एवं तालझारी के प्रशिक्षु उपस्थित हैं मौके पर आरसेटी के सहायक रंजीत कुमार ठाकुर, आकाश कुमार एवं तौफीक आलम, सुरेन्द्र मुर्मू नीरज कुमार शर्मा उपस्थित थे।

रांची में राजद प्रदेश अध्यक्ष से मिले साहिबगंज जिला कमिटी के नेता व कार्यकर्ता

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। राष्ट्रीय जनता दल की राज्य परिषद और झारखंड राज्य के सभी जिलाध्यक्षों की बैठक गुरुवार को रांची में आयोजित की गई।जहां वर्ष 2025-28 के कार्यकाल के लिए निर्विरोध निवर्तमान हुसैनाबाद विधायक संजय सिंह यादव को पुनः प्रदेश अध्यक्ष चुना गया।उधर राजद प्रदेश कार्यालय रांची में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव का साहिबगंज राजद जिला अध्यक्ष सत्यनारायण यादव,जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव एवं प्रदेश सचिव मुन्ना यादव ने फुल माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान साहिबगंज जिला कमिटी की ओर से कई अहम मुद्दों पर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के साथ बातचीत हुई।जहां इसको लेकर जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव ने बताया कि जिले के विभिन्न प्रखंडो मे राजद संगठन को और भी ज्यादा मजबूत बनाने के लिए नए सदस्यों का अभियान चलाते हुए जोड़ने का काम किया जाएगा।इस स्वागत सम्मान समारोह में साहिबगंज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण यादव,प्रदेश सचिव मुन्ना यादव प्रदीप राय समेत अन्य राजद नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

सदर अस्पताल साहिबगंज में विकलांग शिविर लगाया गया है, जहां 120 से अधिक विकलांग मरीजों को देखा गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। सदर अस्पताल साहिबगंज में हर महीने के दूसरे बृहस्पतिवार को विकलांग शिविर लगाया जाता है। जहां हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर सचिन कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि आज 19 जून 2025 दिन बृहस्पतिवार को सदर अस्पताल साहिबगंज में विकलांग शिविर लगाया गया है। जहां 120 से अधिक विकलांग मरीजों को देखा गया। जहां विकलांग मरीजों के लिए हड्डी रोगी विशेषज्ञ डॉक्टर सचिन कुमार, मानसिक रोगी विशेषज्ञ डॉक्टर अनिमेष कुमार, आंख रोगी विशेषज्ञ डॉक्टर राहुल कुमार देखने के लिए बैठे हुए थे। वही डॉक्टर के द्वारा बताया गया कि विकलांग सर्टिफिकेट बनाने से बहुत सारे फायदे होते हैं किसी को पढ़ाई में, किसी को ब्लॉक द्वारा पेंशन में, किसी को नौकरी में और ट्रेन में सफर करने में और अन्य जगहों में सर्टिफिकेट बनाने से फायदा मिलता। वही डॉक्टर सचिन कुमार ने बताया कि मरीज को देखकर उसको परसेंटेज देते हैं, अगर 40त्न से अधिक विकलांग है तो उसे पेंशन मिलने में फायदा होता है। जहां पहले हर ब्लॉक में जा जा कर विकलांग शिविर में सर्टिफिकेट बना रहे थे। अब महीने के हर दुसरे बृहस्पतिवार को साहिबगंज सदर अस्पताल में ही विकलांग सर्टिफिकेट बनेगा।

तत्पश्चात माता विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा अर्चना कर वृक्षारोपण भी किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बरहरवा में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय एवं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह गुरुवार को बरहरवा स्टेशन बननांचल एक्सप्रेस ट्रेन से उतरे जहां कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। तत्पश्चात माता विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा अर्चना कर वृक्षारोपण भी किया। इसके बाद पार्टी के पदाधिकारी ने बरहेट के लिए प्रस्थान किया जहां पर

अमर शहीद सिद्धू कानू के जन्म स्थली भोगनाडीह में 30 जून को हुल दिवस की तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पूर्व सांसद सुनील सोरेन, पूर्व मंत्री लोबीन हेंब्रम, पूर्व विधायक अनंत ओझा, सहित अन्य लोग ने हुल दिवस को इस वर्ष भारतीय जनता पार्टी बृहद रूप से मनाए जाने को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक किया। इस संबंध में प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने बताया कि पार्टी इस वर्ष हूल दिवस के अवसर पर शहिद सिद्धू कानू की जन्मस्थली भोगनाडीह में विशेष कार्यक्रम करेगी। जिसे लेकर बृहद रूप से तैयारी चल रही है। बैठक में प्रदेश कार्य समिति सदस्य धर्मेंद्र कुमार सिद्धू कानू के वंशज, मंडल मुर्मू जिला अध्यक्ष उज्जल मंडल, कुसुमाकर तिवारी, अमित भारती, अरविंद पांडे, विक्की गुप्ता, सहित अन्य लोग शामिल थे।

सदर अस्पताल में सरकारी पैसे का दुरुपयोग व सरकार की छवि को धूमिल फोटो वायरल को लेकर- डीएस जांच

सार्वजनिक जगह पर युवक निरोध को बैलून की तरह बुलाकर छवि को धूमिल

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। जिले के बड़े सदर अस्पताल परिसर में कई जगह पर कंडोम का काउंटर लगाया गया है ताकि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में इलाज कराने आए लोगों को सुलभ तरीके से कंडोम उपलब्ध हो सके सरकार के द्वारा आम नागरिकों को घातक रोगों से बचने के लिए अस्पताल परिसर में सार्वजनिक तौर पर कई जगहों पर निरोध का काउंटर लगाया गया है. जिससे

सदर अस्पताल में बाहरी लोगों का कब्जा अस्पताल प्रशासन मौन
● बाहरी लोग अस्पताल में कॉन्डोम (निरोध) फुलाकर मरीजों को करते हैं, इशारा बिना डॉक्टर को दिखाए घर वापस मैरिज

लोग निरोध का उपयोग कर इट्स जैसी घातक बीमारियों से अपने आप को बचा सके और निरोध का उपयोग कर सके. वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया में एक फोटो तेजी से वायरल होने के बाद जिसमें स्पष्ट रूप से दिख रहा है कि अस्पताल परिसर में एक युवक निरोध को बैलून की तरह फुल कर यंत्र -तंत्र फेंक रहा है. जहां आस-पास सदर अस्पताल परिसर में महिलाएं कर्मचारी और महिला मरीजों का आना-जाना लगा रहता है. ऐसे कुछ युवक मनचले अस्पताल परिसर में रोजाना इस प्रकार की अश्लील हरकत करते हैं जिससे सरकार के पैसे की भी बर्बादी होती है.और जिन्हें निरोध की आवश्यकता है उन्हें भी काफी परेशानी होती है. जिसको लेकर युवक के द्वारा सरकार के पैसे को बर्बाद व सरकार की छवि को धूमिल करने के मामले में अखबार के प्रकाशित खबर से अस्पताल उपाधीक्षक डॉ सलखुचंद्र हांसदा ने संज्ञान लेते हुए जांच का निर्देश दिया. अस्पताल उपाधीक्षक ने बताया कि युवक के द्वारा अश्लीलता फैलाने को लेकर सरकारी पैसे का दुरुपयोग किया गया है. यह बात मेरे संज्ञान में आया है. युवक को पहचानने का कोशिश कर रहा हूं संपर्क स्थापित करना चाहता हूं. अस्पताल व समाज के लिए अच्छी बात नहीं है. सरकार की बदनामी हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

पिंटू यादव ने योगी लवकुश से सोशल मीडियो से योग की शिक्षा प्राप्त की और अब अपने गांव और स्कूल के बच्चों को योग सिखा रहे हैं

राजधनवार, प्रतिनिधि। राजधनवार अंतर्गत ग्राम दरवेडीह निवासी पिंटू यादव ने योगी लवकुश से सोशल मीडियो से योग की शिक्षा प्राप्त की और अब अपने गांव और स्कूल के बच्चों को योग सिखा रहे हैं। पिंटू यादव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और व्हाट्सएप पर भी योग और स्वस्थ जीवन के गुण सिखा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, पिंटू यादव ने ÷एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य÷ थीम पर लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर योगी लवकुश ने पिंटू जी को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया और उनकी सराहना की।
पिंटू यादव का यह प्रयास न केवल उनके गांव के लोगों को स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित कर रहा है, बल्कि योग के महत्व को भी उजागर कर रहा है। उनके द्वारा सिखाए गए योग से लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। पिंटू यादव ने कहा कि योग न केवल एक व्यायाम है, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। वह नियमित रूप से योग सत्र आयोजित करते हैं और लोगों को योग के विभिन्न आसनों और प्राणायाम की तकनीकों से अवगत कराते हैं। उनके इस प्रयास से गांव के लोग न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ हो रहे हैं, बल्कि मानसिक तनाव से भी मुक्ति पा रहे हैं। पिंटू यादव का यह योगदान समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत है और उनके इस प्रयास की जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है।

गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि विभाग (कृषि/ आत्मा/ उद्यान), मत्स्य, पशुपालन, गव्य विकास विभाग की समीक्षा की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

● किसानों की आय वृद्धि एवं सभी पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ने पर विशेष बल दें: उपायुक्त

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि विभाग (कृषि/आत्मा/उद्यान), मत्स्य, पशुपालन,गव्य विकास, सहकारिता विभाग एवं भूमि संरक्षण विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आहूत किया गया। बैठक में जिला उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025 - 26 के लिए धरती आबा जनजातीय ग्रामीण उत्कर्ष अभियान की कार्य योजना का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने का निर्देश दिया। इसके अलावा मत्स्य के अंतर्गत वेद व्यास आवास योजना, तालाब जलाशय, समेकित मत्स्य पालन एवं राजस्व वसूली तथा भूमि संरक्षण के अंतर्गत तालाब जीर्णोद्धार, परकोलेशन टैंक, डीप बोरिंग पशुपालन विभाग के अंतर्गत पशुधन योजना आदि की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को मत्स्य पालन से जोड़कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त, निदेशक डीआरडीए, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मादक पदार्थों की तस्करी एवं खेती की रोकथाम हेतु समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय (एनसीओआरडी) समिति की बैठक हुई संपन्न

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रामनिवास यादव मादक पदार्थों की तस्करी एवं खेती की रोकथाम हेतु जिला स्तरीय (एनसीओआरडी) समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी एवं इसकी खेती पर रोकथाम करने पर चर्चा किया गया तथा विभिन्न स्तर पर समन्वय एवं सहयोग स्थापित करने हेतु (एनसीओआरडी) समिति के सभी सदस्यों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर नशीली दवाओं की लत, मादक पदार्थों वाले क्षेत्रों, नशीली दवाओं के उपयोग के प्रमुख क्षेत्रों तथा नशीली दवाओं की समस्या से निपटने के लिए संबंधित विभागों द्वारा की गई कार्रवाई से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में जिले में नशीली दवाओं के दुरुपयोग व मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार, पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी, पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, ड्रग इंस्पेक्टर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

● जिले में सड़क सुरक्षा नियमों के अनुपालन व सड़क हादसे में कमी लाने के उद्देश्य से करें कार्यः उपायुक्त ● बिना हेलमेट, ओवर लोडिंग, ओवर स्पीड, बिना सीट बेल्ट एवं स्टंट करने वाले चालकों पर करें कड़ी कार्रवाई ● हिट एण्ड रन से जुड़े लंबित मामलों का ससमय करें निराकरण

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में शहरी परिवहन, यातायात एवं सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओ की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा समिति द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। साथ ही बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में सड़क हादसों को कम करने के उदेश्य से किये जा रहे कार्यों की समीक्षा के अलावा आईआरएडी एप पर सड़क दुर्घटनाओं में मृत व घायलों से जुड़ी जानकारी को अपडेट रखने का निदेश दिया। आगे उपायुक्त ने जिले में दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से सभी घटनाओं के डेटा को संग्रहित कर एनालेसिस करने का निर्देश दिया। इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त ने शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए ब्लैक स्पॉट को चिन्हित करते हुए उन स्थानों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कार्य करने का निदेश दिया, ताकि ब्लैक स्पॉट की जगह हादसों में कमी लाई जा सके। आगे उपायुक्त ने शहरी क्षेत्र के अलावा स्कूल, कॉलेज के आसपास छोटे व बड़े वाहनों द्वारा बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ट्रिपलिंग, रैश ड्राइविंग एवं नियमों के उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही शहर के अंदर जीतने भी दुर्घटना संभावित सड़क हैं उन सभी सड़कों पर दुर्घटना संभावित जगहों पर जरूरी रोड साईनेज लगाएँ तथा वहां हुई सड़क दुर्घटनाओं को भी वहाँ प्रदर्शित करें, ताकि लोग सचेत हो सके एवं दुर्घटना से बच सकें। बैठक के दौरान उपायुक्त ने नगर निगम को निर्देश दिया कि जिले में चल रहे सभी ई-रिक्शा के लिए अलग रूट तय किया जाय। इसके साथ ही उपायुक्त ने जिले में अधिष्ठापित सीसीटीवी कैमरे को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कार्यपालक अभियंता, आरसीडी को निर्देशित किया गया कि आरसीडी कोडरमा से समन्वय स्थापित कर जमुआ से खोरीमहुआ मुख्यालय तक के सड़कों में दुर्घटना वाले रास्तों को दुरुस्त करने और साइनेज लगाने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्पीड ब्रेकर लगाने का भी निर्देश दिया गया। आगे उपायुक्त ने भारी वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित करने, ओवरलोडिंग पर रोक लगाने, रेडियन लाइट और अन्य जरूरी मापदंडों की अनुपस्थिति में संबंधित वाहनों पर सख्त जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गई कि गुड सम्रीटन का परिचय देने वाले व्यक्तियों को सरकार की योजना से लाभान्वित करें। साथ ही जिले में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराने का निदेश दिया, ताकि सड़क दुर्घटना के गोल्डन पिरियड के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी मदद करने वाले व्यक्ति को बिना पुछताछ किये पुरस्कृत किया जा सके। इसके अलावे हिट एंड रन मामले में तय समय अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार, पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी, पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, यातायात अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, आरसीडी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बीजीआर कंपनी में मजदूरों के ऊपर जो शोषण होने के कारण बड़ा आंदोलन किया जाएगा

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) यूनियन का गठन किया गया जिसमें सैंकड़ों मजदूर उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता मजदूर नेता हारून रशीद एवं संचालन विनय कुमार ने किया, जिसमें सर्व समिति से 21 सदस्य कमेटी का गठन किया गया इस बैठक में सर्व समिति से फैसला लिया गया की बीजीआर कंपनी में मजदूरों के ऊपर जो शोषण हो रहा है शोषण के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया जाएगा। बीजीआर कंपनी में मजदूरों को हाई पावर कमेटी का पैसा नहीं दिया जाता है मेडिकल सुविधा नहीं है आइडेंटी कार्ड नहीं बनाया गया है बाहरी मजदूरों को हाई पावर कमेटी का पैसा दे रही है कंपनी लेकिन लोकल मजदूर को नहीं दे रही है एंबुलेंस नहीं है कंपनी किसी तरह का छुट्टी नहीं देती है कामगारों को और पूरे तरीके से माइन्स एक्ट का उल्लंघन कर रही है बीजीआर कंपनी के माइंस एरिया में कैंटीन का भी सुविधा नहीं है अगर मजदूर 2 दिन बीमार पड़ जाता है ड्यूटी नहीं जाता है तो उसे 6 महीना बैठा दिया जाता है बीजीआर कंपनी का काला कानून को ध्वस्त करने के लिए राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन संघर्ष करने के लिए तैयार है। कामगारों को वहां पर किसी तरह का मेडिकल सुविधा नहीं है और ना अगल-बगल के गांव में एंबुलेंस का सुविधा दिया गया है और ना ही स्कूल बस का सुविधा दिया गया है डीजीआर कंपनी में 75% मजदूर बाहर के हैं उसे अभिलंब हटाया जाए और लोकल मजदूर होनी चाहिए केरेडारी कोल माइंस के विस्थापितों के लिए ना बिजली ना रोड का सुविधा ना मेडिकल ना शिक्षा का सुविधा है सिर्फ कोयला निकाला जा रहा है माइन्स एक्ट का उल्लंघन करके यूनियन के द्वारा केरेडारी कोल माइंस में बहुत बड़ा आंदोलन करेगी जिसकी सारी जिम्मेवारी एनटीपीसी प्रबंधन और डीजीआर प्रबंधन पर होगी। इस मीटिंग के मुख्य अतिथि केंद्रीय सचिव ललन प्रसाद सिंह एवं मुख्य वक्ता क्षेत्रीय सचिव आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र एवं मगध संघमित्रा क्षेत्र के मोहम्मद जहुर एवं मगध संघमित्रा क्षेत्र के जीएम यूनिट सचिव प्रेमचंद कुमार एवं समाजसेवी प्रोफेसर प्रवीण पाठक ने मजदूरों को संबोधित किया। इस बैठक में सैकड़ो कामगार उपस्थित प्रकाश पासवान नरेश पासवान जयप्रकाश तिवारी अफजाल अंसारी जुबेर अंसारी आरिफ अंसारी तोहिद अंसारी विनय कुमार प्रजापति अरविंद कुमार प्रजापति दशरथ यादव मनोज यादव बसंत प्रजापति अभय कुमार दुबे सागर दुबे मनोज कुमार साहू अमरेश कुमार प्रजापति असगर अलीमुद्दीन अंसारी हाफिज अंसारी रियासत अंसारी इत्यादि सैंकड़ों मजदूर बैठक में उपस्थित थे।

ग्रामीण डाक सेवकों को उत्कृष्ट कार्य करने पर पुरस्कार देकर सम्मान किया गया

गिरिडीह, प्रतिनिधि। डाक विभाग के डाक अधीक्षक गिरिडीह ने डाक समुदाय विकास कार्यक्रम (डीसीडीपी) के माध्यम से विविन्ना सेवाओं और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के संबंध में लंगटा बाबा मंदिर खरगडीहा के परिसर में एक बैठक आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय/ग्रामीण समुदाय को भारतीय डाक के सेवाएं से जोड़ना और बचत बैंक, आधार, ग्रामीण डाक बीमा, व्यवसाय विकास, महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र और सुकन्या समृद्धि योजना सहित कई अन्य जानकारी प्रदान करना है। बैठक की अध्यक्षता डाक अधीक्षक राजेश पाठक गिरिडीह डिवीजन ने की। उक्त बैठक में गिरिडीह से आए सहायक डाक अधीक्षक, उत्तरी उप मंडल मंटू साहू ने बैठक को संबोधित करते हुए डाक विभाग विभिन्न योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक रूप से प्रसार करने पर जोर देते हुए डाक विभाग के विभिन्न योजनाओं को विस्तार से बैठक में उपस्थित ग्रामीण शाखा डाकपालो को बताया गया। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक गिरिडीह के शाखा प्रमुख रंजीत कुमार सिंह ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में चल रही विभिन्न खातों और आधार में मोबाइल नंबर अद्यतन के बारे में विशेष चर्चा की गई। उक्त बैठक में डाक जीवन बीमा के विकास अधिकारी दीपक कुमार ने डाक जीवन बीमा के विशेषताएं को बताया। बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्रामीण डाक सेवकों के बीच पुरस्कार का भी वितरण किया गया। उक्त बैठक में मेल ओवरसियर भोला प्रसाद के अलावे लगभग दर्जनों से अधिक ग्रामीण डाक सेवक और अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस अधीक्षक की बैठक संपन्न, महिला उत्पीड़न, चोरी समेत कई मुद्दों पर हुई समीक्षा, अधिकारियों को फिजिकल फिटनेस पर दिये निर्देश

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के पपरवाँटांड स्थित समाहरणालय परिसर में पुलिस अधीक्षक सभागार में एसपी डॉ बिमल कुमार ने जिले के सभी थानों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से सभी थानों के थानाध्यक्ष से उनके क्षेत्र में होने वाले कांडों के बारे में चर्चा किया तथा अहम निर्देश दिए। बैठक में वाहन चेकिंग, गश्ती व वारंटियों के मामलों को शीघ्र निष्पादित करने का आदेश दिया गया। एसपी ने सख्त लहजे में कहा कि सभी अधिकारी व पुलिसकर्मी अभी से चेत जायें। शिकायत मिलने पर कार्रवाई तय है। थानों पर पहुंचने वाले हर मामलों को निष्पादित किया करें। थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों के गुंडा पंजी में शामिल अपराधियों की कुंडली भी तैयार कर लें। मीटिंग में एसपी ने थानेवार लंबित मामले, शिकायतें, महिला संबधित मामले, लंबित अनुसंधान, गैर जमानती वारंट, नोटिसों का तामिला आदि की समीक्षा की।मीटिंग के दौरान एसपी डॉ विमल कुमार ने कहा कि ब्लड शुगर और बीपी के बीमारियों से गुजरते पुलिस पदाधिकारी और जवानो को अब हर शनिवार गिरिडीह मे दौड़ लगाना है। साथ ही फिजिकल फिटनेस के लिए ही हर सोमवार को अनुशासित बनाने के लिए परेड का भी आयोजन होगा। बुधवार को गिरिडीह मे एसपी डॉ बिमल कुमार ने ऐसे कई निर्देश क्राइम बैठक के दौरान दिया, और बताया कि ज़ब पुलिस कर्मी स्वस्थ होंगे, तो समाज कि सुरक्षा संभव है। क्योंकि सीमित संख्या मे सारा कार्य होना है। लिहाजा, ये बेहद जरुरी है। बैठक के बाद जानकारी देते हुए एसपी ने कहा कि हर स्तर के पुलिस कर्मी इसमें शामिल होंगे। वही बैठक मे एसपी ने पोकसो और महिला अत्याचार से जुड़े मामलों के साथ हत्या और डकैती से जुड़े मामलों के जांच मे तेजी लाने का निर्देश दिया। वहीं साथ में मनचलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। और कहा कि ऐसे मामले मे लापरवाही होना सही नहीं है। इसलिए पूर्ण जांच के बीच तेजी लाने का प्रयास हो। इधर बैठक मे एएसपी सुरजीत कुमार, डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद, बगोदर एसडीपीओ धनंजय राम, सदर एसडीपीओ जितवाहन, डीएसपी नीरज सिंह, कौशर अली समेत सारे थाना प्रभारी बैठक मे शामिल हुए।

घर पर सो रहा था परिवार, चोरों ने नगदी समेत दो लाख के जेवरात पर किया हाथ साफ, जाँच में जुटी पुलिस

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र के ठाकुर बाड़ी टोला में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए घर में रखे नगदी समेत 2 लाख की जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। सुबह जब घर के सदस्यों की नींद खुली तो उन्हें घर में हुए चोरी की जानकारी मिली। घटना को लेकर भुक्तभोगी पंकज कुमार पाण्डेय ने बताया कि रोज कि तरह कल रात में घर पर पूरा परिवार खाना खा कर सो गया था। सुबह जब नींद खुली तो उन्होंने पाया कि चोरों ने उनके घर से अलमीरा का ताला तोड़कर उसमें रखा लगभग 60 हजार रुपए नगद व सोने चांदी के जेवरात सहित 2 लाख की संपत्ति चोरी कर ली है। जिसके बाद घटना की सूचना सरिया पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद सरिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

आम्रपाली चन्द्रगुप्त क्षेत्र द्वारा बालिकाओं के बीच कोयला खदानों में सुरक्षा विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) सीसीएल के अम्रपाली चन्द्रगुप्त क्षेत्र के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विदयालय परिसर गाड़िलौंग, टंडवा में एक विशेष चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें केवल छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य खदानों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा छात्राओं में रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था। इस प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी संजय कुमार गुप्ता तथा परियोजना सुरक्षा अधिकारी, पी के मोहंती के द्वारा किया गया, जिन्होंने बताया कि कोयला खदानों में सुरक्षा एक अत्यंत गंभीर विषय है, और समाज के हर वर्ग को इसके प्रति जागरूक होना आवश्यक है। बालिकाओं ने अपने चित्रों के माध्यम से खदानों में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा उपकरणों का उपयोग और आपातकालीन उपायों को सुंदर व सटीक ढंग से चित्रित किया।
प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्कूल प्रधानाचार्य सोनम कुमारी ने इसे संपन कराने मे बहुत सहयोग किया और इस तरह की पहल की काफी सराहना की। यह आयोजन न केवल छात्राओं के लिए एक रचनात्मक मंच बना, बल्कि कोयला खदानों में सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम भी सिद्ध हुआ।

लेखक अनिकेत राज की पुस्तक 2120: द एंड का भव्य अनावरण दिल्ली में संपन्न हुआ

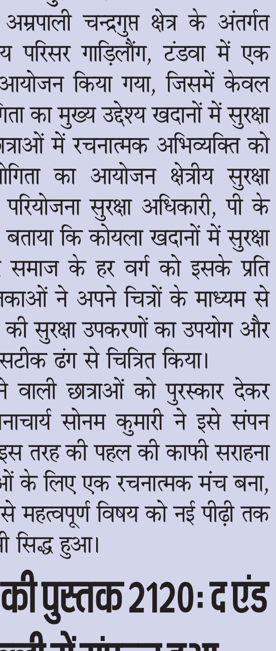

डुमरी, प्रतिनिधि। डुमरी निवासी पिन्टू कुमार बरनवाल का पुत्र अनिकेत राज ने 14 जून को नोएडा के प्रतिष्ठित रीडर्स कैफ़े में लेखक अनिकेत राज की पहली पुस्तक 2120: द एंड का भव्य अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लेखकों, प्रकाशकों, कलाकारों,उद्यमियों और अनिकेत राज के मित्रों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया और पुस्तक की विषयवस्तु की प्रशंसा की। इस पुस्तक का प्रकाशन मिठास सर्विसेज़ द्वारा किया गया है और यह एक अनोखी साइंस फिक्शन रचना है जो भविष्य, अस्तित्व और अमरता जैसे गहन विषयों को छूती है। इस कहानी में वर्ष 2120 की एक कल्पनात्मक लेकिन भावनात्मक यात्रा दिखाई गई है, जो पाठकों को जीवन और मृत्यु के मायनों पर फिर से सोचने को मजबूर करती है। लेखक अनिकेत राज ने अपने वक्तव्य में कहा, यह कहानी भले ही काल्पनिक है, पर निश्चित रूप से आपको रुलाएगी और सोचने पे मजबूर करेगी। किताब अमेज़न और फ्लिपकार्ट में उपलब्ध है।

गिरिडीह जिला अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों में निर्वाचन से संबंधित विभिन्न स्तर के अधिकारियों बी.एल.ओ और बी.एल.ओ सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देशानुसार गिरिडीह जिले के गिरिडीह, बेंगाबाद, गांडेय, डुमरी, जमुआ, बगोदर, देवरी, तिसरी, गांवा प्रखंडों में निर्वाचन संबंधित विभिन्न स्तर के अधिकारियों बी.एल.ओ और बी.एल.ओ सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्वाचन से जुड़े हरेक महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से मतदान केंद्रों के मैप एवं जियो फेसिंग आदि के बिंदुओं पर चर्चा हुई। प्रशिक्षण के दौरान बी.एल.ओ और बी.एल.ओ सुपरवाइजर को मतदान केंद्रों के मैप एवं जिओ फेसिंग के बारे में पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी गई। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि मतदाताओं को सुविधा हेतु जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों की सीमाओं को जिओ फेसिंग के माध्यम से चिन्हित एवं ऑनलाइन किया जा रहा है। इससे बी.एल.ओ को अपने क्षेत्र के मतदाताओं एवं उनके घरों तक पहुंचने में आसानी होगी। इस प्रक्रिया के संपन्न होने के पश्चात सभी बीएलओ के अपने-अपने क्षेत्र निर्धारित होंगे एवं ऑनलाइन ऐप के माध्यम से मतदाता अपने लोकेशन से ही अपने मतदान केंद्र, उसका लोकेशन एवं अपने बीएलओ को जान पाएंगे। इसके अलावा मतदाताओं को अपने नजदीकी मैदान केंद्र पर सूचीबद्ध करने की बात कही गई। इसके लिए मतदान केंद्रों के लिए नजरी नक्शा, गुगल अर्थ व्यू मैप एवं की मैप भी तैयार करा लें। उन्होंने कहा कि त्रुटि रहित मतदाता सूची बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ससमय कार्यों का निष्पादन किया जाए।
इस अवसर संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, बी.एल.ओ और बी.एल.ओ सुपरवाइजर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

घर में घुस कर किया मार पीट मामला पहुंच गया थाना

बांका कटोरिया से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट
बांका जयपुर थाना क्षेत्र के मोहरिल मांझी पिता शिवचरण मांझी घर शेखाबांध थाना जयपुर वाले ने जयपुर थाना में दो जन के खिलाफ मार पीट करने व गाली गलौज करने का आरोप लगा थाना में आवेदन दे विपक्षी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया है । आवेदक ने बताया कि अर्जुन मांझी व सुमन मांझी पिता उमाकान्त मांझी दिन के एक बजे हाथ में लाठी व रॉड लेकर घर के आँगन में शराब के नशे में आया और पीड़ीता के साथ मार पीट व गाली गलौज किया । घर के औरत बच्चे के साथ भी अपशब्द कहा । जब आवेदक 112 प र्कॉल किया तब आरोपी गण अपने घर से बाईक पर सवार हो फरार हो गया । जयपुर पुलिस जब आरोपी के घर पहुँचा तब तक आरोपी घर से फरार हो चुका था।

ओएनजीसी पर कार्रवाई को लेकर असम सरकार गंभीर, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने केंद्रीय मंत्री को लिखे पत्र

पंकज नाथ, असम, आदिवासी एक्सप्रेस
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी से राज्य के शिवसागर जिले में स्थित भाटियापारा में ओएनजीसी रिग साइट पर छह दिनों से जारी गैस रिसाव के जवाब में त्वरित और निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। बुधवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए एक्स हेंडल पर लिखा कि, मैंने माननीय केंद्रीय मंत्री श्री @HardeepSPuri जी को बारिचुक गैस विस्फोट के बारे में हमारी चिंताओं से अवगत कराया। मैंने अनुरोध किया है कि वह @ONGC_ को निर्देश दें कि वह स्थिति को और अधिक बिगड़ने से रोकने के लिए मिशन मोड पर अपने कुआं नियंत्रण कार्यों को तेज करे।÷ केंद्रीय मंत्री को लिखे अपने पत्र में, सरमा ने बताया कि ONGC के मौजूदा प्रयासों, जैसे कि पानी की चादर बिछाना, उच्च मात्रा में कीचड़ पंप करना और जंक शॉट्स का इस्तेमाल करना, के बावजूद प्रभावित कुएं पर दबाव खतरनाक रूप से अधिक बना हुआ है, जिससे आस-पास के गांवों के निवासियों में डर पैदा हो रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि घटना के लंबे समय तक चलने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है, 330 से अधिक परिवारों को पहले ही निकाला जा चुका है। राज्य सरकार ने इन परिवारों को आपातकालीन राहत और आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठाया है। मुख्यमंत्री सरमा ने ह्लत्नष्ट की प्रतिक्रिया की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, उन्होंने कहा कि जनता कंपनी की कार्रवाई को धीमी और तत्परता की कमी के रूप में देखती है। उन्होंने इसकी तुलना अतीत में इसी तरह के संकटों के दौरान अपनाए गए अधिक आक्रामक, युद्ध-स्तर के दृष्टिकोण से की। केंद्रीय मंत्री से अपनी अपील में उन्होंने ओएनजीसी से साइट पर अपने तकनीकी नेतृत्व को मजबूत करने, अधिक केंद्रित और समयबद्ध दृष्टिकोण अपनाने और प्रभावित समुदायों के साथ अधिक प्रभावी ढंग से जुड़ने का आह्वान किया, ताकि जनता का विश्वास फिर से बनाया जा सके और स्थिति को नियंत्रण में लाया जा सके। असम सरकार प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करना जारी रख रहे हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने संकट को हल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए ओएनजीसी को अधिक सक्रिय और पारदर्शी रुख अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है ।

कम बीज वितरण करने वाले प्रखंड कृषि पदाधिकारीयों पर होगी कार्रवाई

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव
बांका जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में समाहरणालय के मिनी सभागार में कृषि टास्क फोर्स की बैठक आहूत हुई, जिसमें जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक, आत्मा, उप निदेशक (कृषि अभियंत्रण), भूमि संरक्षण, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, सहायक निदेशक, उद्यान, सहायक निदेशक (शष्य) प्रक्षेत्र, सहायक निदेशक (रसायन), उप परियोजना निदेशक, आत्मा, कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, बांका एवं कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, बिज्जीखोरबा उपस्थित हुए। बैठक में मुख्य रूप से खरीफ वीज वितरण, धान की बिचड़ा की बुआई, फार्मर रजिस्ट्री, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत कृषकों का शतप्रतिशत भौतिक सत्यापन, एन0पी0सी0आई0, ई0के0वाई0सी0 एवं आगामी खरीफ फसलों की रोपाई हेतु सिंचाई पर विशेष समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उपस्थित कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, बांका एवं विज्जीखोरबा से समय पर कृषकों के हीत में डेम में एकत्रित पानी को धान की फसलों को रोपाई हेतु पानी छोड़ना सुनिश्चित करें। जिला पदाधिकारी द्वारा बांका जिला में अवस्थित सभी डेमों में पानी की उपलब्धता एवं उस पानी से जिले में खरीफ फसलों की कितनी रोपाई / बुआई हो पायेगी से संबंधित समीक्षा की गई। खरीफ बीज वितरण 2025 अन्तर्गत जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में कुल 1575.44 क्वि0 वीज प्राप्त हुआ है, जिसमें अब तक कुल 1063 क्वि0 बीज वितरण किया गया है। इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा नराजगी व्यक्त करते हुए निदेश दिया कि सभी बीज को हर हाल में दिनांक 20.06.2025 तक वितरण कराना सुनिश्चित करेंगें एवं कम बीज वितरण करने वाले प्रखंड कृषि पदाधिकारी, बेलहर, कटोरिया एवं चांदन पर विभागीय कार्रवाई प्रारम्भ की जाय। इसके उपरान्त भूमि संरक्षण, उद्यान, एवं मत्स्य विभाग की गहन समीक्षा की गई तथा ससमय कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने जेंडर बजटिंग पर पहला राष्ट्रीय परामर्श आयोजित किया

● केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने जेंडर बजटिंग नॉलेज हब पोर्टल लॉन्च किया ● सभी क्षेत्रों में जेंडर बजटिंग प्रक्रियाओं को मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श करने और पहलों और अच्छे तरीकों को साझा करने के लिए परामर्श सम्मेलन आयोजित किया गया ● श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा-सरकार का मानना है कि जब हम महिलाओं में निवेश करते हैं, तो हम केवल संसाधन आवंटित नहीं करते हैं बल्कि अधिक न्यायसंगत, सशक्त और विकसित भारत का निर्माण करते हैं ● पिछले 11 वर्षों में, जेंडर बजट आवंटन में साढ़े चार गुना वृद्धि हुई है - 2014-15 में 0.98 लाख करोड़ रुपये से 2025-26 में 4.49 लाख करोड़ रुपये तकः श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ● 40 केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों और 19 राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों, संयुक्त राष्ट्र की महिलाओं, एडीबी के प्रतिनिधियों और राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के विशेषज्ञों ने परामर्श में भाग लिया

शशांक चौधरी
नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने विकसित भारत@2047 की भावना में लैंगिक-समानता शासन को आगे बढ़ाने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में लैंगिक बजट पर राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया। दिन भर चले इस कार्यक्रम में 40 केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों और 19 राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों, संयुक्त राष्ट्र की महिलाओं, एशियाई विकास बैंक के प्रतिनिधियों और राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया।
अपनी तरह के इस पहले परामर्श सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सभी क्षेत्रों में लैंगिक बजट प्रक्रिया को मजबूत बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श करना, केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों और राज्यों द्वारा अपनी विशिष्ट योजनाओं के तहत लैंगिक बजट पर की गई पहलों और अच्छे तरीकों को साझा करना था।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने मंत्रालय द्वारा विकसित जेंडर बजटिंग नॉलेज हब नामक वेब पोर्टल लॉन्च किया। यह हब जेंडर बजटिंग प्रक्रियाओं से सम्?बंधित सभी सूचनाओं का एक डिजिटल संग्रह है और उद्देश्य है कि इसे केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रालयों/विभागों के साथ-साथ अन्य हितधारकों द्वारा उपयोग किया जाए।
अपने सम्बोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, लैंगिक बजटिंग एक वित्तीय प्रक्रिया भर नहीं रह गया है बल्कि अब ये समावेशी शासन के लिए एक रणनीतिक साधन बन गया है। सरकार का मानना है कि जब हम महिलाओं में निवेश करते हैं, तो हम केवल संसाधन आवंटित नहीं कर रहे होते हैं - हम एक अधिक न्यायपूर्ण, सशक्त और विकसित भारत का निर्माण कर रहे होते हैं। महिलाओं को अब केवल लाभार्थी के रूप में नहीं देखा जाता है, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माता, नवोन्मेषक और भारत की विकास गाथा को आगे बढ़ाने वाले अग्रणी के रूप में देखा जाता है। लैंगिक बजटिंग केवल एक नीतिगत उपकरण नहीं है बल्कि यह खर्च किए गए प्रत्येक रुपये द्वारा सभी के लिए समानता, सम्मान और अवसर सुनिश्चित करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता है।
अपने मुख्य भाषण में केन्द्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि 2005-06 से ही जेंडर बजटिंग भारत की विकास रणनीति का एक मुख्य तत्व रहा है। शुरू में इसे राजकोषीय रिपोर्टिंग तंत्र के रूप में पेश किया गया था, लेकिन अब यह लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए एक प्रमुख शासन साधन के रूप में विकसित हो गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए, 4.49 लाख करोड़ रुपये का जेंडर बजट आवंटित किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में इस आवंटन में 37प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ये वृद्धि नीति और सार्वजनिक वित्त दोनों के माध्यम से लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
उन्होंने आगे बताया कि पिछले 11 वर्षों में, जेंडर बजट आवंटन में साढ़े चार गुना वृद्धि हुई है - 2014-15 में 0.98 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 4.49 लाख करोड़ रुपये हो गया है।
राष्ट्रीय परामर्श के दौरान देश में 'जेंडर बजटिंग के बीस वर्षः उपलब्धियां और चुनौतियां पर चर्चा की गई। जेंडर बजटिंग पर एक मसौदा प्रशिक्षण मैनुअल पर भी विचार-विमर्श किया गया, इसे मंत्रालय ने भारत में जेंडर बजटिंग के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण उपकरण और व्यावहारिक मार्गदर्शिका के रूप में विकसित किया है।
कई केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों और राज्य सरकारों ने भी राष्ट्रीय परामर्श के दौरान जेंडर बजट के लिए की गई अपनी पहल और प्रगति साझा की।

पाटलिपुत्र और गोरखपुर के मध्य किया जायेगा नियमित परिचालन

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-बापूधाम मोतिहारी -नरकटियागंज के रास्ते पाटलिपुत्र और गोरखपुर के मध्य अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरी सुविधाओं से युक्त सेमी हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है।
माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिनांक 20.06.2025 को पाटलिपुत्र और गोरखपुर के मध्य चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के परिचालन का शुभारंभ गाड़ी सं. 03210 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत उद्घाटन स्पेशल (Inaugural Special) को हरी झंडी दिखाकर किया जायेगा। दिनांक 20.06.2025 को गाड़ी सं. 03210 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत उद्घाटन उद्घाटन स्पेशल (Inaugural Special) पाटलिपुत्र

से 11.50 बजे खुलकर 12.30 बजे हाजीपुर, 13.35 बजे मुजफ्फरपुर, 15.20 बजे बापूधाम मोतिहारी, 15.40 बजे सगौली, 16.20 बजे बेतिया, 17.10 नरकटियागंज, 18.10 बजे बगहा एवं 20.10 बजे कप्तानगंज रूकते हुए 21.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।
दिनांक 22.06.2025 से गाडी सं. 26502/26501 गोरखपुर-पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत ट्रेन का नियमित परिचालन किया जायेगा। यह ट्रेन गोरखपुर और पाटलिपुत्र से शनिवार को छोड़कर सप्ताह में छः दिन परिचालित की जायेगी।
गाड़ी सं. 26502 गोरखपुर-पाटलिपुत्र वंदे भारत एक्सप्रेस गोरखपुर से 05.40 बजे खुलकर 06.24 बजे कप्तानगंज, 07.30 बजे बगहा, 08.03 बजे नरकटियागंज, 08.35 बजे बेतिया, 08.50 सगौली, 09.08 बजे बापूधाम मोतिहारी, 10.50 बजे मुजफ्फरपुर, 11.40 बजे हाजीपुर रूकते हुए 12.45 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं. 26501 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस पाटलिपुत्र से 15.30 बजे खुलकर 16.08 बजे हाजीपुर, 17.00 बजे मुजफ्फरपुर, 18.23 बजे बापूधाम मोतिहारी, 18.43 बजे सगौली, 19.00 बजे बेतिया, 19.33 नरकटियागंज, 20.02 बजे बगहा एवं 21.38 बजे कप्तानगंज रूकते हुए 22.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

अधिकारीयों नें किया स्मार्ट विलेज का निरीक्षण

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव
बांका नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न इंडिकेटर एवं प्रोजेक्ट के समीक्षा हेतु नीति आयोग द्वारा श्री सुल्तान सिंह मीणा अवर सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय) भारत सरकार द्वारा स्मार्ट विलेज बाबरचक, रजौन अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र, HWC मकरमडीह, रजौन एवं HWC खरहरा, बाराहाट का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही स्मार्ट विलेज बाबरचक, रजौन स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से फीडबैक लिया गया एवं HWC खरहरा तथा बाराहाट में दिव्यांगजन कल्याण हेतु UDID संबंधित भी सभी बिन्दुओं पर जानकारी ली गई।

बांका जिला फिर बना अव्वल — लोक सेवाओं की मासिक रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल

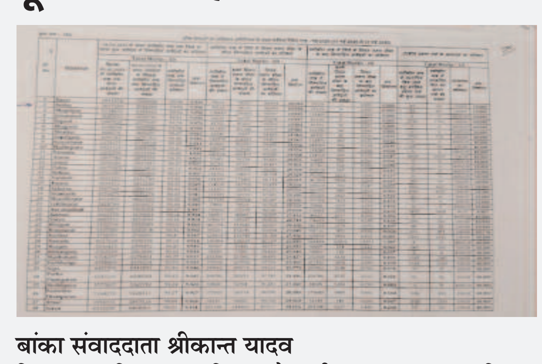

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव
बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी, सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना द्वारा बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम% * के तहत प्रत्येक माह राज्य के सभी जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। इस रैंकिंग में जिलों द्वारा नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता और प्रभावशीलता के विभिन्न मानकों के आधार पर अंक प्रदान किए जाते हैं।
मई 2025 माह के लिए जारी की गई नवीनतम रैंकिंग में बांका जिला ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि पदाधिकारियों एवं कर्मियों के निरंतर प्रयास, उत्तरदायित्वबोध और सेवा समर्पण का सजीव प्रमाण है।

झारखंड शराब घोटाला केस में छत्तीसगढ़ का कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा
रांची। शराब घोटाला केस में छत्तीसगढ़ के कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। सिद्धार्थ सिंघानिया को रायपुर से गिरफ्तार किया गया है।सूचना है कि झारखंड एसीबी की टीम ने सिद्धार्थ सिंघानिया को गिरफ्तार किया है, उनको रायपुर कोर्ट में पेशी के बाद ट्रांजिट रिमांड पर रांची लाया जाएगा।उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पूर्व प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे के कार्यकाल में मई 2022 में लागू उत्पादन नीति में सिद्धार्थ सिंघानिया की सक्रियता थी।
छत्तीसगढ़ मॉडल पर आधारित इस नीति में सिद्धार्थ सिंघानिया महत्वपूर्ण भूमिका में था। उस

समय उसने ही झारखंड की खुदरा शराब दुकानों में मैनपॉवर आपूर्ति का ठेका लिया था।बाद में विवादों में आने के बाद राज्य सरकार ने उसकी प्लेसमेंट एजेंसियों को ब्लैक लिस्ट करते हुए बाहर कर दिया था।झारखंड में शराब घोटाला केस उजागर होने के बाद से ही एसीबी की टीम सिद्धार्थ सिंघानिया से पूछताछ करने के लिए समन कर रही थी।वह जांच एजेंसी के सामने उपस्थित नहीं हो रहा था। इसके बाद एसीबी ने कोर्ट से सिंघानिया का गिरफ्तारी वारंट लिया और फिर छत्तीसगढ़ जाकर उसे गिरफ्तार किया।
शराब घोटाला केस में झारखंड एसीबी की टीम ने सिद्धार्थ सिंघानिया के रूप में यह सातवीं गिरफ्तारी की है। इससे पूर्व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग प्रधान सचिव आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे, पूर्व उत्पाद आयुक्त अमित प्रकाश को गिरफ्तार किया गया।
वहीं, संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सह अभियान सुधीर कुमार, प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन इन्नोवेटिव के स्थानीय प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को एसीबी ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सभी आरोपित न्यायिक हिरासत में रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं।

बिहार बदलाव युवा संकल्प कार्यक्रम के तहत युवाओं को जोड़ जन सुराज पार्टी बिहार के युवाओं की बदलेगी तकदीर : डॉ कुमार शांतनु

मुंगेर के युवाओं में ऊर्जा का संचार करने पहुंचे जन सुराज पार्टी के नवनियुक्त युवा प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर कुमार शांतनु

मुंगेर। जन सुराज पार्टी के नवनियुक्त युवा प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉ कुमार शांतनु गुरुवार को मुंगेर जिला मुख्यालय के हाजी सुभान स्थित पार्टी जिला कार्यालय में पहुंचे। जहां पार्टी के कार्यकर्ताओं ने युवा प्रदेश अध्यक्ष डॉ कुमार शांतनु का जोरदार स्वागत किया। जन सुराज पार्टी कार्यालय में युवा कार्यकर्ताओं के अंदर जोश और उत्साह जगाने के उद्देश्य से एकदिवसीय युवा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता तथा संचालन युवा जिला अध्यक्ष राकेश गोप ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश

अध्यक्ष डॉ कुमार शांतनु तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जन सुराज पार्टी के बेगूसराय के पूर्व जिला प्रभारी शहाब मलिक, मुंगेर जिला अध्यक्ष योगेंद्र मंडल, जिला मुख्य प्रवक्ता कुंवर चंद्रेश, युवा प्रदेश महासचिव समीर मधुकर, प्रदेश कोर कमेटी सदस्य निरंजन निषाद, रोहित सिन्हा, तारापुर अनुमंडल संगठन जिला अध्यक्ष वीर कुंवर सिंह, मुंगेर जिला संगठन अध्यक्ष अनितेश कुमार सिंह, प्रोफेसर राजीव नयन, युवा संगठन जिला अध्यक्ष ऋतुराज वसंत, अभियान समिति जिला अध्यक्ष अधिवक्ता आशीष कुमार मौजूद थे। युवा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए युवा प्रदेश अध्यक्ष डॉ कुमार शांतनु ने कहा कि बिहार के युवाओं को पिछले कई दशकों से शिक्षा रोजगार तथा स्वास्थ्य के लिए पलायन करना पड़ रहा है। बिहार के युवाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि बिहार में ना तो आज बेहतर शिक्षा और की व्यवस्था है और ना ही बिहार में युवाओं के लिए रोजगार की कोई व्यवस्था है। जिसका खामियाजा बिहार के आप नागरिकों के समूचे परिवार को उठाना पड़ रहा है। बिहार के कुल मतदाताओं का 38 प्रतिशत मतदाता आज युवा है। बिहार में व्यवस्था परिवर्तन के लिए आज युवाओं को आगे आने की आवश्यकता है। किसी को ध्यान में रखते हुए जन सुराज युवाओं के लिए बिहार बदलाव युवा संकल्प कार्यक्रम लेकर आई है। इस कार्यक्रम के तहत बिहार के युवाओं को जोड़कर उन्हें व्यवस्था परिवर्तन के लिए संकल्प दिलाएगी। बिहार के युवाओं के इस संकल्प से ना सिर्फ बिहार में व्यवस्था परिवर्तन संभव हो पाएगा बल्कि बिहार के युवाओं की तकदीर भी बदल जाएगी। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक पार्टियों से इस्तीफा देकर आए नए कार्यकर्ताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। युवा प्रदेश अध्यक्ष डॉ कुमार शांतनु ने नए कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र देकर तथा माला पहनाकर कर पार्टी में उनका स्वागत किया। मौके पर भावेश पासवान, राणा रंजीत सिंह, कुणाल कुमार, राकेश कुशवाहा, ललन रॉय, मो मुजाहिद, शिव चौधरी, रवि नंदन, अभिषेक कुमार, देवराज उर्फ दीपू बाबा, रंजीत यादव, राजन कुमार, चंदन झा, कृष्ण कुमार मिश्रा, संजय कुमार, प्रणय कुमार, प्रवीण कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

55 साल के हुए राहुल गांधी... राजनीति में एंट्री से लेकर सियासी चुनौतियों पर एक नजर

अनिल कुमार/नई दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज 55 साल के हो गए हैं। राहुल मौजूदा समय में देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख चेहरे हैं। 19 जून 1970 को नेहरू-गांधी परिवार के वंशज के रूप में जन्मे राहुल गांधी ने 2004 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) के साथ अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। उनका यह सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। इसमें उन्होंने पार्टी को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को उठाने का प्रयास किया है।

2004 में अमेठी से राजनीतिक सफर की शुरुआत : राहुल गांधी का राजनीतिक करियर 2004 में शुरू हुआ, जब उन्होंने उत्तर प्रदेश के अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। यह सीट उनके पिता राजीव गांधी और मां सोनिया गांधी के लिए पारिवारिक गढ़ रही थी। अपनी शुरुआती पारी में उन्होंने युवाओं और ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया। 2007 में उन्हें कांग्रेस के महासचिव और 2013 में पार्टी के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। 2017 में उन्होंने पार्टी अध्यक्ष का पदभार संभाला, जो उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा का चरम था। उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' (2022-23) और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' (2024) ने देश में एकता और सामाजिक न्याय के मुद्दों को उजागर किया।

यूथ कांग्रेस पर किया फोकस ा: राहुल गांधी की सबसे बड़ी उपलब्धि उनकी जन-केंद्रित पहल रही है। 'भारत जोड़ो यात्रा' ने देश भर में करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय कर नफरत के खिलाफ प्रेम का संदेश फैलाया। इस यात्रा ने कांग्रेस को संगठनात्मक रूप से मजबूत करने में मदद की। इसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को प्रदर्शन पर भी दिखा। उन्होंने युवा कांग्रेस और राष्ट्रीय छात्र संघ (ठरवक) में सुधार लाकर इन संगठनों की सदस्य संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की। कृषि कानूनों की वापसी (2021) और जीएसटी दरों में कमी जैसे मुद्दों पर उनकी दृढ़ता ने विपक्ष को मजबूत करने में भूमिका निभाई। इसके अलावा, उन्होंने बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय बहस में लाया।

मानहानि मामले में सजा से गंवाई सांसदी : हालांकि, राहुल गांधी का सफर चुनौतियों से अछूता नहीं रहा। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की हार ने उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाए। 2019 में अमेठी से स्मृति ईरानी के हाथों हार उनकी व्यक्तिगत पराजय के रूप में देखी गई। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी मात्र 52 सीटों पर सिमट गई। इसके बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी 'पप्पू' जैसी छवि और वंशवाद के आरोपों ने उनकी लोकप्रियता को प्रभावित किया। मीडिया और बीजेपी की आलोचना ने उन्हें लगातार निशाना बनाया। खासकर उनके 'चौकीदार चोर है' जैसे बयान पर खूब विवाद हुआ। 2023 में मानहानि मामले में दो साल की सजा और लोकसभा से अयोग्यता उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाई। इन सबके बावजूद, उनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि (हावर्ड और कैम्ब्रिज से पढ़ाई) और जनता के साथ जुड़ाव की कोशिशों ने उन्हें फिर से खड़ा

होने का मौका दिया।

कांग्रेस की खोई हुई जमीन दिलाने की चुनौती : 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी फिर से सक्रिय भूमिका में हैं। वे कांग्रेस को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे विपक्षी गठबंधन 'INDIA' ब्लॉक का एक प्रमुख चेहरा हैं। हालांकि आलोचक उन्हें निर्णय न लेने वाला, अनिश्चित और कमजोर नेता मानते हैं, वहीं समर्थकों के लिए वे लोकतंत्र की रक्षा की उम्मीद हैं। राहुल ने आलोचनाओं के बीच अपनी छवि को सुधारने और जनता से जुड़ने का प्रयास किया है। राहुल गांधी के सामने चुनौतियां उनकी नेतृत्व क्षमता और छवि को परखती रही हैं। अब यह देखने की बात है कि वे आगे भारतीय राजनीति में कितनी मजबूती से उभरते हैं। क्या वे कांग्रेस को उसकी खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस दिला पाएंगे। भविष्य में उनकी रणनीति और विपक्ष की भूमिका देश की राजनीति की दिशा तय करेगी। इसके साथ -साथ कांग्रेस बेरोजगारी के मुद्दे पर लगातार मोदी सरकार को घेरती रही है। वह सरकार से हर साल साल दो करोड़ नौकरियों के वादे को लेकर सवाल करती है। ऐसे में कांग्रेस के यूथ विंग यूथ कांग्रेस ने आज 19 जून को राजधानी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में एक बड़ा रोजगार मेला आयोजित करने की योजना बनाई है। यूथ कांग्रेस ने यह आयोजन अपने नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन के मौके पर इसके आयोजन की तैयारी की है।

100 से अधिक कंपनियां होंगी शामिल ;यह जानकारी यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु छिब ने साझा की, जहां उन्होंने बताया कि इस मेले में देशभर से 100 से ज्यादा कंपनियां हिस्सा लेंगी और युवाओं के लिए मौके लेकर आएंगी। वहीं दिल्ली यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि यह दिल्ली-एनसीआर का सबसे बड़ा जॉब फेयर होगा। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस ने रोजगार मेले के आयोजन के जरिए दिल्ली ही नहीं, देशभर में युवाओं को साधने की तैयारी शुरू कर दी है। गुरुवार को महारोजगार मेले के मौके पर कांग्रेस के तमाम बड़े नेता जुटेंगे। इनमें सचिन पायलट, इमरान प्रतापगढ़ी से लेकर कन्हैया कुमार जैसे कई युवा चेहरे जुटेंगे। बताया जाता है कि कांग्रेस इस आयोजन को यहीं तक सीमित नहीं रखेंगी। वह आने वाले दिनों में चुनाव संभावित दस राज्यों में ऐसे मेलों के आयोजन की योजना बना रही है।

सबसे पहले बिहार में होगा आयोजन : इनमें सबसे पहले बिहार में आयोजित किया जाएगा। उसके बाद अगले साल केरल, वेस्ट बंगाल, असम और तमिलनाडु व पुद्दुचेरी में चुनाव होने हैं। जबकि साल 2027 में गोवा, यूपी, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व मणिपुर में चुनाव होने हैं। दरअसल, कांग्रेस लगातार न सिर्फ रोजगार की बात कर रही है, बल्कि राहुल गांधी लगातार अलग-अलग हिस्सों में जाकर यूथ व स्टूडेंट्स वर्ग से मिलकर उनकी समस्याओं पर बात कर रहे हैं। साथ ही, कांग्रेस अपने चुनावी मेनिफेस्टो में युवाओं को रोजगार देने की बात भी कर रही है। ऐसे में कांग्रेस की कोशिश इन राज्यों में रोजगार मेले के जरिए युवाओं को साधने की भी रहेगी।

युवाओं को मिलेगा ऑफर लेटर: हालांकि गुरुवार को दिल्ली में होने वाले मेले के बारे में उदयभान छिब का कहना था कि इससे पहले ऐसा ही रोजगार मेला राजस्थान में आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं को मौके मिले थे। इस मेले के जरिए दिल्ली के युवाओं को सीधे कंपनियों के साथ इंटरव्यू का मौका मिलेगा। वहीं बहुत से युवाओं को उसी दिन ऑफर लेटर भी मिल सकता है। जबकि यूथ कांग्रेस से जुड़े याज्ञवल्क्य श्रीकांत जिचकार ने बताया कि इस रोजगार मेले में आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, फार्मा, रिटेल और बैंकिंग जैसे कई सेक्टर की कंपनियां आ रही हैं। हर शैक्षिक योग्यता के लिए कंपनियां होंगी, चाहें 12वीं पास हो या पीएचडी। फिलहाल 10 हजार से ज्यादा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की संख्या भी 8 हजार के करीब है।

'हमेशा उठाई बेरोजगारों की आवाज' : जबकि छिब का कहना था कि यह रोजगार मेला सिर्फ नौकरी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर और जातीय जनगणना पर सेमिनार भी आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा बेरोजगार युवाओं की आवाज उठाई है और जातीय जनगणना का मुद्दा भी उन्हीं की मेहनत से आज चर्चा में है। कांग्रेस का कहना था कि आयोजन का मकसद सिर्फ युवाओं को रोजगार देना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाना और सेवा का भाव मजबूत करना भी है।

केरल से बंगाल तक अगले पांच दिन झमाझम बरसात के आसार

शिव शुक्ला

केरल में समय से एक सप्ताह पहले दस्तक देने और फिर कुछ दिनों की सुस्ती के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून फिर तेजी से आगे बढ़ने लगा है। मानसून ने बुधवार को उत्तर प्रदेश और राजस्थान में दस्तक दी। मानसून के प्रभाव से पूर्वोत्तर से मध्य, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण भारत समेत 20 से अधिक राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। आंध्र प्रदेश समेत कुछ तटीय राज्यों में तेज हवाएं भी चल रही हैं। अगले दो से पांच दिन में कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वर्षाजनित घटनाओं में गुजरात और बिहार में 16 लोगों की मौत हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार यूपी के बलिया, मऊ गाजीपुर व सोनभद्र समेत कई हिस्सों में मानसून पहुंच गया है। हालांकि, पांच दिन की देरी से पहुंचा। राजस्थान में तय समय से एक सप्ताह पहले ही मानसून पहुंच गया। दोनों ही राज्यों में भारी बारिश हो रही है, जो दो-तीन दिन तक जारी रह सकती है। मानसून उत्तरी अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में भी आगे बढ़ा है।

केरल से बंगाल तक चेतावनी : मौसम विभाग ने अगले दो से चार दिन तक केरल से पश्चिम बंगाल व असम से ओडिशा तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है। झारखंड के रांची में बृहस्पतिवार को स्कूल बंद रहेंगे। प. बंगाल पर निम्न दबाव का क्षेत्र बना है, जिससे भारी बारिश की संभावना है।

इन राज्यों में जमकर बारिश : पूर्वी, पूर्वोत्तर, मध्य एवं दक्षिण भारत के राज्यों में मानसून पहले ही पहुंच चुका है। बुधवार सुबह तक बीते 24 घंटे में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, झारखंड, पूर्वी व पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात के सौराष्ट्र व कच्छ, कोंकण-गोवा व मध्य महाराष्ट्र में अच्छी बारिश हुई। असम,

मेघालय, मणिपुर, प. बंगाल के गंगा के मैदानी क्षेत्र, ओडिशा, तमिलनाडु में भी कई जगह मूसलाधार बारिश हुई।

रांची में चार उड़ानें रद्द : खराब मौसम के कारण बुधवार को रांची हवाई अड्डे पर चार उड़ानें रद्द कर दी गईं। रद्द की गई उड़ानों में दिल्ली-रांची-दिल्ली सेक्टर की एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान और इंडिगो की तीन उड़ानें - दिल्ली-रांची-दिल्ली, अहमदाबाद-रांची और रांची-शमशाबाद शामिल हैं।

हिमाचल में अगले 2-3 दिन में दस्तक देगा मानसून : मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में अगले दो-तीन में मानसून के पहुंचने की संभावना जताई है। विभाग ने शनिवार और रविवार को राज्य के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट और शुक्रवार को कुछ इलाकों में भारी बारिश के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। अलर्ट को देखते हुए राज्य के मुख्य सचिव ने उच्च स्तरीय बैठक कर मानसून के लिए तैयारियों की समीक्षा की और किसी भी तरह के आपदा से निपटने के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए।

गुजरात में चार, बिहार में 12 की गई जान : गुजरात के बोटाद जिले में बुधवार तड़के कार उफनती नदी में बह गई। कार में नौ लोग सवार थे, जिनमें से चार की मौत हो गई और शेष लापता हैं। बचाव दल उनकी तलाश कर रहे हैं। वहीं, बिहार में मूसलाधार बारिश के दौरान बिजली गिरने से 12 लोगों की जान चली गई। इसमें बक्सर में चार, पश्चिमी चंपारण में तीन, कटिहार में दो और कैमूर, लखीसराय और सीतामढ़ी जिलों से एक-एक मौतें शामिल हैं।

पंजाब-हरियाणा में सामान्य से नीचे तापमान : भारी बारिश के एक दिन बाद पंजाब और हरियाणा में सामान्य से नीचे तापमान दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पंजाब के लुधियाना, पटियाला, फतेहगढ़ साहिब, होशियारपुर और रूपनगर में भारी बारिश हुई। वहीं, हरियाणा में अंबाला, हिसार, नारनौल, गुरुग्राम, सिरसा और नूह में बारिश हुई। चंडीगढ़ में भी इस दौरान हल्की बारिश हुई। इससे अधिकतम तापमान गिरकर 31 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच आ गया, जो पिछले हफ्ते तक 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ था।

अमेरिका कमजोर हुआ तो घाटे में रहेगी दुनिया

स्वामीनाथन एस अंकलेसरिया अय्यर

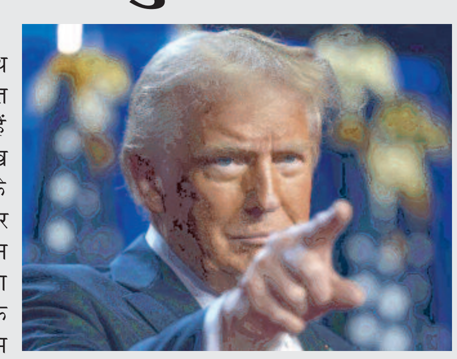

अमेरिका अभी लगातार दुनिया के देशों के साथ नए कारोबारी रिश्ते बना रहा है। हालांकि, भारत जैसे देश इसे थोड़ा शंका की दृष्टि से देख रहे हैं तो चीन जैसे देश लड़ने-भिड़ने के मूड में दिख रहे हैं। इतिहास बताता है कि किसी साम्राज्य के अंत का मतलब है उसके कानूनों और उस पर अमल की प्रवृत्ति का अंत। इसके साथ ही शासन और समृद्धि का भी अंत होता है। अराजकता और लूटपाट का दौर आ जाता है, जब तक कि फिर से कोई नया साम्राज्य न उभर आए। विलियम डेलरिंपल की 2019 में आई पुस्तक The Anarchy ने इसे दिखाया है कि मुगल साम्राज्य के अंत और अंग्रेजी शासन की स्थापना के बीच भारत किस तरह की दुर्दशा से गुजरा था।

साम्राज्य बुरा शब्द नहीं : साम्राज्य शब्द के साथ जुड़ी उपनिवेशवाद की स्मृतियों ने आज इसका रूप बिगाड़ दिया है। लेकिन चार्ल्स टिली जैसे इतिहासकार बताते हैं कि नियमों पर आधारित व्यवस्था स्थापित करने, सुरक्षा का माहौल बनाने और समृद्धि का रास्ता साफ करने में ऐतिहासिक तौर पर इसकी कितनी अहम भूमिका रही है।

खुद अपना दुश्मन : आज हम अमेरिकी आधिपत्य और इससे जुड़े नियमों का अंत होते देख रहे हैं। खास बात है तो यही कि इस बार ऐसा किसी प्रतिद्वंद्वी शक्ति के जरिए नहीं बल्कि खुद अमेरिकी नेतृत्व के हाथों हो रहा है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका की अगुआई में बना अभूतपूर्व समृद्धि का दौर खत्म होने की ओर बढ़ता दिख रहा है। इसकी जगह सुरक्षा, निवेश, व्यापार और ॅद्ध पर चोट करने वाले इस्राइल-ईरान युद्ध जैसे स्थानीय संघर्ष बढ़ेंगे।

नफा कम, घाटा ज्यादा : भारत के लिहाज से बहुध्रुवीयता अच्छी चीज रही है। इससे नई दिल्ली के लिए विदेश नीति में लचीलेपन की गुंजाइश बढ़ती है। अफसोस की बात यह है कि भारत इस लचीलेपन से उतना फायदा नहीं उठा पा रहा जितना उसे द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की दोषपूर्ण मगर उपयोगी विश्वव्यवस्था के नष्ट होने से नुकसान हो रहा है। बेशक अमेरिका ने यह व्यवस्था अपने फायदे की सोच कर बनाई थी। लेकिन इससे दुनिया का भी खूब भला हुआ।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका : इस पूरे दौर में अमेरिकी प्रभुत्व भले रहा हो, पर उसका रूप औपचारिक अमेरिकी साम्राज्य का नहीं था। पुराने साम्राज्यों के विपरीत अमेरिका ने अपने प्रभाव क्षेत्र यानी कथित 'फ्री वर्ल्ड' को जीत कर उस पर अपना औपचारिक शासन स्थापित नहीं किया बल्कि अपने मित्र देशों के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र और वर्ल्ड बैंक, IMF, GAIT जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के जरिए नए वैश्विक कानून लागू किए। इससे न केवल ॅद्ध बल्कि सामाजिक सुरक्षा, मानवाधिकार और लोकतांत्रिक संस्थानों के अभूतपूर्व विकास का माहौल बना। यह दौर पूर्ण शांति का तो कतई नहीं था। छोटी-मोटी लड़ाइयां, झड़पें चलती रहती थीं, लेकिन बड़ी शक्तियों के टकराव की नौबत कभी नहीं आई।

सबका साथ, सबका विकास : द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के इस दौर में वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी आधिपत्य बना रहा। इसलिए वह इस स्थिति में रहा कि अपने दीर्घकालिक हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए परोपकार भी करे। उसने कानूनों के जरिए वैश्वीकरण का रास्ता चुना जिससे आर्थिक और नैतिक दोनों मोर्चे सध रहे थे। मजबूत आर्थिक स्थिति की बदौलत अमेरिका नें ३३ और अन्य मंचों पर दूसरों के मुकाबले ज्यादा रियायतें दीं। उसकी रणनीति अपने हिस्से को बढ़ाकर फायदा कमाने की नहीं बल्कि सबका हिस्सा बढ़ाते हुए लाभान्वित होने की थी। नतीजतन अमेरिका के साथ ही उसके मित्र देशों को भी फायदा हुआ और तीसरी दुनिया के देश भी समृद्ध हुए।

चौंकाने वाली कामयाबी : इस नीति की कामयाबी किस कदर चौंकाने वाली रही, इसका अंदाजा इतिहासकार एंगस मैडिसन द्वारा किए गए अलग-अलग दौर की प्रति व्यक्ति आमदनी के तुलनात्मक अध्ययन से होता है। उनके मुताबिक ईस्वी सन 1 में प्रति व्यक्ति आय भारत और चीन में 450 डॉलर, जबकि उत्तर अमेरिका में 400 डॉलर थी। रोमन साम्राज्य के प्रयासों की बदौलत इटली में तब प्रति व्यक्ति आय 809 डॉलर थी। औद्योगिक क्रांति से पहले तक आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी रही। लिहाजा, 1700 ईस्वी तक प्रति व्यक्ति आय भारत में 550 डॉलर, चीन में 600 डॉलर, अमेरिका (जो अभी अस्तित्व में नहीं आया था) में 527 डॉलर और पश्चिमी यूरोप में 997 डॉलर थी। लेकिन इसके बाद 1950 से 2003 के बीच यानी मात्र 53 वर्षों में यह भारत में 619 डॉलर से बढ़कर 2160 डॉलर, चीन में 448 डॉलर से 4803 डॉलर और अमेरिका में 9,561 डॉलर से बढ़कर 29,037 डॉलर हो गई।

दूसरे प्लेयर की नाकामी : कहने की जरूरत नहीं कि इस असाधारण बढ़ोतरी के पीछे अमेरिकी प्रभुत्व वाली विश्व व्यवस्था ही थी। इस दौरान दूसरा बड़ा प्लेयर सोवियत संघ रहा। उसके पास भी पूर्वी यूरोपीय देशों में अपना एक भीतरी साम्राज्य था। दशकों तक इस क्षेत्र में उसके नियम भी लागू रहे जिसका उसे फायदा भी हुआ। लेकिन आखिरकार अमेरिकी अगुआई वाली व्यवस्था उस पर भारी पड़ी।

बदतर होंगे हालात : बहरहाल, कोई भी साम्राज्य रातोरात नष्ट नहीं होता। उसका धीरे-धीरे ही क्षरण होता है। लेकिन तय है कि अमेरिकी अगुआई वाली इस व्यवस्था का नष्ट होना और उसकी जगह बहुध्रुवीय व्यवस्था का आना इस दुनिया को बदतर ही बनाएगा। न केवल आपसी संघर्ष बढ़ेंगे और भाईचारा कम होगा बल्कि आर्थिक विकास का चक्का धीमा पड़ेगा।

ईरान से 110 भारतीयों का पहला जत्था पहुंचा भारत, अपनों से मिलकर छलके परिजनों के आंसू

दिल्ली ब्यूरो

इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्धे को देखते हुए वहां रह रहे हजारों भारतीयों को सुरक्षित घर वापसी के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंधु की शुरुआत की है। ईरान से भारत लाए जा रहे छात्रों का पहला जत्था बृहस्पतिवार को सुबह भारत पहुंचा। पहले जत्थे में 100 से ज्यादा छात्र शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है। ईरान में 4,000 से अधिक भारतीय नागरिक रह रहे हैं और उनमें से आधे छात्र हैं। उत्तरी ईरान से 110 छात्रों को सुरक्षित आर्मेनिया पहुंचा दिया गया था। भारत लौटीं छात्र बोलीझ मिसाइलें सिर के ऊपर से गुजरती थीं :ईरान में बिगड़ते हालात के बीच वहां फंसे 110 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर भारत लाया गया। सभी को लेकर एक विशेष फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरी। इन लोगों में शामिल यासिर गफ्फार नाम के छात्र ने बताया कि हमने रात में मिसाइलों को ऊपर से जाते देखा और ज़ोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। डर का माहौल था, लेकिन अब भारत पहुंचकर राहत मिली है। यासिर ने कहा कि उन्होंने अपने सपनों को अभी नहीं छोड़ा है और हालात सुधरने पर वापस ईरान

लौटेंगे। सरकार की इस कार्रवाई के लिए छात्र और उनके परिवारों ने आभार जताया है। ईरान और इस्राइल के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव के चलते भारत अपने नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालने में जुटा है। ईरान से दिल्ली पहुंचे छात्र ने सुनाई आपबीती:ईरान में हालात बिगड़े हालातों के बीच भारत आए छात्र ने बताया कि हर दिन हालात और खराब होते जा रहे हैं, खासतौर पर तेहरान में स्थिति बेहद गंभीर है। सभी भारतीय छात्रों को वहां से निकाला जा रहा है। भारतीय अधिकारी अच्छा काम कर रहे हैं। हम सभी को सुरक्षित जगह भेजा जा रहा है। छात्र ने बताया कि उन्हें पहले यूनिवर्सिटी से निकालकर आर्मेनिया ले जाया गया, फिर वहां से कतर भेजा गया। अंत में वे भारत पहुंचे। जम्मू और कश्मीर छात्र संघ ने निकासी अभियान शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को धन्यवाद दिया। एसोसिएशन ने एक बयान में कहा, "हमें उम्मीद है कि शेष सभी छात्रों को शीघ्र ही निकाल लिया जाएगा। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत निकासी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए ईरान और आर्मेनिया सरकारों की आभारी है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को देखते हुए ईरान में भारतीय दूतावास बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों को अर्मेनिया की राजधानी येरेवन पहुंचाने में मदद कर रहा है। एमईए ने आगे कहा कि ईरान में भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे तेहरान में भारतीय दूतावास की आपातकालीन हेल्पलाइन और नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय की ओर से स्थापित 24*7 नियंत्रण कक्ष के संपर्क में रहें। अपनों से मिलकर परिजन हुए खुशःइस दौरान निकाले गए छात्र के पिता ने कहा कि मेरा बेटा भारत से भेजे गए विशेष विमान से अर्मेनिया के रास्ते वापस आ रहा है। वो ईरान में एमबीबीएस कर रहा था। मैं उसे कोटा, राजस्थान से लेने आया हूं। मुझे खुशी है कि मेरा बेटा घर लौट रहा है। भारत सरकार की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने अच्छे प्रयास किए हैं। मैं सरकार से तेहरान में फंसे छात्रों की मदद करने का आग्रह करता हूं। मेरा बेटा सीमा क्षेत्र में था, और वहां हालात इतने तनावपूर्ण नहीं थे, और केवल सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग ही देश से बाहर निकल पाए हैं। तेहरान सहित देश के अंदरूनी इलाकों में फंसे लोग अभी तक बाहर नहीं निकल पाए हैं। मैं तेहरान में भारतीय दूतावास को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। इससे पहले, सोमवार को भारतीय दूतावास ने तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज, इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज से सभी भारतीय छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया था। शहीद बेहेश्टी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के सभी भारतीय विद्यार्थियों को कोम शहर के लिए रवाना किया गया। मंगलवार को शिराज यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज और इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के छात्रों को निकालने की प्रक्रिया जारी रही थी। भारतीयों को तेहरान छोड़ने की सलाह :इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को तेहरान छोडने को कहा था। मंत्रालय ने कहा था कि अन्य भारतीय निवासी जिनके पास आवाजाही के साधन हैं वे भी बदलते हालात के मद्देनजर शहर से बाहर चले जाएं। ईरान में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि सभी भारतीय नागरिक और पीआईओ जो अपने स्वयं के संसाधनों से तेहरान से बाहर जा सकते हैं, उन्हें शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी जाती है।

पीयूष गोयल व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक यूके दौरे पर

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल यूनाइटेड किंगडम की उच्चस्तरीय आधिकारिक दौरे पर हैं। गोयल इस दौरान ब्रिटेन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि पीयूष गोयल दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत और यूके मुक्त व्यापार समझौते के कार्यान्वयन पर अपने ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बातचीत करेंगे, जिसके समापन की घोषणा 6 मई को उनकी लंदन यात्रा के दौरान की गई थी। इसके अलावा वे दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बातचीत करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य मंत्री के इस दौरे का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों में तेजी लाना, उभरते अवसरों का दोहन करना और दूरदर्शी, लचीले और पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक संबंध के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। इसके साथ ही पीयूष गोयल दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक प्राथमिकताओं, वित्तीय सहयोग और निवेश सुविधा पर चर्चा करने के लिए ब्रिटेन की राजकोष की चांसलर रेचल रीव्स से भी मिलेंगे।

सीबीआईसी ने जीएसटी के 8 वर्ष पूरा होने पर 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में फिटनेस और जीएसटी जागरूकता पहल 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया। कार्यक्रम स्थल पर प्रतिभागियों से जुड़ने और जीएसटी के बारे में प्रश्नों के उत्तर देने के लिए समर्पित जीएसटी हेल्प डेस्क स्थापित की गई थी। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि जीएसटी के आठ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सीबीआईसी ने फिट इंडिया मूवमेंट के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया मूवमेंट के तत्वावधान में संडे ऑन साइकिल राष्ट्रव्यापी साइक्लोथॉन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आज प्रातः राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया। इसमें देशभर के 100 से अधिक केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आयुक्तालयों ने भी भाग लिया।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी ने 450 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली। पुणे स्थित पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के माध्यम से 450 करोड़ रुपये जुटाना है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एकसचेंज पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक रेवा डायमंड ज्वैलरी का 10 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 450 करोड़ रुपये का एक नया निर्गम है। आईपीओ में बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, जिसमें कम से कम 75 फीसदी हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) को आवंटित किया जाएगा, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को क्रमशः 15 फीसदी और 10 फीसदी मिलेगा। रेवा डायमंड ज्वैलरी की योजना ताजा निर्गम से प्राप्त 286.56 करोड़ रुपये का उपयोग वित्त वर्ष 2028 तक 15 नए स्टोर स्थापित करने की दिशा में व्यय के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी 6.5 फीसदी से अधिक होगी: इक्रा

नई दिल्ली। प्रमुख रेटिंग एजेंसी इक्रा ने भारत की अर्थव्यवस्था पर नवीनतम आउटलुक जारी किया है। इक्रा ने जारी अपने ताजा अनुमान में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि 6.50 फीसदी से अधिक होगी। एजेंसी ने सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) ग्रोथ 6.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने जारी आउटलुक में बताया कि ग्रामीण मांग मजबूत बनी रहेगी, जिसका कारण रबी की फसलों से होने वाली आमदनी और जलाशयों का सामान्य से अधिक जलस्तर है। इस दौरान राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि चालू खाता घाटा 1 फीसदी रह सकता है। इक्रा ने अपनी रिपोर्ट में महंगाई के बारे में कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई चालू वित्त वर्ष 202526 में 4.2 फीसदी से ऊपर रहने की उम्मीद है, जबकि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई 2.7 फीसदी से अधिक रहेगा। सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) देश के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को निर्धारित करता है।

केदारनाथ यात्रा में अब तक तीन अरब का कारोबार

एजेंसी
देहरादून। श्री केदारनाथ धाम यात्रा हर वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। बाबा के कपाट खुले 48 दिनों का समय पूर्ण हो चुका है और इसी अवधि में घोड़े-खच्चर, हेली, डंडी-कंडी सहित होटल एवं रेस्तरां व्यापारियों ने करीब तीन अरब का कारोबार कर लिया है। वहीं स्थानीय लोगों के रोजगार को भी बढ़ती हुई यात्रा से लगातार लाभ मिल रहा है।

वर्ष 2025 की यात्रा के लिए 02 मई को बाबा केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुल गए थे। बाबा के कपाट खुले 48 दिन का समय पूर्ण हो चुका है। बुधवार 18 जून को बाबा के दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या 11 लाख 40 हजार पार हो चुकी है। पिछले एक महीने का औसत निकाला जाए तो प्रतिदिन पौने 24 हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शनों को केदारपुरी पहुंचे हैं।

केदारनाथ धाम यात्रा देश की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक है। करीब 20 किलोमीटर का कठिन पैदल मार्ग पार करने के बाद हिमालय पर्वत की गोद में बसे 11 वें ज्योतिर्लिंग के दर्शन हो पाते हैं। इस कठिन पैदल धार्मिक यात्रा में घोड़ा-खच्चरों का बेहद अहम योगदान होता है। असमर्थ एवं बुजुर्ग भक्त अक्सर इन्हीं के माध्यम से यात्रा करते हैं, वहीं खाद्य पदार्थ से लेकर अन्य अनिवार्य सामग्री इन्हीं घोड़े खच्चरों से यात्रा मार्ग एवं केदारपुरी में पहुंचाई जाती है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत ने बताया कि 18 जून तक 22,7614 तीर्थलु घोड़े खच्चरों के माध्यम से दर्शनों को पहुंचे हैं जिससे 66 करोड़ 73 लाख 90 हजार 350 रुपए की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष लगभग आठ हजार घोड़े-खच्चर इस वर्ष के लिए पंजीकृत हैं। संक्रामक बीमारी इक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस के चलते कुछ दिन घोड़ा खच्चर संचालन प्रभावित भी रहा।

हेली सेवाओं ने किया 60 करोड़ रुपयों का कारोबार: हेली सेवाओं की केदारनाथ धाम यात्रा में अपनी एक अहम भूमिका है। हेली सेवाओं के माध्यम से किसी भी हालात में पैदल यात्रा करने में असमर्थ श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन का मौका मिलता है। वहीं रेस्क्यू अभियान में हेली सेवाएं अहम किरदार निभा रही हैं। प्रत्येक दिन दो से तीन मेडिकल आपातकाल से जूझ रहे लोगों को हेली सेवाओं से ही समय पर हायर सेंटर रेस्क्यू किया जाता है। रुद्रप्रयाग के जिला पर्यटन अधिकारी और हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि इस वर्ष आठ हेली कंपनियां नौ हेलीपैड से अपना संचालन कर रही हैं। 18 जून तक 49,247 श्रद्धालु हेली सेवाओं के माध्यम से बाबा केदारनाथ धाम पहुंचे हैं, जिससे करीब 60 करोड़ की आय प्राप्त हुई है।

डंडी -कंडी से दो करोड़ से अधिक की आय: केदारनाथ धाम पैदल यात्रा मार्ग पर जितने घोड़े-खच्चरों का संचालन महत्वपूर्ण है उतना ही डंडी-कंडी संचालन भी। पैदल चलने में असमर्थ कई भक्त डंडी कंडी की जगह डंडी-कंडी से यात्रा करना पसंद करते हैं। वहीं छोटे बच्चों के लिहाज से भी यह ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। इसके अलावा कई श्रद्धालु खुद पैदल यात्रा कर केवल समान डंडी-कंडी की मदद से केदारपुरी पहुंचा देते हैं। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत रुद्रप्रयाग संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष की यात्रा के लिए 7,000 से अधिक डंडी-कंडी संचालक पंजीकृत हैं। 18 जून तक डंडी-कंडी के माध्यम से दो करोड़ 2 लाख, 71 हजार 300 रुपए की आय प्राप्त हुई है। इसमें गंदगी फैलने एवं अन्य नियमों के उल्लंघन पर विभिन्न प्रतिष्ठानों का 41,7000 रुपये का चालान कर अर्थदंड भी शामिल है।

टैक्सी संचालन से करीब साढ़े 14 करोड़: सहायक परिवहन अधिकारी रुद्रप्रयाग कुलवंत सिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ष श्री केदारनाथ धाम यात्रा में शटल सेवा के लिए 225 गाड़ियां पंजीकृत हैं।

हिमाचल के लिए केंद्र से 2006 करोड़ रुपये की मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश में वर्ष-2023 में भीषण प्राकृतिक आपदाओं के चलते पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण योजना के तहत 2006.40 करोड़ की राशि मंजूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का आभार

जताया है। साझा किए अपने संदेश में जेपी नड्डा ने कहा कि देवभूमि में संकट से निपटने और आपदा पीड़ितों को राहत प्रदान करने में मोदी सरकार द्वारा आर्थिक सहायता आपदा पीड़ित नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण संबल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देवभूमि की जनता के साथ हर संकट में खड़ी है और हिमाचल की हरसंभव सहायता के लिए सदैव की भांति कटिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने 2023 की बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने की घटना के बाद हिमाचल प्रदेश के लिए 2006.40 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण योजना को मंजूरी दी है।

अमेरिका तक पहुंचा बिहार का मखाना, उत्पादन 10 वर्ष में हुआ दो गुणा

मुंबई।
पटना। बिहार में मखाना के उत्पादन में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। पिछले 10 वर्षों में मखाना की खेती का रकबा दो गुणा बढ़ गया है। कृषि विभाग और कॉम्फेड की कोशिशों से ही बीते दिनों सुधा ब्रांड ने मखाना अमेरिका तक भेजा है। प्रदेश सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2012 तक बिहार में मखाना की खेती लगभग 13 हजार हेक्टेयर में होती थी। मुख्यमंत्री बागवानी मिशन योजना के अन्तर्गत मखाना का क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, जिससे मखाना की खेती का रकबा बढ़कर 35 हजार 224 हेक्टेयर हो गया है। मखाना विकास योजना के तहत मखाना की उच्च प्रजाति के बीज के उपयोग से उत्पादकता में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। करीब 25 हजार किसान मखाना की खेती से जुड़े हुए हैं। केंद्र सरकार से मखाना को 20 अगस्त 2022 को भौगोलिक संकेतक यानी जीआई टैग मिथिला मखाना के नाम से मिल चुका है। वर्ष 2019-20 में मखाना विकास योजना प्रारंभ की गई, जिसमें

मखाना अनुसंधान केन्द्र, दरभंगा के विकसित स्वर्ण वैदेही तथा भोला पासवान शास्त्री, कृषि महाविद्यालय का विकसित सबौर मखाना-1 प्रभेद को प्रत्यक्षण के माध्यम से बढ़ावा दिया गया। बिहार सरकार की मखाना विकास योजना के अंतर्गत 10 जिलों में मखाना के उत्पादन का विस्तार हुआ है। इनमें दरभंगा, मधुबनी, कटिहार, अररिया, पूर्णियां, किशनगंज, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, और खगड़िया शामिल हैं।मखाना के वैश्विक विस्तार से बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए अब इसका उत्पादन 16 जिलों में विस्तारित किया गया है। देश में कुल उत्पादित मखाना का लगभग 85 प्रतिशत बिहार में होता है।

राजस्व में बढ़ोतरी: वर्ष 2005 के पूर्व जहां मत्स्य/मखाना जलकरों से राजस्व प्राप्ति 3.83 करोड़ रुपये थी। वहीं 2023-24 में यह बढ़कर 17.52 करोड़ रुपये हो गई है।

मखाना के वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग को देखते हुए इसके निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए अब मखाना बोर्ड का गठन किया जा रहा है। यह बोर्ड मखाना के समेकित विकास जैसे क्षेत्र विस्तार, यांत्रिकरण, प्रसंस्करण, विपणन और निर्यात को समृद्ध करेगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर चांदी, एमसीएक्स पर भी 1.10 लाख के स्तर पर पहुंचा

एजेंसी
नई दिल्ली। सर्राफा बाजार के साथ ही वायदा बाजार में भी चांदी आज रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सिल्वर फ्यूचर 1.10 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया। घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी के भाव में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। आज कॉमेक्स पर चांदी 37.23 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया। पिछले 13 साल के दौरान चांदी पहली बार इस ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहा है। माना जा रहा है कि अगर दुनिया के अलग-अलग हिस्से में बनी जियो-पॉलिटिकल टेंशन की स्थिति जारी रही, तो ये चमकीली धातु जल्दी ही 40 डॉलर प्रति औंस के स्तर को भी पार कर सकती है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष और वैश्विक अर्थव्यवस्था की अनिश्चितता की वजह से चांदी की मांग में वैश्विक स्तर पर तेजी आई है। सोना और चांदी को लंबे समय से सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट माना जाता है। सोना जहां इन्वेस्टमेंट का महंगा विकल्प है, वहीं चांदी को आमतौर पर इन्वेस्टमेंट के लिए सोने का सस्ता विकल्प माना जाता है।

सोना भी फिलहाल अपने ऑल टाइम हाई लेवल के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है। ऐसे में चांदी के प्रति निवेशकों का रुझान बढ़ा है। इसी तेजी के कारण फरवरी 2012 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 37 डॉलर के स्तर के ऊपर पहुंची है।राजीव दत्ता का कहना है कि चांदी और सोना इन दोनों चमकीली धातुओं का उपयोग ज्वेलरी के साथ ही इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के रूप में भी होता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में फिलहाल काफी हलचल की स्थिति बनी हुई है। इसकी वजह से इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के तौर पर दोनों चमकीली धातुओं की मांग में तेजी का रुख बना हुआ है। इसके अलावा चांदी की मांग इंडस्ट्रियल सेक्टर में भी पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़ी है। इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट समेत कई चीजों के उत्पादन में चांदी का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए इंडस्ट्रियल एक्टिविटी बढ़ने पर चांदी की डिमांड में भी तेजी आ जाती है।

पिछले कुछ सालों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स की मांग में काफी तेजी आई है, जिसके कारण चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। यही वजह है कि सोने की तुलना में चांदी में ज्यादा तेजी आने की संभावना बनी हुई है। अगर वैश्विक परिस्थितियों में अधिक बदलाव नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत जहां 40 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर सकती है, वहीं घरेलू बाजार में भी चांदी का भाव 1.20 लाख से लेकर 1.25 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच सकता है।

फ्रांस से बाहर पहली बार डसॉल्ट एविएशन भारत में बनाएगी फाल्कन-2000 बिजनेस जेट

एजेंसी
नई दिल्ली। फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन अब वैश्विक बाजार के लिए भारत में फाल्कन-2000 बिजनेस जेट बनाएगी। इसके लिए आज पेरिस एयर शो में कंपनी ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सहायक कंपनी रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर लिमिटेड (आरएएल) के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के बाद भारत संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राजील के बाद अगली पीढ़ी के बिजनेस जेट बनाने वाले देशों के कुलीन क्लब में शामिल हो गया है। यह पहली बार है कि जब डसॉल्ट एविएशन फ्रांस के बाहर फाल्कन-2000 जेट का निर्माण करेगा, जिससे भारत रणनीतिक वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। बिजनेस एग्जीक्यूटिव जेट्स के लिए पहली असेंबली लाइन

डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड (डीआरएएल) महाराष्ट्र के नागपुर में स्थापित की जाएगी। यहां जेट का पूर्ण ढांचा और विंग असेंबली संचालन के हस्तांतरण के साथ-साथ प्रमुख सुविधा उन्नयन होगा, जहां से 2028 तक फाल्कन 2000 की पहली उड़ान का मार्ग प्रशस्त होगा। डसॉल्ट एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा कि यह नया समझौता भारत की मेक इन इंडिया प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति श्रृंखला में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में मान्यता दिलाएगा। यह साझेदारी भारत की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जबकि रणनीतिक रूप से वैश्विक विमानन आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत है। डसॉल्ट एविएशन फाल्कन 8ङ्क और फाल्कन 6ङ्क के फ्रंट सेक्शन की असेंबली के अलावा फाल्कन-2000 के पंखों और पूरे धड़ की असेंबली भी डीआरएएल? को सौंपेगा। रिलायंस समूह के संस्थापक अध्यक्ष अनिल डी. अंबानी ने कहा? कि यह? समझौता आत्मनिर्भर भारत और विश्व के लिए भारत में निर्माण के दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत में फाल्कन बिजनेस जेट के निर्माण के लिए डसॉल्ट एविएशन के साथ हमारी साझेदारी देश, विमानन उद्योग और रिलायंस समूह के लिए एक निर्णायक क्षण है।

आईएसटी के तहत 'एक राष्ट्र, एक समय' सटीकता और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा : जोशी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारतीय मानक समय (आईएसटी) के तहत एक राष्ट्र, एक समय सटीकता और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। जोशी ने नई दिल्ली में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में कहा कि आगामी विधिक माप विज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2025, सभी कानूनी, वाणिज्यिक और प्रशासनिक गतिविधियों को आईएसटी के साथ समन्वित करने को अनिवार्य बनाएंगे तथा जब तक स्पष्ट रूप से अधिकृत न किया जाए, वैकल्पिक समय संदर्भों के उपयोग पर रोक लगाएंगे। सम्मेलन में जोशी ने सीएसआईआर-एनपीएल और इसरो के सहयोग से उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही टाइम डिसेमिनेशन परियोजना के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि वित्तीय बाजारों, बिजली ग्रिड, दूरसंचार, परिवहन और अन्य क्षेत्रों में आईएसटी का सटीक और समान प्रसार, निष्पक्षता, सटीकता और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरुरी है। इस गोलमेज सम्मेलन में तमाम क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक हितधारकों ने हिस्सा लिया। इस पहल का मकसद परमाणु घड़ियों और एनटीपी और पीटीपी जैसे सुरक्षित सिंक्रोनाइजेशन प्रोटोकॉल से लैस पांच क्षेत्रीय संदर्भ मानक प्रयोगशालाओं (आरआरएसएल) के ज़रिए मिलीसेकंड से माइक्रोसेकंड की सटीकता के साथ आईएसटी प्रदान करना है, जिससे एक राष्ट्र, एक समय के दृष्टिकोण के तहत डिजिटल और प्रशासनिक क्षमताओं के एक नए युग की शुरुआत होगी।

एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में 15 प्रतिशत की कटौती की, मध्य जुलाई तक जारी रहेगी कटौती

एजेंसी
नई दिल्ली।टाटा ग्रुप की स्वामित्व वाली कंपनी एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 15 प्रतिशत की कटौती करने का ऐलान किया है। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती करने का ये फैसला 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद शुरू हुई सुरक्षा जांच, ईरानी एयर स्पेस के बंद होने और अन्य तकनीकी कारणों की वजह से लिया गया है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई ये कटौती कम से कम जुलाई के पहले पखवाड़े तक जारी रहेगी।एयर इंडिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में कहा गया है कि एयर इंडिया के सामने उत्पन्न कठिन स्थितियों को देखते हुए एयरलाइन के ऑपरेशन की स्थिरता और बेहतर दक्षता को सुनिश्चित करने के लिए तथा मुसाफिरों की असुविधा को कम करने के लिए एयरलाइन ने अगले

कुछ सप्ताह तक अंतरराष्ट्रीय विमान की उड़ानों की संख्या में 15 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया है। एयरलाइन के अनुसार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में कटौती शुक्रवार 20 जून से लागू की जाएगी, जो कम से कम मध्य जुलाई तक जारी रहेगी। सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा गया है कि मिडिल ईस्ट में जारी जियो पॉलिटिकल टेंशन, यूरोप और पूर्वी एशिया के कई देशों में जारी नाइट कर्फ्यू और एयरलाइन की सुरक्षा जांच की वजह से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अस्थिरता आ रही है। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद से ही एयर इंडिया को संचालन व्यवधान (ऑपरेशन हर्डल्स) का सामना करना पड़ा है, जिसकी वजह से पिछले 6 दिनों में एयरलाइन की 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।एयरलाइन ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई कटौती से प्रभावित होने वाले मुसाफिरों से असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। एयर इंडिया की ओर से कहा गया है कि जिन यात्रियों की उड़ानें प्रभावित हुई हैं, उन सभी को समय रहते सूचित किया जाएगा और उनके लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था करने की पूरी कोशिश की जाएगी। प्रभावित होने वाले मुसाफिर अपने सफर को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के ही रीशेड्यूल कर सकते हैं या रिफंड हासिल कर सकते हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया है कि एयरलाइन बोइंग 777 के लिए सुरक्षा जांच का दायरा बढ़ाएगी। एयर इंडिया की ओर से कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई अस्थाई कटौती से रिजर्व एयरक्राफ्ट की मौजूदगी बढ़ेगी, जिससे किसी भी गंभीर हालत से ज्यादा असरकारी तरीके से निपटा जा सकेगा। एयरलाइन की ओर से कहा गया है कि शुक्रवार 20 जून से लागू होने वाली नई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सूची जल्दी ही हर प्लेटफॉर्म पर शेयर की जाएगी।

स्टॉक मार्केट में मोनोलिथिक इंडिया की धांसू एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी
नई दिल्ली।स्टील इंडस्ट्री के रैमिंग मास का उत्पादन करने वाली कंपनी मोनोलिथिक इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 143 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 61.92 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 231.55 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 243.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही 70 प्रतिशत का फायदा हो गया। मोनोलिथिक इंडिया का 82.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 16 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 182.89 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 129.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 459.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 94.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 54.48 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेटअप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 4.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 8.51 करोड़ रुपये और 2024-25 में 14.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 52 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 97.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

बीएसएनएल 5-जी सेवा जल्द होगी शुरू, कंपनी ने दिया नया नाम क्यू-5जी, मिलेगा सुपरफास्ट इंटरनेट

एजेंसी
नई दिल्ली।सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की 5-जी सेवा का इंतजार अब खत्म होने वाला है। बीएसएनएल 4-जी के बाद अपने 5-जी नेटवर्क को लॉन्च करने की

तैयारी कर रहा है। दूरसंचार कंपनी ने अपने 5-जी नेटवर्क को एक नया नाम क्यू-5जी यानी क्वांटम 5-जी दिया है। भारत संचार निगम लिमिटेड ने 'एक्स' पोस्ट पर अपनी 5-जी सर्विस को लेकर अपडेट दिया है। कंपनी ने अपने 5-जी नेटवर्क को नया नाम दिया है, जो क्यू-5जी यानी क्वांटम 5-जी है। बीएसएनएल ने बताया है कि 5-जी नेटवर्क बहुत जल्द लॉन्च कर दिया जाएगा। ऐसे में बीएसएनएल यूजर्स को जल?द ही इसका लाभ मिलने लगेगा। बीएसएनएल ने कहा है कि आपने नाम दिया और हमने उसे रख लिया। बीएसएनएल की 5-जी सर्विस को क्यू-5जी यानी क्वांटम 5-जी कहा जाएगा। इससे पहले दूरसंचार कंपनी ने जनता से अपनी 5-जी सेवा के लिए नाम सुझाने के लिए कहा था।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में मामूली बढ़त, गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी ने की रिकवरी

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त की स्थिति नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से शेयर बाजार की कमजोरी और बढ़ गई। हालांकि थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंडसइंड बैंक, टाइटन कंपनी, आयशर मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 4.21 प्रतिशत से लेकर 1.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अदानी पोर्ट्स, टीसीएस, टेक महिंद्रा, अदानी एंटरप्राइजेज और नेस्ले के शेयर 2.40 प्रतिशत से लेकर 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,396 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 974 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,422 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 15 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थ बीएसई का सेंसेक्स आज 40.72 अंक फिसल कर 81,403.94 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक गिर कर 81,191.04 अंक तक पहुंच गया। पहले 5 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में खरीदारी का जोर बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक रिकवर करके हरे निशान में 81,583.94 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बनता हुआ नजर आया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की बढ़त कम होने लगी। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 63.84 अंक की मजबूती के साथ 81,508.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 8.80 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 24,803.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक लुढ़क कर 24,738.10 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद थोड़ी देर बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने हरे निशान में अपनी जगह बना ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,863.10 अंक के स्तर तक पहुंचा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल धीमी पड़ने लगी। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 31 अंक की मजबूती के साथ 24,843.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सेंसेक्स 138.64 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 81,444.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

ईशा मालवीय

के सामने होंगे दोनों EX बॉयफ्रेंड अभिषेक-समर्थ, खूब होगा ड्रामा

कलर्स टीवी का फैमिली एंटरटेनमेंट शो 'लाफ्टर शेफ्स 2' अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है. इस शो के सेमी-फिनाले और ग्रैंड फिनाले को शानदार बनाने में मेकर्स कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. फिनाले के इस खास अवसर पर इंडस्ट्री के कई सेलिब्रिटीज इस शो में बतौर मेहमान शामिल होने वाले हैं. लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है ईशा मालवीय की. बिग बॉस फेम ईशा मालवीय कलर्स टीवी के इस कुकिंग रियलिटी शो में बतौर मेहमान शामिल होने वाली हैं और यहां उनका सामना उनके दो एक्स बॉयफ्रेंड अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल से होगा.

'लाफ्टर शेफ्स 2' को अलविदा करने के लिए शो के मंच पर देवोलीना भट्टाचार्जी, दिव्यांका त्रिपाठी, श्रद्धा आर्या और ईशा सिंह जैसी एक्ट्रेसेस के साथ-साथ ईशा मालवीय को भी कलर्स टीवी की तरफ से आमंत्रित किया गया है. ये पहली बार होगा जब 'बिग बॉस 17' के बाद ईशा अपने एक्स-बॉयफ्रेंड अभिषेक और समर्थ दोनों के साथ एक ही मंच पर नजर आएंगी. इन सभी सितारों ने मंगलवार को मुंबई के एक स्टूडियो में इस खास एपिसोड की शूटिंग भी कर ली है.

ईशा, अभिषेक और समर्थ का रीयूनियन

लाफ्टर शेफ्स के सेमी-फिनाले और ग्रैंड फिनाले में शामिल होने वाली सभी टीवी एक्ट्रेसेस को बेहद खूबसूरत एथनिक आउटफिट्स में देखा गया. उनकी एंट्री से ही सेट पर ग्लैमर का तड़का लग गया है. लेकिन फैंस को इस शो में नजर आने वाले असली ड्रामे का इंतजार है, क्योंकि जब-जब ईशा, अभिषेक और समर्थ एक-दूसरे के सामने आते हैं, कुछ न कुछ ड्रामा जरूर होता है.

रिलीज से 1 महीने पहले 'तन्वी द ग्रेट' के मेकर्स ने किया ये काम, देखकर खुश हो जाएंगे फैंस

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर अपनी नई फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. ये फिल्म अनुपम खेर के लिए दोहरी जिम्मेदारी है. तन्वी द ग्रेट उनके लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने इसमें एक्टिंग करने के अलावा इसके डायरेक्शन की बागडोर भी संभाली है. पिक्चर अब अपनी रिलीज से सिर्फ एक महीने दूर है. इससे पहले मेकर्स ने दर्शकों को एक बड़ा तोहफा दिया है.

तन्वी द ग्रेट से मेकर्स ने अब तक कई पोस्टर शेयर किए हैं. अब फिल्म की रिलीज से ठीक एक महीने पहले इसका एक और पोस्टर सामने आया है, जिसमें पूरी कास्ट एक साथ नजर आ रही है. इसे देखते ही फैंस फिल्म के लिए और एक्साइटेड हो गए हैं. अनुपम खेर ने इसे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है.

'तन्वी द ग्रेट' का नया पोस्टर जारी

अनुपम खेर ने बुधवार, 18 जून को अपने इंस्टाग्राम हैंडल से फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है. इसमें फिल्म की पूरी कास्ट आप देख सकते हैं और खुद अनुपम भी इसमें दिखाई दे रहे हैं. उन्होंने पोस्टर जारी करते हुए लिखा, ये पोस्टर सिर्फ सितारों का कोलाज नहीं, बल्कि उससे कहीं बढ़कर है. ये कहानियों का एक कैनवास है, जो एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है जो लेबल, सीमाओं और महानता की हर आसान परिभाषा को चुनौती देती है. एक ऐसी दुनिया में जो उसे एक बॉक्स में फिट करने की कोशिश करती है, वो सीमाओं से बाहर रंग भरने की हिम्मत करती है.

कब रिलीज होगी फिल्म ?

तन्वी द ग्रेट की रिलीज डेट से अनुपम खेर पहले ही पर्दा उठा चुके हैं और उन्होंने नए पोस्टर के साथ भी रिलीज की जानकारी शेयर की है. अभिनेता ने पोस्टर में आगे लिखा, तन्वी द ग्रेट 18 जुलाई को अपनी रिलीज के करीब पहुंच गई है. सिर्फ एक महीना बाकी है.

तन्वी द ग्रेट की कास्ट

तन्वी द ग्रेट में शुभांगी अहम रोल में हैं. पूरी कहानी उनके ही इर्द-गिर्द घूमती हुई नजर आएगी. फिल्म में अनुपम खेर के अलावा जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, नासर, करण ठक्कर और इयान ग्लेन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. अनुपम खेर इसके प्रोड्यूसर भी हैं और इसमें म्यूजिक दिया है एमएम कीरवानी ने.